3 बस्तर संभाग
तेंदूपत्ता तोड़ाई और ढुलाई की राशि एक वर्ष से नहीं मिला...

6 अभिमत
जीएसटी में लाएं पेट्रोलियम उत्पाद

10 संस्कारधानी
तेजी से बढ़ेगा पारा, महीने के आखिर में 40 डिग्री तक...

11 छत्तीसगढ़
कोरबा जिले में दर्री डैम के खोले गए दो गेट, दो दिन...

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, मंगलवार 21 मार्च 2023 पृष्ठ-12 वर्ष-07, अंक- 206 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल को बचाने की अपील की

रायपुर। सीएम बघेल ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस 21 मार्च के अवसर पर शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि जंगल, पृथ्वी पर प्राणवायु ऑक्सीजन के साथ विभिन्न खाद्य और अन्य उपयोगी सामग्रियों के स्रोत हैं। विश्व भर में पेड़ों और जंगल की सुरक्षा और उसका महत्व जन-जन तक पहुंचाने के लिए 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाया जाता है। बढ़ती जनसंख्या और बदलती जीवन शैली का दुष्प्रभाव हमें सिमटते जंगल और प्रदूषित पर्यावरण के रूप में दिखाई दे रहा है। जंगल पर हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जन्तु, कीट पतंगों और प्राणियों की परस्पर निर्भरता रहती है।

अमन सिंह की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

बिलासपुर। अमन सिंह और उनकी पत्नी की अग्रिम जमानत मामले में सुनवाई पूरी हो गई है। इस मामले में हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। अमन सिंह और उनकी पत्नी यास्मीन सिंह के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। जमानत याचिका खारिज होने के बाद अमन सिंह ने फिर से हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने शासन को नोटिस जारी कर मामले की केस डायरी तलब की थी। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

नक्सलियों ने एक दर्जन गाड़ियां को फूंका

कांकेर। कांकेर में एक बार फिर से नक्सलियों ने उत्पात मचाया है। सड़क निर्माण कार्य में लगे 9 वाहनों को नक्सलियों ने जला दिया है। बताया गया है कि पुलिस को बिना सूचना दिए सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। इस बीच माओवादियों ने इस वारदात को अंजाम दे दिया। मामला कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र का है। आलपरस के पास में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इसी कार्य में 8 ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन भी लगी हुई थी।

प्रधानमंत्री आवास को लेकर विधानसभा में फिर हंगामा

कोरोना काल में स्थिति ठीक नहीं होने के कारण हम राज्यांश नहीं दे पाए: चौबे

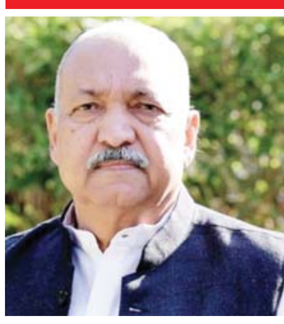

पायनियर संवाददाता ◁ रायपुर
www.dailypioneer.com

सोमवार को विपक्ष ने एक बार फिर प्रधानमंत्री आवास मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा। विपक्षी सदस्यों ने योजना से वंचित लोगों को शामिल करने के लिए सरकार की कार्यवाही की जानकारी मांगी। मामले में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर विरोध जताया। भाजपा सदस्य पुन्नूलाल मोहिले ने प्रधानमंत्री आवास का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 के सर्वे सूची अनुसार, प्रदेश में पीएम आवास योजना में छूट गए लोगों को क्या फिर से सूची में शामिल किए जाने के लिए क्या कार्यवाही करेंगे? इस पर पंचायत मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि सरकार ने सर्वे कराने का फैसला लिया है। अप्रैल 2023 में उन सभी पात्र लोगों को शामिल किया जाएगा, जो लोग बचे हैं। विपक्ष ने आवास की संख्या पर भी सवाल किया। केंद्र से मकान बनाने का लक्ष्य बताते हुए मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा मैं इन्हें बताते-बताते हुए खुद ही कंफ्यूज हो गया हूं। इस पर विपक्ष ने कहा कि सरकार गरीबों का मकान छीन रही है। मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आंकड़ों को लेकर हम कंफ्यूज हो गए है। कभी कुछ आंकड़ा बताया जाता है तो कभी कुछ। विभागीय मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि हर बार विपक्ष अलग-अलग आंकड़ा देता है। 16 लाख मकान नहीं, कुल 16 लाख बनने थे। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 1 लाख 51 हजार स्वीकृत की गई थी। इसी तरह 2020-21 में 1 लाख 57 हजार 815 आवास स्वीकृत हुए थे। साल 2021 -22 में एक भी आवास स्वीकृत नहीं हुआ। साल 2022-23 में 79000 पीएम आवास स्वीकृत किए गए है। 4 वर्षों में कुल 3 लाख 87 हजार 915 आवास स्वीकृत किए गए। इसके लिए कुल 676.45 करोड़ राज्यांश की राशि दी गई है। मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि कोरोना काल की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण हम राज्यांश नहीं दे पाए, लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि गरीबों के साथ केंद्र सरकार ने अन्याय किया। जिसको लेकर विपक्षी सदस्यों ने सदन में जमकर हंगामा किया। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने वाकऑउट किया।

चावल आवंटन में गड़बड़ी, दुकान संचालकों से होगी वसूली

शून्यकाल में विपक्ष ने राशन दुकानों में चावल आवंटन में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मंत्री भी स्वीकार कर चुके हैं कि 149 करोड़ का घोटाला हुआ है। गरीबों के मुंह से निवाला छीना जा रहा है। इस पर मंत्री अमरजीत भगत में जवाब दिया। मंत्री के जवाब से विपक्ष असंतुष्ट होकर नारेबाजी शुरू कर दिया। इससे पहले शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रदेश के राशन दुकानों से चावल गायब हो जाने का मुद्दा उठाया। डॉ. रमन ने कहा कि खाद्य विभाग ने प्रदेश की 13 हजार पीडीएस दुकानों की जांच की, जिसमें 68 लाख 930 टन चावल गायब पाया गया। खाद्य विभाग और जिलों के आंकड़ों में इस चावल का रिकार्ड नहीं है। ऐसा करके 500-600 करोड़ का घोटाला किया गया है। मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि प्रदेश की 13992 दुकानों की जांच कराई गई, जिसमें 41 हजार टन चावल की कमी पाई गई। विपक्षी विधायकों ने कहा कि यह गरीबों के चावल का मामला है। हर जिले की पीडीएस दुकान की विधायकों की कमेटी से जांच कराई जाए। मंत्री भगत ने कहा कि सभी राशन दुकानों की जांच 24 मार्च तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। जांच के बाद जिन दुकान संचालकों से एक-एक पैसे की वसूली होगी।

गरीब देवनतीन बाई पीएम आवास, बिजली, नल जल, योजनाओं से वंचित

गरियाबंद। आजादी के 75 वर्ष बाद भी गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड ग्राम पंचायत कनेसर के आश्रित ग्राम जुनवानी के विशेष पिछड़ी कमार जनजाति महिला देवनतीन बाई को आज तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हितग्राही तक पीएम आवास बिजली व नल जल योजनाएं नहीं पहुंच पाई। हाल ही में एक दिन की हवा पानी तूफान से उनकी घर की स्थिति दयनीय हो गई। यह गरी ब परिवार बरसात के दिनों में कैसे रह पाएंगे। ऐसे परिवार झिल्ली तान कर ही एक ही रूम में जीवन यापन कर रहे। देवनतीन बाई ने बताया हमें योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं हो पाता ना ही हम शिक्षित है शिक्षा के अभाव के चलते आज हम योजनाओं से वंचित है। लेकिन हम अपने बच्चों को शिक्षा देना चाहते हैं। गरीबी के चलते हम जो सोचते हैं नहीं कर पाते हमारा घर एक झोपड़ी जैसा एक रूम है। जंगलों के नीचे बसे हुए हैं आए दिन हाथियों का डर सताए रहता है।

पेपर लीक होने और प्राकृतिक आपदा के मामले में कांग्रेस ने किया बहिर्गमन

पायनियर संवाददाता ◁ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्य में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा के पेपर लीक होने और ओलावृष्टि के कारण किसानों के परेशान होने के मामले में बहिर्गमन किया। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि राज्य में इन दिनों दसवीं और बारहवीं की परीक्षा के 'पेपर आउट' (गोपनीयता भंग होना) हुए हैं। ऐसा होने से विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह राज्य में अनेक जिलों में ओलावृष्टि हुयी है। किसान परेशान हैं। सर्वेक्षण का कार्य नहीं हो रहा है। राजस्व अधिकारी कर्मचारी पड़ताल पर हैं। सरकार की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। इसलिए विपक्षी सदस्य बहिर्गमन करते हैं। उनकी घोषणा के बाद कांग्रेस सदस्यों ने बहिर्गमन किया। इसके उपरांत संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस का कोई भी वरिष्ठ नेता किसानों का दुख दर्द देखने मौके पर नहीं गया। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं और सदन का राजनैतिक उपयोग किया जा रहा है। इसके पहले प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य गौरीशंकर बिसेन ने राज्य कुक्कुट विकास निगम के एक अधिकारी का मामला उठाते हुए कहा कि उसके खिलाफ अनेक शिकायतें हुयीं, लेकिन वे बगैर जांच के ही नस्तीबद्ध कर दी गयीं। उन्होंने इन शिकायतों की जांच विधायकों की समिति से कराने की मांग की। पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने कहा कि संबंधित शिकायतों की जांच हुयी है। इस बीच अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा कि प्रत्येक जांच में विधायकों को शामिल किया गया, तो अन्य काम नहीं हो पाएंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि नौकरशाही एकतरफा कार्य कर रही है।

अब तक 114 को हिरासत में लिया, अमृतपाल की तलाश जारी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने कहा कि वारिस पंजाब दे प्रमुख अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के लिए शनिवार से चलाये ऑपरेशन के तहत शामत तक 114 लोगों को हिरासत में लिया गया है और अमृतपाल सिंह की तलाश जारी है। पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 78 लोग पहले दिन, 34 दूसरे दिन और दो तीसरे दिन यानी आज हिरासत में लिये गये हैं। उन्होंने बताया कि फरवरी से लेकर अब तक संगठन के तत्वों के खिलाफ छह मामले दर्ज किये गये हैं, जिनमें सामाजिक सद्भावना का माहौल बिगाड़ने की कोशिश से लेकर पुलिस के कार्य में दखल देने, पुलिसकर्मियों को चोट पहुंचाने से लेकर शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन और हत्या के प्रयास के आरोप शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमृतपाल सिंह को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है, उसकी तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन में 10 हथियार और चार वाहन भी जब्त किये गये हैं। पांच आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाया गया है और उन्हें असम भेजा गया है। गिल ने कहा कि पुलिस आईएसआई और विदेशी फंडिंग के कोणों की भी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूरी तरह से शांति है और लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की। सोशल मीडिया में 'फेक न्यूज़' फैलाने वाले तत्वों को उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

सीबीआई मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 4 अप्रैल तक बढी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं के मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मामले में सोमवार को 04 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। राउस एवेन्यू स्थित एम. के. नागपाल की विशेष अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सिसोदिया को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत बढ़ाने आदेश पारित किया। सिसोदिया फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। विशेष अदालत ने 17 मार्च शुक्रवार को 51 वर्षीय पूर्व उप मुख्यमंत्री सिसोदिया को 22 मार्च तक की हिरासत मंजूरी की थी। अदालत ने 10 मार्च को सिसोदिया को 17 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेजा था। उस वक्त वह सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद थे। सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद सिसोदिया को ईडी ने 09 मार्च को जेल में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। गौरतलब है कि 26 फरवरी को गिरफ्तार सिसोदिया को 06 मार्च को सीबीआई की हिरासत अवधि पूरी होने के बाद 20 मार्च तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अदालत ने सीबीआई के अनुरोध पर सिसोदिया को 04 मार्च तक केंद्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि समाप्त होने पर दो दिन की और हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने 28 फरवरी को सिसोदिया की रिट याचिका खारिज करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष गुहार लगा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से छत्तीसगढ़ के राज्यपाल हरिचंदन ने की सौजन्य मुलाकात

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्य के विकास तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

वैज्ञानिक गर्भसंस्कार के क्षेत्र में विशेष उल्लेखनीय योगदान

डॉ. मानसी पत्तेवार विमेन रेकाग्नेशन अवार्ड से हुई सम्मानित

पायनियर संवाददाता ◁ रायपुर
www.dailypioneer.com

वैज्ञानिक गर्भसंस्कार के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाली डॉ. मानसी पत्तेवार को विमेन रेकाग्नेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। एफ.एम. तड़का (रेडियो स्टेशन) और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से जयपुर (राजस्थान) में आयोजित विमेन रेकाग्नेशन अवार्ड सीजन-10 में, रायपुर शहर की निवासी डॉ. मानसी पत्तेवार (जनरल फीजिशियनों) को 'हेल्थ एंड केयर गीविंग' कटेगरी में, वैज्ञानिक गर्भसंस्कार के क्षेत्र में विशेष कार्य करने के कारण इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. मानसी पत्तेवार, विवाहित जोडों को प्रेग्नेंसी के पूर्व और प्रेग्नेंसी के दौरान वैज्ञानिक गर्भसंस्कार की तकनीक समझाती है। ऑनलाइन क्लासेस द्वारा विवाहित जोड़े यह तकनीक समझकर एक स्वस्थ्य और खुशहाल जीवनशैली अपनाते हैं, जिसमें वे संस्कारवान और समग्र रूप से स्ववस्थ संतान प्राप्त करते हैं। इन क्लासेस की वजह से, नॉर्मल डिलीवरी का प्रतिशत बढ़ जाता है। संपूर्ण 9 महीने आनंद और उल्हास से भरे रहने के कारण तनाव से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। पति-पत्नी और उनके परिवार के संबंध और भी अच्छे हो जाते हैं। जिससे वे अपने बच्चे की परवरिश उत्कृष्ट तरीके से करके देश को जिम्मेदार नागरिक दे सकते हैं।इस कार्यक्रम में समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्षता अर्चना शर्मा, एस बी आई के मार्केटि जी.एन.पीसी साबू और चीफ मैनेजर रमनजीत सिंह सिद्धू द्वारा महिलाओं को अवार्ड दिए गए।

हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

वार्ता ◁ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

लोकसभा में सोमवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। पीठासीन अधिकारी डॉक्टर किरीट प्रेमभाई सोलंकी ने एक बार स्थगन के बाद दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे। हंगामे के बीच ज़रूरी काग़ज़ात पटल पर रखे गए। पीठासीन अधिकारी ने नारेबाज़ी कर रहे सदस्यों को अपने-अपने स्थान पर बैठने का आग्रह किया, लेकिन सभी उनकी बातों को अनसुना कर हंगामा करते रहे ,जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सुबह 11 बजे जैसे ही सदन में प्रश्नकाल शुरू किया, सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के सदस्य अपनी अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे। विपक्ष के सदस्य तख्तियां लेकर भी अपना विरोध व्यक्त करते रहे जिस पर अध्यक्ष ने गहरी नाराजगी भी जतायी लेकिन सदस्य उनकी बात अनसुनी कर तख्तियां लहराते रहे। हंगामे के बीच अध्यक्ष ने कहा, प्रश्नकाल के बाद अपनी बात रखने का आपको पर्याप्त समय दिया जाएगा। मेरा आग्रह है कि प्रश्नकाल चलने दीजिए। सदन आपका है और मेरा प्रयास है कि सब लोग अपनी सीटों पर बैठे और सदन चलने दें।

राज्यसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण लगातार छठे दिन शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो सका तथा सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। भोजनावकाश के उपरांत उप सभापति हरिवंश ने सदन की कार्यवाही शुरु कराने का प्रयास किया तो विपक्षी दलों के सदस्य जोर-जोर से नारेबाजी करते हुए शोर गुल करने लगे। इसके जवाब में सत्तापक्ष के सदस्य भी अपनी सीटों से आगे आ गये और जोर-जोर से बोलने लगे। उप सभापति ने दोनों पक्षों के सदस्यों से शांत होने और सदन की कार्यवाही चलने देने की अपील की लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद महज दो मिनट के भीतर ही उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी।

कबीरधाम जिले में दो दिवसीय भोरमदेव महोत्सव का हुआ आगाज

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

सतपुड़ा पर्वत की मैकल पहाडी श्रृखलाओं से घिरे सुरम्यवादियों में स्थिति ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर के प्रांगण में वर्षो से आयोजित हो रहे भोरमदेव महोत्सव की परंपरा को कायम रखने जिला प्रशासन द्वारा दो दिवसीय भोरमदेव महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दीप प्रज्जवलित कर वैदिक मंत्रोचार के साथ भगवान भोरमदेव की पूजा अर्चना और छत्तीसगढ़ महतारी के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर छत्तीसगढ़ की राजकीय गीत के साथ विधिवत शुभारंभ हुआ। शुभारंभ अवसर पर कबीरधाम जिले के प्रसिद्ध मंदिरों और आदिवासी बैगा समाज के पुजारी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मंच पर बूढ़ा महादेव मंदिर के पुजारी मनहरण दुबे, मां दन्तेश्वरी मंदिर के पुजारी अजय राजपूत, मां चण्डी मंदिर के पुजारी तिहारी चन्द्रवंशी, खेड़ापति हनुमान मंदिर के पुजारीचन्द्रकिरण तिवारी, ग्राम कामठी पंण्डरिया के श्री परसराम मरकाम और ग्राम भुरसीपकरी बोड़ला के लमतू सिंह बगदरिया, पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर, कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा, जनपद अध्यक्ष लीला धनुक वर्मा, कलेक्टर जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह, डीएफओ चुड़ामणी सिंह, जिला पंचायत सीईओं संदीप कुमार अग्रवाल उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ करते हुए समस्त पुजारियों ने महोत्सव में विशेष रूप से आमंत्रित करने पर महोत्सव के आयोजक भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट, जिला प्रशासन तथा सरकार के प्रति अभार व्यक्त किया। पंडरिया विधायक ममता चंद्राकर ने कहा कि पिछले वर्ष के परम्परा के अनुरूप इस वर्ष भी जिले के पुजारियों अतिथि के रूप में आशिर्वाद देने पहुंचे है। भोरमदेव महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति सहित भारतीय परम्पराओं पर अधारित कार्यक्रम प्रस्तुत करने कलाकार आए है। छत्तीसगढ़ की लोक परम्परा विख्यात है। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की पथ पर आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ की परम्परा को सहजने का काम किया जा रहा है। महोत्सव में भी छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति, लोकगीत को प्रस्तुत करने का मौका दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ के कलाकारों द्वारा देश के साथ-साथ विदेशों में भी छत्तीसगढी संस्कृति, परम्परा के महत्व को बढ़ाते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रहे है। नगर पालिका अध्यक्ष श्री ऋषि शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने विशेष अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए भोरमदेव महोत्सव की आरंभ से लेकर वर्तमान दौर तक पूरी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भोरमदेव मंदिर छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, पर्यटन और जन आस्था के रूप में ऐतिहासिक महत्व का स्थल है। इस मंदिर की ख्याति देश के अलग-अलग राज्यों तक फैली हुई है। यहां साल भर विदेशी, देशी तथा घरेलु पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं के रूप में आना होता है। बाबा भोरमदेव मंदिर में प्रत्येक वर्ष होली के बाद कृष्णपक्ष के तेरस और चौदस को महोत्सव मानाने की यहां परम्परा रही है। साथ में सावन मास में मंदिर में विशेष पूजा अर्चना भी की जाती है। यहां सावन माह में मेले का आयोजन भी होता है जिसमें देशी तथा घरेलु पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं के रूप में शामिल होते है। कलेक्टर ने ऐतिहासिक महत्व स्थल भोरमदेव मंदिर की भव्यता और उसके महत्व को बनाए रखने के लिए राज्य शासन के पुरातत्व विभाग और जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की पूरी जानकारी भी दी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा महोत्सव के समस्त विशेष अतिथियों को प्रतीक चिन्ह, शॉल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित भी किया।

भोरमदेव महोत्सव में पंडवानी, ओडिसी नृत्य सहित छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय भोरमदेव महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर रविवार की रात छत्तीसगढ़ के ख्याति प्राप्त कलाकारों और स्कूली बच्चों द्वारा रंग-बिरंगे पोशक में जहां छत्तीसगढ़ की लोक कलाओं, लोक संस्कृति पर आधारित गीत एवं नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। भोरमदेव महोत्सव के पहले दिन कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के ग्राम बारपानी निवासी मोहतु बैगा एवं साथी के द्वारा बैगा नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्य मों का शुभारंभ हुआ। इसके बाद जिले के स्कूली बच्चों ने सामुहिक नृत्य के साथ अपनी प्रस्तुति दी। बोडला के रजउ साहू छत्तीसगढ़ की लोकगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। रायपुर की पूर्णश्री राउत भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करती हुए ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति दी। देगी। इसके बाद भिलाई की ऋतु वर्मा द्वारा छत्तीसगढ़ की पण्डवानी की प्रस्तुति दी। कोरबा के जाकिर हुसैन ने सुपर हिट गीतों की प्रस्तुति देकर मंच का शंमा बांधा। इसके बाद छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के गायन की प्रस्तुति देते हुए सुनील तिवारी ने अपने चीर परचीत अंदाज में छत्तीसगढ़ की संस्कृति सहित सुपर डुपर गानों की शानदार प्रस्तुति देकर महोत्सव का मान बढ़ाया। जिला प्रशासन द्वारा कलाकारों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले भोरमदेव महोत्सव का विधिवित शुभारंभ करते हुए 12 से 12.30 बजे के बीच बोड़ला ब्लॉक के चरण तिरथ, बैगा करमा नर्तक दल बारपानी के श्री मोहतु सिंह एवं साथी के द्वारा शानदार बैगा नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही 12.30 बजे से 1.15 के बीच ग्राम गैंदपुर के कुमार साहू द्वारा शिव पार्वती कथा एवं भजन, 01.15 से 02 के बीच ग्राम हथलेवा के रेवाराम मरकाम द्वारा जसगीत, 02 से 02.45 के बीच ग्राम जिंदा के रामजस साहू द्वारा जसगीत, 02.45 से 3.30 के बीच सुरमोहनी मानस परिवार ग्राम सोनझरी श्री रमेश साहू द्वारा भजन मंडली, 3.30 से 4.30 के बीच ग्राम गोछिया के संतोष दास द्वारा पंण्डवानी और 4.30 से 5 के बीच ग्राम बरहट्ठी के खिलावनदास अनंत द्वारा पंथी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।

पंचायत सचिव के हड़ताल से प्रभावित हो रहे है ग्रामीणों के काम

जगदलपुर। अपनी मांगों को लेकर के छत्तीसगढ़ के कर्मचारी संघ व अन्य संस्थाओं के द्वारा भी लगातार धरना प्रदर्शन का दौर जारी है। इसी तरह सचिव संघ ने में विगुल फूंक दिया है चुंकि विगत 16 मार्च से प्रदेश भर के पंचायत सचिवों ने अपनी 1 सूत्री मांगों को लेकर, मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। विदित हो कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सचिवों का बजट 2023- 24 में शासकीय करण करने का पंचायत मंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया था किंतु बजट में पंचायत सचिवों काम शासकीय करण के संबंध में होने से समस्त पंचायतों के सचिवों में रोष व्याप्त है। छत्तीसगढ़ पंचायत सचिव संघ के प्रांतीय आवाहन के अनुसार ग्राम पंचायत के सचिव के 1 सूत्रीय मांग परिवीक्षा अवधि पश्चात भी शासकीय करण के संबंध में 15/3/2023 तक सकारात्मक पहल नहीं की जाती है तो जिले के समस्त ग्राम पंचायत सचिव दिनांक 16 मार्च 2023 से ब्लॉक मुख्यालयों में काम बंद, कलम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल आंदोलन पर रहेंगे सचिव संघ ने कहा है कि जिसकी संपूर्ण जवाब दें शासन प्रशासन की होगी। ज्ञात हो कि पेंशन ,मनरेगा भुगतान एवं अन्य काफी काम पंचायतों के सचिवों के हड़ताल पर रहने से प्रभावित हो रहा है।

बेरोजगारी के आंकड़ों की झूठी जानकारी दे रहे रोजगार मंत्री उमेश पटेल: विक्रम धुर्वे

पायनियर संवाददाता ∢ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

विधानसभा में रोजगार मंत्री द्वारा बेरोजगारों के झूठे आंकड़े देने पर विक्रम धुर्वे ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि विधान सभा में झूठी जानकारी देना गलत परंपरा की शुरुआत है। बेरोजगारी का मुद्दा संवेदनशील है और इससे जुड़े मामले में मिथ्या जानकारी को लोकतंत्र के लिए अपमानजनक बताते हुए जिलाध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष व सांसद प्रतिनिधि विक्रम धुर्वे ने कहा विधानसभा में रोजगार विभाग के मंत्री उमेश पटेल से बेरोजगारी के आंकड़ों संबंधी सवाल पूछा गया तो उन्होंने बेरोजगारी की दर 0.5 प्रतिशत बताई लेकिन बेरोजगारों की संख्या बताने मे असमर्थता जताई गई। आश्चर्य की बात यह है कि रोजगार चाहने वालो युवाओं की पंजीकृत संख्या 18 लाख 78 हजार लिखित में प्रस्तुत की गई। दोनों आकड़ों के विश्लेषण पर गौर करे तो छत्तीसगढ़ की जनसंख्या 3 करोड़ के बजाय 36 करोड़ होती है। बेरोजगारी की दर 0.5 प्रतिशत एवं रोजगार हेतु पंजीकृत युवाओं के आंकड़ों में बड़ा फर्क है इस उत्तर को गलत बताते हुए विभागीय मंत्री उमेश पटेल ने छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवाओं को छला है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था के तहत सबंधित विभाग के मंत्री का जवाब पूरे सरकार का जवाब माना जाता है।

इस मिथ्या जानकारी हेतु मंत्री उमेश पटेल एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्रदेश की जनता से माफी मांगते हुए जन घोषणा पत्र में किए गए वादों के अनुसार युवाओं के खाते में बेरोजगारी भत्ते के 13 हजार करोड़ रुपए की राशि जमा करवानी चाहिए।

रोजगार गारंटी योजना से ग्रामीणों को मिल रहा काम

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार मिलने का सिलसिला निरंतर जारी है। जिले के 432 ग्राम पंचायतों में निर्णय कार्य चल रहा है जिसमे ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में सभी ग्राम पंचायतों के लिए पूर्व से ही कामो की स्वीकृती जिला प्रशासन द्वारा किया गया है ताकि ग्रामीणों के काम मांगते ही उन्हें रोजगार दिया जा सके। योजना में 1 लाख 27 हजार से अधिक परिवारों को निरंतर रोजगार मिला है। अभी तक 54 लाख से अधिक मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को मिलने से उन्हें बहुत फायदा हो रहा है क्योंकि रोजगार अपने गांव में मिलने के साथ मजदूरी भुगतान से आर्थिक लाभ हो रहा है।

9154 परिवारों को 93 करोड़ का भुगतान-

योजना अंतर्गत हो रहे कार्यों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर जनमेंजय महोबे ने बताया कि मनरेगा योजना ग्रामीणों के लिए बहुत लाभकारी है। क्योंकि एक ओर जहां इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई परिसंपत्ति बन रहा है तो दूसरी ओर इन कार्यों में नियोजित ग्रामीणों को अब तक 93 करोड़ से अधिक का मजदूरी भुगतान उनके खाते में सीधे जारी किया जा चुका है। चालू वित्तीय वर्ष में अभी तक लाभभग 132 करोड़ रुपए से अधिक व्यय किया गया है। रोजगार मूलक कार्यो से ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में मजदूरी राशि प्राप्त हो रही है।जिले के 9154 परिवारो को सौ दिवस का रोजगार मिल चुका है इसी तरह 25 सौ से अधिक दिव्यांग जनों को भी रोजगार का अवसर मिला है जो उनके लिए बहुत लाभकारी है।

मजदूरी भुगतान करना प्राथमिकता-सीईओ जिला पंचायत

ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार दिए जाने के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि तालाब गहरीकरण नया तालाब निर्माण कार्य कच्ची नाली निर्माण सड़क निर्माण डबरी निर्माण पशु शेड आंगनबाड़ी भवन जैसे अनेक कार्य हो रहे हैं जिसमे ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है समय पर रोजगार प्रदान करते हुए मजदूरी भुगतान प्राथमिकता के साथ समय पर करने के लिए सभी मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त मात्रा में कार्य पूर्व से स्वीकृत है। सभी ग्रामीण अपने ग्राम पंचायत में निर्माण कार्य की मांग कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

बिरनमाला से हुआ भोरमदेव महोत्सव के सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन

कवर्धा। भोरमदेव महोत्सव में आए सभी अतिथियों का विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के विशेष आभूषण बिरनमाला (स्वर्णमाला) से स्वागत और अभिनंदन हुआ। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने भोरमदेव महोत्सव में आए सभी अतिथियों का आदिवासी संस्कृति बिरनमाला (स्वर्णमाला) से स्वागत किया। बैगा समाज के इतवारी मछिया ने बताया कि सोने की तरह चमकने वाली यह माला वस्तुतः घास से बनती है। यह बैगा आदिवासियों का एक प्रिय गहना है। जिसे खिरसाली नाम के पड़ के तने और सुताखंड और मुंजा घास के रेशों से बनाया जाता है। आमतौर पर माला को गूंथने के लिए मुंजा घास का प्रयोग सबसे ज्यादा किया जाता है, क्योंकि यह बहुतायत में होती है। यह अक्टूबर-नवंबर माह में उगती है। पहले खिरसाली के तने को छीलकर समान आकार के छल्ले बनाए जाते हैं। फिर उन्हें गूंथा जाता है फिर हल्दी के घोल में डुबा कर सुखाया जाता है। अन्य प्राकृतिक रंगों में भी इन्हें रंगा जा सकता है। ऐसी एक माला को बनाने में कम से कम तीन दिन लग जाते हैं। पूरा काम बड़े जतन से हाथ से किया जाता है। उन्होंने बताया कि कोई धार्मिक कार्यक्रम हो या फिर मेला-मड़ई या फिर उत्सव या विवाह, अपने अतिथियों का स्वागत बैगा आदिवासी इसी बिरन माला से करते हैं। नृत्य के अवसर पर बैगा महिलाएं इसे सिर पर भी धारण करती हैं।

कलेक्टर ने जिले में हुए अतिवृष्टि से फसल की स्थिति का अवलोकन करने पहुंचे किसानों के खेत में

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

जिले में हुए पिछले दो दिनों के बारिश को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर जनमेजय महोबे फसल की स्थिति का अवलोकन करने आज स्वयं किसानों के खेत में पहुंचे। उन्होंने ग्राम भागूटोला और छांटा झा में किसानों के खेत में पहुंचकर गेहूं, गन्ना, चने सहित अन्य फसल की स्थिति देखी। कलेक्टर ने कृषि और राजस्व विभाग और सरपंच तथा किसानों की उपस्थिति में खेत में फसल की स्थिति को परखा और अवलोकन किया। कलेक्टरमहोबे ने जिले में हुए बारिश से खेतों फसल नुकसान की संभावनाओं को देखते हुए अतिवृष्टि, ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का राजस्व एवं कृषि, उद्यान विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर वास्तविक आंकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीम प्रत्येक ग्राम में सरपंच एवं कृषकों की उपस्थिति में मौका जांच कराएं एवं पंचनामा के साथ प्रतिवेदन तैयार करें। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कृषि और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जहां ओलावृष्टि हुई हैं उन सभी क्षेत्र का दौरा करें। यदि फसल का नुकसान हुआ है तो आरबीसी 6-4 के तहत प्रकरण तैयार करें। उन्होंने कहा कि बारिश से फसल में कीटो की समस्या आ सकती है, इसके लिए कृषि विभाग फसल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गाइड लाइन जारी करें और किसानों को अवगत कराएं। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार मनीष वर्मा, सहायक संचालक कृषि सहित राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

हस्ताक्षर साहित्य समिति ने किया होली मिलन समारोह एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

पायनियर संवाददाता ∢ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

हल्बा समाज भवन में हस्ताक्षर साहित्य समिति द्वारा होली मिलन समारोह के साथ काव्य गोष्ठी का आयोजन आचार्य जे आर महिलांगे की अध्यक्षता, शिरोमणी माथुर के मुख्य आतिथ्य तथा लतीफ खान, गोविंद कुट्टी पाणिकर तथा शमीम अहमद सिद्धकी के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। समिति के कवियों ने कविता के माध्यम से सामाजिक मुद्दों, महिला सशक्तिकरण ,राष्ट्रभक्ति तथा नशे के दुष्प्रभाव पर रचना के माध्यम से होली के सतरंगी प्रेम रूपी अबीर गुलाल से समस्त हस्तियों को बसंती रंगों से सराबोर कर दिया। आचार्य जेआर महिलांगे ने कहा कि होली पर्व एक दूसरे से मतभेदों को भुलाकर गले मिलने तथा भाईचारे और एकजुटता का संदेश देता है साथ ही अपनी रचना मास फागुन बाजत नंगारे, गावत सब मिल फाग, गुलाल रंग सब भर कटोरे ,होवत अति अनुराग सुना कर पूरे माहौल को होलियाना बना दिया। वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती शिरोमणि माथुर ने अपनी रचना जीवन एक कहानी है ,पल-पल मरता पानी है। पेट पीठ से चिपक गया है, बातें सब शैतानी है द्वारा मिलकर मानव सेवा करने तथा बेहतर माहौल बनाने के खातिर एक नई शुरुआत करने को प्रेरित किए। लतीफ खान की आ गई पी से मिलने मादक ऋतु, टेसु वन सा ही ये तन दहकने लगा, आज सांसे हुई मेरी सुरभित पिया, आम्रकुंज सा यौवन महकने लगा। रचना सुनकर सभी का मन बासंती बयार संग डोलने लगा। कवि गोविंद कुट्टी पणिकर ने दीप बनकर तुम्हें जलना ना आया, मोम बनकर यूं ही पिघलना ना आया। विद्वत के दर पर ऐठे रहे तुम ,सहज शिशु सदृश्य मचलना ना आया प्रस्तुत कर शोहरत के शिखर पर बैठे अहंकारियों को लिहाज का दर्पण दिखा कर बता दिया की जवानी दौलत शोहरत सदा नहीं रहती। शमीम अहमद सिद्धकी ने पिया गए परदेस, होरी कैसे मनाऊं ।आयो ना कोई संदेश, होली कैसे मनाऊं सुना कर पिया के दूर होने से प्राण तजने को मजबूर व पिया के लिए तड़प रही बिरहन की पीड़ा का चित्रण कर वाहवाही बटोरी। हास्य कवि और व्यंग्यकार घनश्याम पारकर ने अपनी रचना से हंसी और ठहाकों की फुहार से सभी को खूब लोटपोट किया साथ ही सामाजिक और राजनीतिक को व्यवस्थाओं पर गंभीर व्यंग्य बाण भी छोड़े। उनकी छत्तीसगढ़ की रचनाएं इस प्रकार है चल संगी होली तिहार मनाबो, जांगर नई चलही तभू ले चलाबो। राजेश्वरी ठाकुर ने अपनी रचना थोड़ी थोड़ी सी रंग जाऊं ,थोड़ी थोड़ी सी बिखर जाऊं ,थोड़ी थोड़ी सी उड़ जाऊं, बनके रंगों सी प्रस्तुत कर होली के लाल पीले हरे रंग बिखेर एक दूजे के रंग में रंगने तथा सबके साथ घुलने, मिलने का संदेश दिया।

नगर पालिका परिषद को, रेलवे ने सौंपा सफाई कार्य का दायित्व

दल्लीराजहरा। राजहरा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शीबू नायर एवं रेलवे वार्ड क्रमांक 26 पार्षद टी. ज्योति के प्रयास से रेलवे विभाग द्वारा रेलवे वार्ड की समस्त सफाई का कार्य नगर पालिका को सौंपा है । इस सफलता से न सिर्फ वार्ड वासियों को लाभ मिलेगा बल्कि नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा की आय में भी बड़ोत्तरी होगी जिससे भविष्य में जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाया जाने में मदद मिलेगी। रेलवे अधिकारियों ने नगर पालिका अधिकारी के साथ समझौता किया , जिसके अनुसार दैनिक सफाई के कार्य का टेंडर नगर पालिका को सौंपा गया और अब सफाई कार्य प्रारंभ कर दी जाएगी ।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बीमारी से निजात दिलाने कोई पहल नहीं की

मौसम बदलते ही नगर वासियों को मच्छरों ने किया नाक में दम, जिम्मेदार मौन

पायनियर संवाददाता ∢ रामानुजगंज
www.dailypioneer.com

मौसम बदलते ही मच्छरों का आतंक बढ़ता चला जा रहा है मच्छर ही तो हैं जो इंसान को ठीक से न तो सोने देते हैं,न ही आराम से बैठ कर कोई काम ही करने देते हैं। मच्छरों की जनसंख्या में लगातार बढ़ोतरी होती चली जा रही है। पहले इनके शिकार लोग मलेरिया की चपेट में आते थे और अब वह डेंगू रूप में भी बीमारी फैला कर इंसानों की जान ले रहे हैं। मच्छरों से निजात पाने के लिए कई तरह की केमिकल युक्त अगरबत्ती एवं स्प्रे का इस्तेमाल लोग कर रहे हैं लेकिन जब तक इस केमिकल का असर होता है तभी तक मच्छरों से बचा जा सकता है उसका असर समाप्त होते ही पुनः उनका आतंक फिर से शुरू हो जाता है।विभिन्न बीमारियों को जन्म देने वाले,सभी की नींद छीन लेने वाले मच्छरों की संख्या में भी पहले से कहीं ज्यादा इजाफा हुआ है। जिले के आला अधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा इससे निजात दिलाने के लिए कोई पहल नहीं की जाती,नतीजन भारी संख्या में मच्छर हर जगह हावी हैं।

सरकार की हर सरकारी योजना कागजों में जारी

मच्छरों के आतंक से निजात दिलाने की सरकार की सारी योजनाएं फेल दिख रही हैं। चारों तरफ गंदगी का अंबार है जिसके साफ-सफाई नहीं होने के कारण मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। वही मलेरिया विभाग की तरफ से साल में एकाध बार छिड़काव कर अपना खानापूर्ति कर लिया जाता है वह भी कलेक्टर के आदेश होता है तब, अपने से कभी भी छिड़काव नहीं किया जाता।

इससे मच्छरों का प्रकोप दिन प्रति दिन बढ़ता चला जा रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकार की तरफ से सीजन में निर्देश नहीं आते हैं लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण धरातल पर इसका पालन नहीं होता है।

शाम होते ही छिन जाता नागरिकों का सुख और चैन

इन मच्छरों के चलते ही शाम होने के बाद सुख-चैन छिन जाता है। भोजन से पहले इन मच्छरों के लिए खुद से कई तरह की व्यवस्था करनी होती हैं। जो संपन्न हैं वह केमिकल का प्रयोग करते हैं,वहीं सामान्य लोग मच्छरदानी लगाकर या कोई अगरबत्ती जलाकर इनसे राहत पाते हैं। नगर में नालियों की सफाई राम भरोसे है। ऐसे में मच्छरों का बढ़ना जाहिर सी बात है। संबंधित विभाग इसको लेकर तनिक भी गंभीर नहीं है ऐसे में आम जनता इसका शिकार हो रही है वहीं मलेरिया विभाग को कोई मतलब ही नहीं है। मच्छरों के प्रकोप का शिकार होने के बाद लोग तरह-तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अस्पताल में प्रतिदिन इसके मरीज भी पहुंच रहे हैं। इसके बाद भी किसी को आम जनता की इस समस्या से कोई मतलब नहीं है। बड़े लोग तरह-तरह की दवाओं का इस्तेमाल कर इससे बच लेते हैं। ऐसे में आम जनता इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आती है। इसके बाद भी जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं।

भिभौरी मे विधायक आशीष छाबड़ा प्रयासों से आरंभ होगा विद्युत वितरण केंद्र

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

विधायक आशीष छाबड़ा के प्रयासों से भिभौरी नगर पंचायत में खुलेगा विद्युत वितरण केंद्र जिससे होगा लोगो के विद्युत संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण विद्युत वितरण केंद्र प्रारंभ करने का आदेश आज राज्य विद्युत वितरण केंद्र के राज्य कार्यालय से जारी किया गया जिसमें विभिन्न पदों की स्वीकृति सहित विद्युत वितरण केंद्र में गाड़ी की सुविधा भी प्रदान की गई है विधायक आशीष छाबड़ा अपने कार्यकाल के प्रथम दिवस से ही भिभौरी क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रहे जिसका नतीजा है कि अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ विद्युत वितरण केंद्र की भी सौगात भिभौरी क्षेत्र को मिली है अब भिभौरी क्षेत्रवासियों को अपनी विद्युत संबंधित समस्याओं के लिए बेरला विद्युत वितरण केंद्र पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा सभी समस्याओं का निराकरण भिभौरी में ही हो जाएगा भिभौरी में विद्युत वितरण केंद्र प्रारंभ होने से पावर कट की समस्या सहित ट्रांसफार्मर इत्यादि की समस्याओं से भी किसानों को निजात मिल सकेगी साथ ही बढ़े हुए विद्युत बिल की शिकायतें भी भीभौरी विद्युत वितरण केंद्र से ही दूर की जा सकेगी जूनियर इंजीनियर क्लर्क ग्रेड 3 क्लर्क ग्रेड 2 सहित अन्य 7 पदों का पदस्थापना आदेश जारी किया गया है विद्युत वितरण केंद्र में लगभग साथ में लोगों की नियुक्ति में स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होने की संभावना है ज्ञात हो कि विधायक आशीष छाबड़ा जब से विधायक बने हैं तब से उन्होंने भीभौरी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सुनियोजित ढंग से कार्य किया है जिसके फलस्वरूप पहले भिभौरी को उप तहसील का दर्जा दिलाना फिर नगर पंचायत का दर्जा दिलाना तथा भिभौरी को पूर्ण तहसील का दर्जा दिलाना तथा पिरदा से भीभौरी मार्ग का चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण तथा मुख्यमंत्री के आगमन पर भिभौरी नगर पंचायत में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना की घोषणा भिभौरी क्षेत्र का पूर्ण रूप से कायाकल्प विधायक आशीष छाबड़ा के कार्यकाल में ही हुआ है क्षेत्र में हो रहे विकास को देखते हुए कुछ समय पूर्व ही क्षेत्रवासियों ने विधायक आशीष छाबड़ा से मिलकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया था।

तेंदूपत्ता तोड़ाई और ढुलाई की राशि एक वर्ष से नहीं मिला, भाजपा ने नेशनल हाइवे किया जाम

पूर्व मंत्री गागड़ा ने भुगतान संबंधित दस दिवस का दिया अल्टीमेटम, फिर होगा डीएफओ कार्यालय का घेराव

पायनियर संवाददाता ≺ बीजापुर
www.dailypioneer.com

भैरमगढ़ ब्लॉक के इंद्रावती तट पर बसे आदिवासी ग्रामीणों का पत्ता तोड़ाई एंव ढुलाई की राशि बीते एक वर्ष से नही मिला इस पर भाजपा ने नेशनल हाईवे पर धरना दिया व चक्का जाम करते हुए तीन बिंदुओं पर मांग रखी है,मांगो को पूरा करने पूर्व मंत्री व भाजपा नेता महेश गागड़ा ने दस दिनों का अल्टीमेटम दिया है जिसके बाद मांगे पूरी नही होने पर डीएफओ कार्यालय का घेराव करने की बात कही है।

आदिवासी ग्रामीणों को एक वर्ष से तेंदूपत्ता तोड़ाई और ढुलाई का भुगतान नही हुआ है ढुलाई किये वाहन मालिकों के लाखों रुपये अटका हुआ है गांव के किसान हैं जिसके चलते किश्त भरने में दिक्कतों का सामना कर रहे हैं इन विषय पर पूर्व में भी भाजपा नेता गागड़ा ने अवगत करवाया था पर कोई पहल नही हुआ वहीं इस पर नाराजगी जताते हुए भाजपा ने तीन सूत्रीय मांग रखी है जिसमे अभ्यारण क्षेत्र आश्रित गांव के ग्रामीणों को तेंदूपत्ता तोड़ाई(मानक गड्डी)का पैसा ब्याज सहित भुगतान तथा गांव के ट्रांस्पोर्टिंग वाहन चालकों के भुगतान ब्याज सहित एक मुश्त दिया जाए और तेंदूपत्ता सीजन ठेकेदार सुधीर मानक पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही किये जाने का मांग करते हुए भैरमगढ़ तहसीलदार को ज्ञापन दिया है।

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा और जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार समेत भाजपा कार्यकर्ता और हितग्राही भैरमगढ़ ब्लॉक के नेलसनार चौक पर नेशनल हाईवे पर घंटों धरने पर मांगो को लेकर बैठे रहे है,वहीं वन विभाग की ओर से मौजूद अधिकारी ने डीएफओ को पूर्व मंत्री गागड़ा से फोन पर बात कराई तथा डीएफओ ने आश्वासन दिया है दस दिवस के भीतर भुगतान करवा दिया जाएगा। वहीं गागड़ा ने सख्त लहजे में भुगतान में विलम्बता को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए दस दिवस का अल्टीमेटम दिया। जिसके बाद प्रशासन की ओर से मौजूद तहसीलदार को नेताओं ने ज्ञापन दिया और हाइवे खाली किया। इस दौरान सतेंद्र ठाकुर, लवकुमार रायडू, चिन्ना तेलम, बलदेव उरसा, चमन ठाकुर, जिला राम,नीता शाह, फुलचंद गागड़ा, छोटू पुजारी, जगत ओयाम समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दूसरों पर ऊंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान मे झांके भाजपाई : बुधराम नेताम

पायनियर संवाददाता ≺ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

पूर्व मंत्री व भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य लता उसेंडी व जिला पंचायत सदस्य बालसिंह बघेल द्वारा जारी बयान पे प्रतिक्रिया देते हुए पीसीसी सदस्य सह कोंडागांव विधायक प्रतिनिधि बुधराम नेताम ने कहा कि, उलजुलूल बयानबाजी के माध्यम से भाजपाई साथी अपने आपको सुर्खियों मे बनाये रखने का बखूबी प्रयास कर रहे हैं, परन्तु हमारी सलाह माने और दूसरों पर ऊँगली उठाने से पहले खुद के गिरेबान मे झांके पता चल जायेगा कौन कितना पानी मे हैं। छत्तीसगढ़ मे 15 साल सरकार मे रहने के बावजूद छत्तीसगढ़ की जनता ने जिन्हें नकारा और 15 सीट मे सीमित कर दिया, उसके बावजूद रस्सी जल गई पर ऐठन नहीं गई वाली कहावत को शब्दसह चरितार्थ कर रहे हैं। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र मे प्रमुख होती हैं जनता की आवाज को सत्तापक्ष की नाकामियों को उजागर करने की परन्तु कुम्भकरणी नींद से भाजपाई साथियों को फुरसत कहा इन्हे केवल अपनी राजनीतीक रोटी सेंकनी हैं और जनता से इन्हें कोई सरोकार नहीं हैं। आज कोंडागांव विधायक मोहन मरकाम के पास प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी होने के बावजूद जिला प्रशासन के द्वारा किए भ्रष्टाचार को विधानसभा मे उठाकर एक जनप्रिय नेता होने का परिचय दिया हैं पूर्व मंत्री बताए अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कोंडागांव में हुए भ्रस्टाचार के कितने सवाल विधानसभा मे उठाये हैं वे जरा याद करें भाजपा की सरकार के दौरान कोंडागांव को अंतर्राज्यीय जुआ अड्डा बनाए का दर्जा प्राप्त था, बहन बेटियों के आबरू से चलती बस मे खिलवाड़ हुए थे क्या उन्होंने कभी इसे संज्ञान में लिया था। जिला निर्माण समिति के कार्य पे लगातार भरष्टाचार के आरोप लग रहे थे क्या उन्होंने कभी इसपे डॉ रमन सिंग की भाजपा सरकार से कोई सवाल किया था कोई आवाज उठाई थी।

मोहन मरकाम ने पिछले कार्यकाल मे जहा उत्कृष्ट विधायक का मुकाम हासिल किया वही विधायक बनने के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र सम्पूर्ण वकास के लिए लगातार अपनी आवाज सड़क से लेकर सदन तक मुखर होकर उठाते रहें और जिसके बाद क्षेत्र की जनता ने उन्हें दुबारा मौका देते हुए और अपना आशीर्वाद देकर पुनः कोंडागांव विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया। मोहन मरकाम ने कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र मे विकास के नए आयाम स्थापित करने मे कोई कसर नहीं छोड़ा संगठन प्रमुख की जिम्मेदारी के साथ क्षेत्रवासियों के बिच मौजूद रहकर हर सुख दुःख का साथी बन क्षेत्रवासियों से क्षेत्र के विकास की जानकारी लेकर क्षेत्र के लिए नई योजना बनाकर धरातल मे उतारने का काम किया हैं बिजली पानी सड़क शिक्षा स्वास्थ्य सभी क्षेत्रों मे काम किया हैं, मोहन मरकाम कोंडागांव विधानसभा के विकास का पर्याय हैं। पूत के गुण पालना मे दीखते हैं आपको भी क्षेत्रवासियों ने दो बार से विधायक चुना था, आपके कार्य धरातल पर दिखे होते तो आज प्रदेश मे भाजपा 15 सीटों मे नहीं सिमटती आपमे यदि क्षेत्र के विकास की ललक होती तो 2015 में स्वीकृत कोंडागांव शहर के बायपास निर्माण पे कभी अलाइनमेंट के नाम पे कभी कोई अन्य कारण बताकर अड़ंगा नही लगाती जिसका प्रतिफल आज कोंडागांव शहर की जनता को भुगतना पड़ रहा हैं दो बार की हार के बाद 2023 विधानसभा चुनाव मे पुनः टिकट की बाट जोहते जनता के बिच सुर्खियों मे आने का मौका ढूंढ़ रहे हैं जनता अच्छी तरह समझ चुकी है कौन विकास करता है और कौन विकास विरोधी हैं।

165 वीं वाहिनी ने केरिपुबल दिवस मनाया, कमांडेंट ने की सराहना

पायनियर संवाददाता ≺ बीजापुर
www.dailypioneer.com

कॅरिपुबल 165 वीं वाहिनी द्वारा केरिपुबल दिवस धर्मेन्द्र कुमार झा, कमांडेंट ने अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र कुंदेर में वाहिनी के जवानों के साथ हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कमांडेंट द्वारा कठिन परिस्थितियों में तैनात के.रि.पु.बल के कार्मिकों की सराहना की एवं उनका उत्साह वर्धन किया। इसके साथ ही इस मौके पर 165 बटा0 के सभी कार्मिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को भी शुभकामनाएं प्रेषित की । 165 वीं वाहिनी मुख्यालय में भी के.रि.पु.बल दिवस पूरे उत्साह एवं हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें इस शुभ अवसर पर पवन कुमार, उप कमांडेंट- 165 वीं वाहिनी के.रि.पु. बल ने क्वार्टर गार्ड में सलामी ली एवं आज के दिन के महत्व को सभी कार्मिकों को समझाया एवं केरिपुबल की वीरगाथाओं को दोहराने के साथ प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। तत्पश्चात इस अवसर पर बॉलीबाल प्रतियोगिता एवं कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ ने लगाया हील हवाला का आरोप

- चार साल तक जानकारी एकत्र ना कर पाने पर प्रदेश के 45 हजार संविदा कर्मचारियों में आक्रोश

पायनियर संवाददाता ≺ दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार द्वारा जन घोषणा पत्र में उल्लेखित संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के संबंध में चार साल पश्चात भी किसी भी प्रकार की ठोस कार्यवाही तक नहीं हुई विभिन्न मीडिया चैनलों को दिए इंटरव्यू में मुख्यमंत्री जी ने यह कहा कि, विभिन्न विभागों से कर्मचारियों की जानकारी अभी नहीं आई है आएगी तो नियमितीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। ऐसे बयान यह साबित करते हैं कि प्रदेश की सरकार संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर अपना वादा पूरा करने में हीला-हवाली कर रही है तथा उसने ढुल-मुल रवैया अपनाया हुआ है । किसी सरकार के लिए कर्मचारियों की जानकारी एकत्रित करना अत्यंत सरल है परंतु जैसा रवैया अभी तक सरकार का दिखाई पड़ रहा है उससे उसकी नीयत पर संदेह उत्पन्न होता है।

इस स्थिति का विरोध करने हेतु है प्रदेश भर के 45 हझार संविदा कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले 20 मार्च को जानकारी नहीं तो काम नहीं के नारे के साथ एक दिन का प्रदेश स्तरीय काम बंद करने का ऐलान किया है । *इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले के 357 संविदा कर्मचारी जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के दुर्गा पंडाल आवराभाटा में उपास्थित होकर धरना प्रर्दशन किए। महासंघ के जिला संयोजिका श्वेता सोनी, कार्यकारी जिला संयोजक भूपेंद्र साहू ने सरकार पर यह आरोप लगाया कि यह बात गले नहीं उतर रही है कि सरकार कोई जानकारी मांगे और विभाग उसमें टालमटोल करें । 4 साल तक जानकारी एकत्रित नहीं की जा सकी है तो इससे यही समझ आता है कि संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के मसले पर सरकार अपने वादे से मुकर रही है एवं बहाने बना रही है। संघ के प्रांतीय प्रवक्ता सूरज सिंह एवं जिला महासचिव मनीष साहू के अनुसार संविदा कर्मचारियों ने अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है पूर्व में जो नियमितीकरण हेतु कमेटी गठित हुई थी उसने अपनी रिपोर्ट देने में देर की और अब सरकार नियमितीकरण के मसले को जानकारी ना मिलने की ओट में टालने का प्रयास कर रही है जिससे प्रदेश के समस्त संविदा कर्मचारी अत्यंत ही आक्रोशित है यह विडंबना ही है कि चुनाव में जन घोषणा पत्र में वादा करने के पश्चात भी इस पर तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। कांग्रेस शासित ही राजस्थान में संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जा चुका है जिससे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस की सरकार को भी सीख लेने की आवश्यकता है। जानकारी नहीं तो काम नहीं के नारे के साथ 20 मार्च को प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय में संविदा कर्मचारी विरोध करो अपनी जानकारी मुख्यमंत्री का नाम ज्ञापन के साथ जिला कलेक्टर को स्वयं सौंपेंगे इसके साथ ही रायपुर जिला मुख्यालय पर सीएम हाउस घेराव के लिए भी कूच करेंगे।

राशन कार्डधारी परिवारों को मिलेगा दो माह का एकमुश्त खाद्यान्न

- अप्रैल व मई महीने का खाद्याह्न मिलेगा एक साथ

पायनियर संवाददाता ≺ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

राज्य शासन के निर्णयानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली व सार्वभौम पीडीएस के अंतर्गत अप्रैल 2023 में राशन कार्डधारी परिवारों का माह अप्रैल 2023 के लिए दो महीने का एकमुश्त खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा। इस दिशा में प्रचलित सभी राशन कार्ड पर पात्रतानुसार चावल का वितरण माह अप्रैल 2023 में एक साथ करने के लिए आबंटन के अनुरूप खाद्यान्न का भंडारण उचित मूल्य दुकानों में समय पर सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त दो महीने के चावल और अन्य राशन सामग्री के परिवहन हेतु वाहनों की व्यवस्था व भंडारण हेतु संबंधित ग्राम पंचायतों व नगरीय निकायों में सुरक्षित भंडारण स्थल का चयन करने सहित भंडारण की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। माह अप्रैल 2023 में दो माह के भंडारित खाद्यान्न की निगरानी समिति और खाद्य निरीक्षक या सहायक खाद्य अधिकारी से पुष्टि कराया जाना आवश्यक हैं। चावल को छोड़कर शेष राशन सामग्री जैसे नमक, शक्कर, केरोसीन व चना की माहवॉर पात्रतानुसार ही वितरण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी राशन कार्डधारियों को दो माह का चावल वितरण सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक उचित मूल्य दुकानों में माह की 7 तारिख को चावल उत्सव आयोजित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में चावल उत्सव के आयोजन और खाद्यान्न वितरण संबंधी जानकारी राशन कार्डधारकों को देने के लिए उचित मूल्य दुकानों में बैनर-पोस्टर प्रदर्शित करने सहित ग्रामों में कोटवारां के जरिए मुनादी कराए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

कांकेर के तेड़ाईकोंदल की बेटी आशालता जयपुर में करेगी नौकरी

- मुख्यमंत्री बघेल ने की आशालता के आत्मविश्वास की सराहना, नियुक्ति पत्र सौंपकर दी शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता ≺ कांकेर
www.dailypioneer.com

कांकेर के तेड़ाईकोंदल की आशालता ने मुख्यमंत्री से कहा कि मुझे 11 हजार रुपये की नौकरी मिली है और मैं परिवार की पहली सदस्य हूँ, जिसे नौकरी मिली है और मैं अब जयपुर जाकर नौकरी करूंगी। मुख्यमंत्री ने आशालता के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए नियुक्ति पत्र सौंपा और शुभकामनाएं दी। दरअसल कांकेर प्रवास के दौरान ग्राम करप पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त 15 बच्चों को नियुक्ति पत्र सौंपा, जिन्हें अब विभिन्न संस्थानों में रोजगार मिल गया है। मुख्यमंत्री ने आशालता के साथ ही सभी युवाओं का उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मुख्य मंच से अपने संबोधन में भी मुख्यमंत्री बघेल ने आशालता का जिक्र करते हुए कहा कि आदिवासी अंचल की इस बेटी ने मुझे उत्साह से बताया कि उसे 11 हजार रुपये की नौकरी मिली है। वास्तव में हम सब के लिए यह अत्यंत गौरव और खुशी की बात है कि हमारी बेटियां आगे बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि जिला कौशल विकास केंद्र द्वारा जिले के युवाओं को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण प्राप्ति के उपरांत जिले के 522 युवाओं को रोजगार मिल चुका है। इसी क्रम में 15 युवाओं को जयपुर और आंध्र प्रदेश के विभिन्न संस्थानों में नौकरी मिलने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नियुक्ति पत्र सौंपा।

10 मई से 10 जून तक आयोजित होगा समर कैंप

नारायणपुर। कलेक्टर अजीत वसन्त ने नारायणपुर में स्थित शासकीय कन्या शिक्षा आवासीय परिसर गरांजी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने इस शिक्षा परिसर में आगामी 10 मई से 10 जून तक चलने वाले समर कैंप की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस संबंध में उन्होने परिसर स्थित भवन के सभी फ्लोर पर बच्चों के ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं के लिए समुचित व्यवस्था करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव, जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र झा, कार्यपालन अभियंता श्री अजय चौधरी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर अजीत वसन्त ने कहा कि समर कैंप के दौरान बच्चों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलना सुनिश्चित करें। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेन्द्र झा ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश आयोजित होने वाले इस समर कैंप में जिले विभिन्न विद्यालयों 8वीं कक्षा के टापर एक छात्र एवं एक छात्रा को शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा। उनके लिए इस समर कैंप में शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास के लिए अलग अलग गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा सांस्कृतिक गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।

कोसरिया मरार समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए सीएम

कांकेर जिले में विकास कार्य निरंतर जारी : भूपेश बघेल

पायनियर संवाददाता ≺ कांकेर
www.dailypioneer.com

जिले में विकास कार्य निरंतर जारी है और स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की सुविधा के साथ हाट-बाजार में ग्रामीणों को निःशुल्क ईलाज मिल रहा है। उक्त बातें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम करप में आयोजित कोसरिया मरार (पटेल) समाज के महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कोसरिया मरार(पटेल) समाज के महासम्मेलन में सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ महतारी और कोसरिया मरार (पटेल) समाज की अराध्या देवी शाकम्भरी माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि व खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री बघेल ने शाकम्भरी माता को नमन करते हुए कहा कि उनकी जयंती के अवसर पर हमने अवकाश घोषित किया है। उनके द्वारा कोसरिया मरार समाज को कांकेर में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये दिए जाने की घोषणा भी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के लिए पहला छात्रावास कांकेर में खोला गया, जिसमें वर्तमान शैक्षणिक सत्र से 50 सीटर अन्य पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास संचालित किया जा रहा है। अब संभाग मुख्यालय और कुछ बड़े जिलों में भी पिछड़े वर्ग के लिए छात्रावास खोलने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि शासन ने 01 अप्रैल से आर्थिक सर्वेक्षण करने की घोषणा की है और सर्वे तीन बिंदुओं पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पूरे देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज खरीदा जा रहा है और उसका वैल्यू एडिशन भी हो रहा है। इससे वनांचल के लोगों की आय बड़ी है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियों के कारण गांवों में आर्थिक समृद्धि आई है। गौठानों में गोबर से प्राकृतिक पेंट और बिजली उत्पादन की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं, ऐसे गौठान जहां प्रतिदिन पांच क्विंटल से ज्यादा गोबर की खरीदी हो रही है, उन गौठानों में बिजली उत्पादन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेष में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले 4 वर्षों से लगातार मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। जिला चिकित्सालय कांकेर को एमआरआई जांच की सुविधा भी मिल गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों की संख्या बढ़कर अब 23 लाख 50 हजार हो गई है और नया कीर्तिमान गढ़ते हुए इस वर्ष 107 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के चौथी किश्त की राषि जो पहले 31 मार्च 2023 तक मिलने की बात कही गई थी, वो अब 25 मार्च तक किसानों के खाते में पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में सर्वाधिक पुरस्कार जीतने पर कांकेर जिलावासियों को बधाई भी दी।

हाट-बाजार में पसरा शुल्क नहीं लेने के निर्देश

कांकेर। जिले के ग्राम करप में आयोजित कोसरिया मरार (पटेल) समाज के महासम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन सुमीत अग्रवाल द्वारा जिले के ग्रामीण हाट-बाजारों में टोकरी या सिरभार से विक्रय के लिए लाने वाले साग-सब्जी सहित अन्य सामग्रियों पर विक्रेता से पसरा शुल्क नहीं लेने के लिए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

एनएमडीसी लिमिटेड (भारत सरकार का एक उद्यम)
बीआईओएम, किरन्दुल कॉम्पलेक्स, पो.-किरन्दुल, जिला-दक्षिण बस्तर, पिन-494556, छत्तीसगढ़
सीआईएन - L 13100TS1958GO1001674

सार्वजनिक नोटिस
पर्यावरण स्वीकृति के संबंध में

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ (एम.ओ.ई.एफ.सी.सी भारत सरकार द्वारा ई.पी. अधिनियम 1986 की धारा 3 (3) के तहत गठित) ने अधिशासी निदेशक, एनएमडीसी (भारत सरकार का एक उद्यम) को 16.03.2023 को ''पर्यावरणीय स्वीकृति'' प्रदान की है। एनएमडीसी लिमिटेड, बी.आई.ओ.एम. किरन्दुल कॉम्पलेक्स छत्तीसगढ़ को रेसीडेंसियल कॉम्पलेक्स हेतु Type-III, Type-IV एवं Type-V क्वाटर्स का निर्माण बी.आई.ओ.एम किरन्दुल कॉम्पलेक्स की मौजूदा रहवासी कॉलोनी में किया जाएगा।

प्रस्तावित आवासीय टावरों के लिए SEIAA द्वारा 16.03.2023 को एनएमडीसी को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति पत्र ईसी पहचान संख्या EC23B038CG171237 की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन के कार्यालय में उपलब्ध है। प्राधिकरण, छत्तीसगढ़, भारत सरकार एम.ओ.ई.एफ.सी.सी. पर्यावरण भवन सेक्टर-19 नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.) के साथ-साथ छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, जगदलपुर में भी उपलब्ध है। इसे छत्तीसगढ़ राज्य पोर्टल के तहत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की वेबसाइट www.parivesh.nic.in और एनएमडीसी की वेबसाइट www.nmdc.co.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

ह./-
मुख्य महाप्रबंधक
एनएमडीसी लिमिटेड
किरन्दुल-494556

जेएसपी बनाएगा अग्निरोधी स्टील स्ट्रक्चर

अग्निरोधी स्टील स्ट्रक्चर का उपयोग रिफाइनरी इमारतें अस्पताल मेट्रो, स्टील बिजली कारखानों व परियोजनाओं में किया जाएगा

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

बीआईएस 15103 ग्रेड स्ट्रक्चरल स्टील तीन घंटे तक 600 डिग्री सेल्सियस तापमान सहने में सक्षम

जाने.माने उद्योगपति नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाली कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर को राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य के अनुरूप एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। बीआईएस ;ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्डद्ध यानी भारतीय मानक ब्यूरो ने अग्निरोधी स्टील स्ट्रक्चर(फायर रेजिस्टैंट स्टील स्ट्रक्चर) तैयार करने के लिए जेएसपी के रायगढ़ स्टील प्लांट स्थित रेल मिल और स्पेशल प्रोफाइल मिलको देश का पहला लाइसेंस जारी किया है। आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार ने देश में फायर रेजिस्टैंट स्टील स्ट्रक्चर बनाने का पहला लाइसेंस जिन्दल स्टील एंड पावर को दिया करने की दिशा में सरकार का यह बड़ा कदम है क्योंकि हमारा देश अभी अग्निरोधी स्टील स्ट्रक्चरका आयात कर रहा है।

आईएस15103 मानकों के अनुसार निर्मित हॉट रोल्ड स्ट्रक्चरल स्टील का उपयोग उच्च तापमान या अग्नि संभावित क्षेत्रों में किया जा सकता है। इसे ऐसी तकनीक से तैयार किया गया है कि यह 600 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान 3 घंटे तकसहन कर सकता है।

स्टील स्ट्रक्चरतैयार करने में अग्नि सुरक्षा एक चुनौती रही है।देश में अग्निरोधी स्टील के उत्पादन से विभिन्न ढांचागत निर्माण में आसानी होगी।नई बीआईएस15103 ग्रेड के उपयोग से औद्योगिक स्ट्रक्चर्सए तेल शोधक कारखानोंए पुलोंए मेट्रो परियोजनाओंऔर स्टील एवं बिजली उत्पादन प्लांटों के साथ.साथ अस्पतालोंव वाणिज्यिक एवं आवासीय भवनों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण में एक नए युग की शुरुआत होगी।

जेएसपी के प्रबंध निदेशक बिमलेंद्र झा ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहाए अग्निरोधी स्टील उत्पादन के लिए जिन्दल स्टील एंड पावर को जो लाइसेंस दिया गया है, वह भारत के मूलभूत ढांचे और इसके सुरक्षा मानकों को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।यह अग्नि सुरक्षा के प्रति लोगों में आत्मविश्वास पैदा करेगा और एक सुरक्षित आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इस सिलसिले में वाणिज्य भवन.नई दिल्ली में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर बीआईएस प्रमाण.पत्र प्रदान करने के लिए एक समारोह आयोजित किया गयाएजिसमेंजिन्दल स्टील एवं पावर को यह लाइसेंस प्रदान किया गया।

जिन्दल स्टील एवं पावर के बारे में

ओपी जिन्दल समूह का एक अंग जेएसपी दुनिया भर में 12 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ इस्पातए खनन और बुनियादी ढांचा क्षेत्रकी एक अग्रणी एवं विश्वसनीय कंपनी है।

राज्यपाल को भारत स्काउट्स एवं गाईड ने स्कार्फ पहना कर सम्मानित किया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को राजभवन में भारत स्काउट्स एवं गाईड, संगठन द्वारा मुख्य संरक्षक का परंपरागत स्कार्फ एवं बैज से सम्मानित किया गया। साथ ही भारत स्काउट्स एवं गाईड की छत्तीसगढ़ में संचालित गतिविधियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्काउट प्रॉमिस के वाचन द्वारा भारत स्काउट्स एवं गाईड संगठन के सभी सदस्यों को निरंतर देश हित में लोगों की मदद करने और स्काउट नियमों के पालन करने की याद दिलाई। राज्यपाल ने भारत स्काउट्स एवं गाईड की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा हो यो कोई अन्य आपदा, इसके सदस्य राष्ट्र हित एवं समाज हित में हमेशा सेवा देने के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने ओडिशा शासन में अपने राजस्व मंत्री के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा के दौरान उन्होंने स्वयं स्काउट्स एवं गाईड के सदस्यों को अनथक कार्य करते हुए देखा है। उन्होंने संगठन को भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा करते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विनोद चंद्राकर राज्य अध्यक्ष, सचिव कैलाश सोनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बोधघाट परियोजना बस्तर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी : सुशील आनंद

रमन सरकार की लापरवाही के कारण 15 सालों से बोधघाट परियोजना लंबित थी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बोधघाट परियोजना बस्तर के विकास के लिये मील का पत्थर साबित होगी। पूर्ववर्ती भाजपा की रमन सरकार ने इस परियोजना के लिये कोई ठोस कार्य योजना नहीं बनाई थी। कांग्रेस की सरकार ने इसके सर्वे के लिये ठोस प्रयास शुरू किया है।बहुप्रतिक्षित बोधघाट परियोजना पिछले चार दशक से राजनीति की भेंट चढ़ते आ रहा है तथा राजनैतिक इच्छाशक्ति के अभाव में परियोजना मूर्तरूप नहीं ले पाई थी। बोधघाट के साथ ही परिकल्पित आंध्र की पोलावरम बांध परियोजना 70 फीसदी से अधिक पूरी हो गयी है जबकि छत्तीसगढ़ की यह परियोजना भाजपा शासन में अपने शुरूआती कदम भी आगे नहीं बढ़ पाई थी। इस परियोजना के पूरा होने से बस्तर अंचल का सिंचित रकबा 72 फीसदी तक हो जायेगा तथा राज्य के कुल सिंचाई रकबे में भी 4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो जायेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में 264 किमी तक बहने वाली इंद्रवती नदी के पानी का आज छत्तीसगढ़ सिर्फ 11 टीएमसी ही उपयोग कर पाता है लेकिन बोधघाट परियोजना के पूरा होने पर छत्तीसगढ़ इंद्रवती के 300 टीएमसी जल का उपयोग कर पायेगा। राज्य में बहने वाली नदी के जल का भरपूर उपयोग कर राज्य की कृषि को समृद्ध बनाना राज्य का अधिकार है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के इस साहसिक फैसले के कारण बस्तर में समृद्धि आयेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। 359 गांव की सिंचाई बढ़ जायेगी। बोधघाट परियोजना के पूर्ण होने पर 300 मेगावाट बिजली उत्पादन होगा 4824 मीट्रिक टन वार्षिक मछली उत्पादन होगा।

इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ ट्रैफिक की धज्जियां उड़ाने वाला वीडियो

रायपुर। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ ट्रैफिक की धज्जियां उड़ाने वाला वीडियो जिसे देख कर लोग दांतों तले उंगली दबा हे है। चार लोगों की सवारी वाली ये स्कूटी फर्राटे भरती दिख रही है। इस दौरान पीछे से आ रहे एक बाइक वाले ने इसका वीडियो रिकार्ड कर लिया जो कि वायरल है। वीडियो में स्कूटी पर बैठे लड़के मस्ती कर रहे हैं। उन्हें यह पता है कि वीडियो बनाया जा रहा है। किसी भी तरह की कार्रवाई का न तो उन्हें डर है, और न तो पुलिस का डर है। वीडियो सामने आने के बाद से लोग कई तरह के कमेंट कर रहे हैं लेकिन सभी कमेंट्स में एक आम बात यह है कि इन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

मालगांव में रक्तदान शिविर, 82 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

जिला अस्पताल गरियाबंद एवं सहज ब्लड सेन्टर राजिम ने समस्त डोनर को उपहार स्वरूप सम्मान पत्र की भेट

पायनियर संवाददाता ◄ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

रविवार को गरियाबंद ब्लड डोनर ग्रुप एवं ग्रामीण युवा ब्लड डोनर ग्रुप के संयुक्त प्रयाश से मालगांव के सामुदायिक भवन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अंचल के 82 रक्तवीरो ने एक साथ रक्तदान कर नया कीर्तिमान रचा है। ज्ञात हो कि पिछले साल यहां आयोजित रक्तदान शिविर में 82 रक्तविरों ने रक्तदान किया था। इसके पहले शिविर के दौरान रक्तविरों के चेहरे में रक्तदान करके लोगों को जीवनदान देने की खुशी देखने को मिली, महिलाओ ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वही जिला अस्पताल गरियाबंद एवं सहज ब्लड सेन्टर राजिम के द्वारा रक्तदान के बाद समस्त डोनर को उपहार स्वरूप सम्मान पत्र, हैंड बैग एवं वाटर बॉटल प्रदान किया गया। इस अवसर पर शिविर के आयोजक विकास पारख, भीम निषाद, हरीश ठक्कर एवं अंकित जैन ने बताया रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य शहरी लोगो के साथ ही ग्रामीणो को भी रक्तदान के प्रेरित करना है। इसके अलावा गरियाबंद जिला अस्पताल एवं राजिम नयापारा के अस्पतालों में भर्ती जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के साथ ही समय समय में खून की कमी से होने वाली परेशानी को दूर करते हुवे दोनों जगह मरीजों के जीवनरक्षा करना है। उल्लेखनीय है कि शिविर के आयोजन के लिए पिछ्ले 10 दिनों से टीम तैयारी में जुटी थी। आयोजको ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में गरियाबंद जिले के कलेक्टर प्रभात मलिक, सीएमएचओ डॉक्टर उरांव, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर नाग, सर्जन डॉक्टर हरीश चौहान, ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉक्टर अग्रवाल, डॉक्टर एमएस ठाकुर के साथ ही राजिम के सहज ब्लड बैंक के आशुतोष दीप, आदित्य जेम्स व उनकी टीम का सहयोग रहा। ज्ञात हो कि गरियाबंद ब्लड डोनर ग्रुप एवं ग्रामीण युवा ब्लड डोनर ग्रुप विगत पांच वर्षो से गरियाबंद जिले में लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है, इसी क्रम में इनके संयुक्त प्रयास से वर्ष 2022 में 1004 यूनिट का रक्तदान कराया गया एवं 17 सितंबर 22 को हुवे मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में गरियाबंद जिले में एक दिन में तीन स्थान में शिविर लगाकर 450 यूनिट रक्तादान कराकर पुरे छत्तीसगढ़ में अधिकतम रक्तदान कराने में तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

हिन्दू स्वाभिमान जागरण संत पदयात्रा का समापन

भाजपा नेता डॉ.सम्पत अग्रवाल पदयात्रा में शामिल होकर संतों का लिया आशीर्वाद

पायनियर संवाददाता ◄ बसना
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रांत के चारों दिशाओं से हिन्दू स्वाभिमान जागरण एवं समाजिक समरसता हेतु पूज्य संत के 4 पवित्र स्थानों माँ दन्तेश्वरी संत यात्रा दन्तेवाड़ा से माँ बम्लेश्वरी यात्रा मानपुर से माँ चंद्रहासिनी यात्रा सोगड़ा आश्रम से और माँ महामाया यात्रा रामानुजगंज बलरामपुर से दिनाँक 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 34 जिलों में 4500 कि. मी. की दूरी तय करते हुए आज राजधानी रायपुर पहुंचा। यात्रा नगर में पहुचते ही धर्म प्रेमियों ने सभी संतो का स्वागत किया गया और जय जय श्रीराम के जयघोष करने लगे। वही स्वागत के बाद रायपुर के रावणभाठा मैदान में हिन्दू स्वाभिमान जागरण संत पथ यात्रा का मंच में हनुमान चालीसा पाठ, भारत माता के छाया चित्र पर फूलों की माला और दीप जलाकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। वही संतो के द्वारा अपनी वाणी से धर्मप्रेमियों को बताया गया कि आज हमारे हिन्दू समाज के देवी देवताओं के बारे में दूसरे समाज के द्वारा अपमानित किया जा रहा। जिसको हमें रोकना हैं। और बढ़ते धर्मांतरण को रोकने वा हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बात कही गई।

हिन्दू स्वाभिमान जागरण संत पथ यात्रा एवं संकल्प धर्मसभा के समापन में नीलांचल सेवा समिति के संस्थापक एवं नगर पंचायत बसना पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता डॉ.सम्पत अग्रवाल अपने कार्यकर्ताओं नगर पंचायत बसना अध्यक्ष गजेन्द्र साहू, निर्मलदास, कामेश बंजारा,आकाश सिन्हा, राहुल चतुर्वेदी के शामिल हुए तथा संतों का आशीर्वाद एवं आशीर्वचन प्राप्त किये। धर्मसभा में पं. पूज्य संत आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज, साध्वी प्राची देवी, पं. पूज्य स्वामी जितेन्द्रानंद महाराज, पूज्य पं. युधिष्ठिर लाल महाराज, पूज्य पं राजीव लोचन दास महाराज, पूज्य पं. प्रेम स्वारुपानंद महाराज, श्री दिनेश चंद्र जी,पूज्य पं. उमेश नाथ महाराज, पूज्य पं. कौशल महाराज, पूज्य पं. पुष्पेन्द्र पूरी महाराज, पुज्य पं. परमात्मानंद महाराज, पूज्य पं. राधेश्याम दास महाराज, पूज्य पं. राम सुंदर दास महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। धर्म जागरण विभाग के पूज्य राकेश आचार्य जी ने मंच संचालन, प्रस्तावना, मंच परिचय एवं स्वागत श्री चंद्रशेखर वर्मा जी ने, पदयात्री संतों का परिचय संत समिति अध्यक्ष श्री सर्वेश्वर दास जी ने, प्रमुख कार्यकर्ता परिचय प्रांत मंत्री पूज्य विभूतिभूषण पाण्डेय जी ने, उद्बोधन श्री राजेश जी, श्री घनश्याम चौधरी जी ने आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ पत्रकार ज़ाकिर घुरसेना ने जताया सीएम भूपेश बघेल का आभार

रायपुर। छ.ग. के सीएम भूपेश बघेल ने कैबिनेट की बैठक में पत्रकारों के लिए बड़ा फैसला लिया है, छग मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक को मंजूरी दी है. सीएम के इस फैसले पर इंडियन जर्नलिस्ट फेडरेशन छत्तीसगढ़ के सलाहकार और जनता से रिश्ता के राजनीतिक संपादक ज़ाकिर घुरसेना, वरिष्ठ पत्रकार ताहिर हैदरी, शेख आबिद, अब्दुल हमीद ने आभार जताया और कहा सीएम बघेल विद्यार्थी जीवन से ही पत्रकारिता के क्षेत्र में रूचि रखते है. उनके कई दोस्त आज देश के नामी अखबारों में कार्यरत है। सीएम बघेल कार्यक्रमों में दोस्तों के किस्से साझा करते रहते है।

कांग्रेसियों ने हाथ से हाथ जोडो पदयात्रा कर घटौद मोंहदा धवलपुर में किया जनसंपर्क

भूपेश सरकार के योजनाओं का किया बखान

पायनियर संवाददाता ◄ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गरियाबंद के कार्यकर्ताओं द्वारा आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जनक ध्रुव के नेतृत्व में हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा ग्राम पंचायत घटौद , मोंहदा, धवलपुर के सभी वार्डो में भ्रमण कर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा खाद्य पदार्थ पेट्रोल डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती महंगाई एवं गरीब मजदूर किसान के ऊपर हो रहे अत्याचार के लिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी के सरकार को जिम्मेदार ठहराया । कांग्रेसियों ने कहा एक तरफ छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार गरीब मजदूर आदिवासियों को उनका हक दिलाने का काम कर रही है तो दूसरी ओर केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा लोगों का शोषण किया जा रहा है । हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में गांव की गलियों से घर घर जाकर उपस्थित जनसमुदाय को छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की जानकारी एवं केंद्र सरकार की कुरीतियों को बताते हुए 2023 एवं 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की गई । उक्त अवसर पर राजिम एंव बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पदयात्रा प्रभारी युगल पांडे के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद हफीज खान , ओम राठौर अध्यक्ष कृषि उपज मंडी नजमा खान जनपद सदस्य , नंदनी त्रिपाठी अध्यक्ष महिला कांग्रेस मुकेश रामटेके एल्डरमैन , सुरेश मानिकपुरी जिलाअध्यक्ष असंगठित कामगार , चंदा बारले जनपद सदस्य , अमित मिरी प्रदेश सचिव यूथ कांग्रेस , कीर्ति कपिल सरपंच घटौद , अवध राम यादव अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस सेवादल , असगर खान , नूतन मरकाम , हेमलाल बारले , बिसाहू सिन्हा ,चंदन नागेश ,हबीब मेमन राजीव मैदान के अध्यक्ष एवं सदस्य ग्रामीण जन उपस्थित थे ।

एयरटेल ने एक साथ 125 शहरों में 5-जी लॉन्च की

रायपुर,दुग-भिलाई के साथ अब बिलासपुर में भी अल्ट्राफास्ट एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं उपलब्ध

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर

भारत की अग्रणी टेलीकम्यूनिकेशन सर्विस प्रोवाइडरए भारती एयरटेल ;श्एयरटेलश्द्ध ने आज 125 शहरों में अपनी अल्ट्रा.फास्ट 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही एयरटेल 5जी प्लस सेवा अब देश के 265 से अधिक शहरों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।एयरटेल 5जी प्लस के तीन आकर्षक फायदे हैं। सबसे पहलेए यह एक ऐसी तकनीक पर चलता है जिसकी दुनिया में सबसे विकसित इकोसिस्टम के साथ व्यापक स्वीकृति है। यह सुनिश्चित करता है कि भारत में सभी 5जी स्मार्टफोन एयरटेल नेटवर्क पर निर्बाध रूप से काम करें। दूसराए कंपनी शानदार वॉयस एक्सपीरियंस और सुपर.फास्ट कॉल कनेक्ट के साथ आज की तुलना में 20 से 30 गुना अधिक गति का बेहतरीन अनुभव देने का वादा भी करती है। अंत मेंए एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क अपने विशेष पॉवर रिडक्शन सॉल्यूशन के साथ पर्यावरण के लिए भी अधिक अनुकूल होगा। भरोसेमंद एयरटेल नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालितए एयरटेल 5जी प्लस हाई.डेफि निशन वीडियो स्ट्रीमिंगए गेमिंगए मल्टीपल चैटिंग, फोटो को तुरंत अपलोड करने व अन्य सुविधाएं के लिए सुपरफास्ट एक्सेस प्रदान करेगा। इस लॉन्च के अवसर पर बोलते हुएए भारती एयरटेल के सीटीओ रणदीप सेखों ने कहा, 5जी ने इंटरनेट की दुनिया में क्रांति लाकर कनेक्टिविटी और संचार के नए युग की शुरुआत की हैए जो देश के लिए गेम.चेंजर साबित होगा। एयरटेल मेंए हम अपने ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता का नेटवर्क और सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आज 125 नए शहरों में 5जी की शुरुआत कर रहे हैं। एयरटेल अक्टूबर 2022 में 5जी सेवाओं की पेशकश करने वाली देश की पहली कंपनी थी और आज का मेगा लॉन्च देश के प्रत्येक एयरटेल ग्राहक को अल्ट्रा.फास्ट एयरटेल 5जी प्लस से जोड़ने का हमारा वादा है। हमारा 5जी रोलआउट मार्च 2024 तक सभी कस्बों और प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करने के लिए सही राह पर है।

संविदा कर्मियों ने छतीसगढ़ी भाखा में सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

नियमितिकरण नहीं, जानकारी नहीं तो काम नहीं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर/महासमुंद
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले जिले के अलग अलग विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ी भाषा में तैयार कर पूरे 33 जिलों में माननीय मुख्यमंत्री के नाम जिला स्तर में 45 हजार संविदा कर्मचारियों ने ज्ञापन सौंपा। साढ़े चार साल के लम्बे इंतजार के बाद भी बजट में उनकी मांगों को शामिल नहीं किए जाने एवम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा 22 विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की जानकारी नहीं आने के वक्तव्य के बाद संविदा कर्मियों ने नियमितिकरण विषय पर सरकार की मंशा एवं विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। जिसके कारण जिले एवम राज्य के संविदा कर्मचारियों में सरकार के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

काम बंद करने की रणनीति

संघ के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेश तिवारी ने बताया कि प्रांतीय आह्वान पर जिले के संविदा कर्मचारी सोमवार को सामूहिक अवकाश में रहते हुए माननीय मुख्यमंत्री के नाम नियमितिकरण जल्द करने ज्ञापन सौंपा। विगत दिनों मुख्यमंत्री जी द्वारा मीडिया के समक्ष विभागीय अधिकारियों द्वारा जानकारी नहीं दिए जाने का उल्लेख किया गया है, जिसके बाद प्रांत स्तर से नियमितिकरण नहीं, जानकारी नहीं तो काम नहीं के तर्ज पर काम बंद करने की रणनीति बनाई गई है। जिसके तहत सोमवार कर्मचारियों द्वारा सामूहिक अवकाश लिया गया। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त सिन्हा, अशोक कुर्रे और प्रदेश प्रवक्त सूरज सिंह ठाकुर एवं प्रदेश सचिव श्रीकान्त लास्कर ने कहा कि,यदि सरकार अपने घोषणा पत्र में किए हुए वादे पर गंभीरता नहीं दिखाती तो जल्द ही समस्त संविदा कर्मचारी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी। प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सोनी,विजय यादव और संगठन मंत्री परमेश्वर कौशिक ने कहा कि, माननीय मंत्री जी द्वारा विभिन्न मीडिया माध्यमों में यह कहना कि संविदा कर्मचारियों की जानकारी अभी तक प्राप्त हुई है जिस कारण नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है यह बात गले नहीं उतरती कि, शासन द्वारा किसी भी संविदा कर्मचारियों की जानकारी प्राप्त करना कोई बड़ी बात नहीं है जबकि प्रदेश में 4 साल पश्चात भी यह कार्य नहीं किया गया इससे यह प्रतीत होता है कि, नियमितीकरण के मामले को सरकार जानबूझकर लटकाने का प्रयास कर रही है , इससे सभी संविदा कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है । कलेक्टर महासमुन्द को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन सौपा गया. महासमुन्द जिला इकाई से जिला जिला संयोजक रामगोपाल खूंटे, अभिषेक शर्मा, डॉ गेवेन्द्र नोरंगे, अनसुमन चंद्राकर, मुकेश कुमार निषाद, परमेश्वर सेन, योगेश्वर साहू, कमल नारायण चंद्राकर, राजेश कुमार साहू आदि शामिल हुये।

भक्त माता कर्मा जयंती पर विधायक देवेंद्र यादव ने साहू समाज को दी बड़ी सौगात

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के बाद से खुर्सीपार में साहू समाज का पहला भवन बनवाया, किया लोकार्पण

- **भवन के बाजू में भक्त माता कर्मा के नाम गार्डन का किया जा रहा निर्माण, किचन शेड और प्रसाधन कक्ष का भी किया भूमिपूजन**

पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

भक्त माता कर्मा जयंती के पावन अवसर पर भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव ने साहू समाज को बड़ी सौगात दी। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद खुर्सीपार क्षेत्र में साहू समाज का पहला भवन बनाया गया है। जिसका आज लोकार्पण किया गया है। सिर्फ यही नहीं विधायक यादव की पहल की खुर्सीपार क्षेत्र में भक्त माता कर्मा के नाम से पहला उद्यान का निर्माण भी किया जा रहा है। साहू समाज भवन के बाजू में ही सर्व सुविधा युक्त उद्यान बनाया जा रहा है। इसके अलावा यहां किचन शेड और प्रसाधन कक्ष का भी भूमिपूजन किया गया है। भिलाई के लाडले विधायक देवेंद्र यादव लगातार शहर के हित और विकास को लेकर काम कर रहे है। इसी कड़ी में उन्होंने खुर्सीपार क्षेत्र में सैंकड़ों विकास कार्य कराए है। खुर्सीपार-छावनी क्षेत्र का काया कल्प कर दिया है। हर साल की तरह ही इस साल भी साहू समाज खुर्सीपार ने माता कर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई । माता की पूजा अर्चना में विधायक यादव भी शामिल हुए। विधायक यादव से साहू समाज के लोगों ने मांग की थी कि उनके समाज का एक भी भवन खुर्सीपार क्षेत्र में नहीं है। इसलिए एक भवन सामाज का बनाया जाए। ताकि सामाजिक धार्मिक आयोजन यहां हो सकें। तब विधायक यादव ने समाज के प्रमुखों से वादा किया था कि जल्द ही साहू समाज का भव्य बनाया जाएगा। अगले साल जब हम भक्त माता कर्मा की जयंती मनाएंगे तो अपने समाज के नए भवन में मनाएंगे। इसी वादे के मुताबिक विधायक यादव ने पहल की। स्टीमेंट बनवाया और टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जल्द काम शुरू करवाया। इस साल एक साल में साहू समाज का भवन बन कर पूरी तरह से तैयार हो गया है। जिसका विधायक यादव ने समाज के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ मिलकर लोकार्पण किया।

भव्य पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण

भक्त माता कर्मा की जयंती खुर्सीपार साहू समाज ने धूमधाम से उत्साह पूर्वक मनाया। समाज के लोगों ने विधायक देवेंद्र यादव के मुख्यआतिथ्य में कार्य म का आयोजन किया। विधायक श्री यादव ने माता कर्मा को प्रणाम करते हुए समाज को संबोधित करते हुए कहा कि माता कर्मा के आशीर्वाद से आज हम सब यहां पर उपस्थित हुए है। माता की पूजा अर्चना में शामिल होने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ है। साहू समाज का प्रेम और अशीर्वाद हमें सदैव मिलता रहा है। यहां हमें बहुत अपना पन महसूस होता है। इस अवसर पर साहू समाज ने विधायक श्री यादव का आभार जताया और सामाजिक भवन के उनका धन्यवाद किया।

कोहका कर्मा जयंती में भी हुए शामिल

कोहका में भी साहू समाज ने कर्मा जयंती का आयोजन किया। यहां भी विधायक यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना की। समाज के गणमान्य नागरिकों केसाथ महा प्रसादी का वितरण भी किया। माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्हें प्रणाम किया और कहा कि साहू समाज के लोग बहुत ही साफ दिल के लोग है। साहू समाज ने जो प्रेम और अशीर्वाद दिया है। उसके लिए मैं हमेंशा आभारी रहूंगा। दानीवीर भामाशाह के नाम से चौक का हुआ है नामकरण करने पर साहू समाज ने विधायक का आभार जताया है कार्य म में हरिद्वारिका साहू, सभापति बंटी गिरवर साहू, खेदराम साहू युवा अध्यक्ष दिनेश साहू, मुन्ना साहु एम समस्त साहू समाज के जनमानस उपस्थित थे ।

किराए के घर में रहने वाले 502 हितग्राहियों के खुद का पक्का घर का सपना हुआ पूरा

- **सभी को मिला आवास, हितग्राहियों के चेहरे खिले, महापौर नीरज पाल ने हितग्राहियों को दी बधाई तथा वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को मिला ग्राउंड फ्लोर का आवास**

पायनियर संवाददाता < भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

किराए के घर में रह रहे ऐसे लोग जो कई दिनों से आवास की राह देख रहे थे तथा खुद का पक्का मकान का सपना देख रहे थे इन लोगो का इंतजार आज समाप्त हो गया। 502 हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया गया। महापौर नीरज पाल तथा निगम आयुक्त रोहित व्यास ने लॉटरी की शुरुआत कराई। महापौर ने आवास आबंटित हुए हितग्राहियों को मकान मिलने पर सभी को बधाइयां दी। आवास आबंटन होने पर हितग्राहियों के चेहरे पर मुस्कान साफनजर आई। लॉटरी प्रारंभ करने के दौरान लगभग 40 दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों को सर्वप्रथम प्राथमिकता देते हुए उनके लिए पहले आवास आबंटन की कार्यवाही की गई तथा इन लोगों को पहले शामिल करते हुए लॉटरी निकली गई। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर तथा शासन के नियम के तहत भूतल पर आवास आबंटित किया गया। लॉटरी में शामिल होने वाली पहली दिव्यांग हितग्राही बरखा को ग्राउंड फ्लोर में पहला आवास मिला। हितग्राहियों ने इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी, निगम, शासन और प्रशासन सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान, मोर आस के तहत किराएदार के रूप में निवास करने वाले पात्र हितग्राही जिन्होंने 10प्रतिशत की राशि जमा की थी उन्हें आज लॉटरी में शामिल किया गया था। पहले यह राशि अधिक थी शासन ने सहूलियत देते हुए प्रथम किस्त की राशि को कम किया तथा आसान किस्तों में राशि जमा करने की छूट दी है। इसके चलते हितग्राहियों को राशि जमा करने में आसानी हो रही है। गौरतलब है कि महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आवास प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में आज 502 हितग्राहियों को लाटरी के माध्यम से आवास आबंटित किया गया। महापौर नीरज पाल ने इस अवसर पर कहा कि हर किसी का सपना होता है कि उनका खुद का पक्का घर हो, यह स्वप्न आज हितग्राहियों का पूरा हुआ है। अब बेझिझक अपने आवास में यह रह पाएंगे। बता दे कि आवास आबंटन के पूर्व निगम ने इसे लेकर संपूर्ण तैयारी कर ली थी, हितग्राही भी तय समय पर मौजूद हो गए थे। शांतिपूर्ण तरीके से आवास आबंटन की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण हुई।

मिनी माता चौक पुलगांव: फुटपाथ पर कब्जा कर दुकान लगाने वालों को निगम ने हटाया

- **मोर शहर मोर जिम्मेदारी एवं फाइट द बाइट अभियान निरन्तर जारी, निगम अमले ने सड़क फुटपाथ में सामान फैलाकर अनाधिकृत रूप से व्यवसाय करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की**

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम फाइट द बाइट अभियान का एक बड़ा हिसा है। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के आदेश व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर मोर शहर मोर जिम्मेदारी एवं फाइट द बाईट मुहिम के अन्तर्गत दुर्ग नगर निगम में प्रतिदिन वार्ड वार अभियान चल रहा है।इन गतिविधि पर विशेष फोकस किया जा रहा है जिंसमे प्रतिदिन नालियों की तली की सफाई, सार्वजनिक क्षेत्र की सफई, लगातर झाड़ियों की कटाई,बाजार क्षेत्रो में दुकानदारो द्वारा झिल्ली पन्नी बेचने पर टीम द्वारा कार्रवाही के साथ जुर्माना भी लिया जा रहा है और मुक्कड़ की सफाई मच्छर उन्मूलन कार्य एवं मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए विशेष फोकस, सड़को पर सी एंड डी मलबे की साफसफाई किया जा रहा है। आज मिनी माता चौक पुलगांव के आस पास से अतिक्रमण हटाने का कार्य किया गया। रोका - छेका शहर के मुख्य चौक चौराहों व गलियों से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान में छोड़ा गया।शहर क्षेत्र के नहर नालाओ की सफाई के साथ साथ यातायात व्यवस्थित के अलावा चौक चैराहो के पोल से बैनर पोस्टर हटाने का कार्य किया गया। पुलगांव मिनी माता चौक से अमले ने सड़क फुटपाथ में समान फैलाकर अनाधिकृत रूप से व्यवसाय करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। स्थल से हटाकर सड़क, फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त कराया। अवैध रूप से सड़क के किनारे व फुटपाथ पर कब्जा कर पान ठेले, फल ठेले,कपड़े दुकान के बाहर समान, कपड़े व अन्य सामग्रियों को फैलाकर दुकानें लगाई जा रही थी। सड़क, फुटपाथ पर मुख्य मार्ग के किनारे दुकानें सजाने से अनावश्यक भीड़ एकत्रित होती थी, इससे सड़क दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी और आम नागरिकों एवम वाहन चालकों को आवागमन में असुविधा होती थी।

बोट में मोटर पंप लगाकर अवैध तरीके से हो रहा था रेत खनन, प्रशासन ने की कार्रवाई

कलेक्टर मीणा के निर्देश पर लगातार अवैध खनन पर की जा रही कार्रवाई

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

पाटन ब्लाक में ग्राम सिपकोना में खारुन नदी के किनारे बोट में मोटर पंप लगाकर अवैध तरीके से रेत का खनन किया जा रहा था। इस बात की सूचना प्रशासन को मिलते ही त्वरित कार्रवाई की गई। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने इस संबंध में त्वरित कार्रवाई के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी को दिए। इसके पश्चात मौके पर पहुंचकर राजस्व विभाग एवं पुलिस की टीम ने बोट जब्त की और 700 घन मीटर रेत भी जब्त की। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम विपुल गुप्ता ने बताया कि कलेक्टर मीणा के निर्देश पर लगातार अवैध खनन की मॉनिटरिंग की जा रही है। आज सिपकोना से आई सूचना मिलते ही तत्काल अवैध उत्खनन पर कार्रवाई की गई। इस संबंध में सूचना मिली थी कि मोटर बोट में पंप लगाकर अवैध खनन किया जा रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर बोट जब्त की। साथ ही स्थल से 700 घनमीटर रेत भी जब्त की। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार प्रकाश सोनी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

एसडीएम ने बताया कि रेत के अवैध खनन पर प्रशासन द्वारा निरंतर कार्रवाई जारी है। इस संबंध में सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमिती करण नहीं कराने वाले 4 दुकानें हुई सील

- **शहर के मुख्य मार्केट में हुई कार्रवाई, समय रहते करवा ले अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण**

पायनियर संवाददाता < भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण नहीं करवाने वाले दुकानों पर एक बार फिर से कार्रवाई की गई है। नगर पालिक निगम भिलाई के द्वारा शहर के मुख्य मार्केट जवाहर नगर और जलेबी चौक के समीप की दुकानों को सील बंद करने की कार्यवाही की गई। निगम के जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, भवन अनुज्ञा अधिकारी हिमांशु देशमुख, उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, अमित एक्का, विजेंद्र गुप्ता तथा सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम ने जवाहर मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण किया इस दौरान अनाधिकृत विकास व निर्माण के दायरे में आने वाले लोगों की दुकानें सील की गई। इससे पूर्व निगम ने नियमितीकरण के दायरे में लाने के लिए नोटिस जारी किया था परंतु फिर भी नोटिस का अनदेखी करने पर कार्रवाई की गई है। मौके पर भारी मात्रा में पुलिस बल भी मौजूद थी। शहर के प्रमुख जवाहर मार्केट में दो दुकानें तथा जलेबी चौक की दो दुकानों को सील किया गया है।

आगजनी से पीड़ित परिवारों को मिला मुआवजा राशि, 25 परिवारों को मिली राहत

भिलाई नगर। हॉस्पिटल सेक्टर में आगजनी की घटना होने के बाद से प्रशासन ने हर संभव मदद प्रभावित परिवारों के लिए किया है। विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल, कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास, एमआईसी मेंबर सीजू एंथोनी, स्थानीय पार्षद कोमल टंडन ने प्रभावित परिवारों के मदद लिए स्पॉट पर जाकर निरीक्षण किया था। आगजनी के बाद से ही परिवारों को राहत देने का कार्य किया गया। नजदीकी स्कूलों में परिवारों को ठहराकर उनकी मदद की गई, भोजन व्यवस्था सहित जरूरी सामग्रियों के इंतजाम किए गए। दस्तावेजों को बनाने के लिए शिविर के लगाए गए तथा दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास दिलाने के लिए भी कैंप का आयोजन किया गया। पीड़ित परिवार का सर्वे किया गया था, सर्वे उपरांत 25 परिवार निवासरत पाए गए थे। संयुक्त निरीक्षण के दौरान मुआवजा राशि देने के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत प्रत्येक परिवार को 10500 रुपए की राशि प्रदान की गई है। इसके मुताबिक 25 परिवारों को 262500 की राशि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के तहत दी गई है। मुआवजा राशि देने के दौरान जोन आयुक्त खिरोद्र भोई तथा अतिरिक्त तहसीलदार क्षमा यदु भी मौजूद थे। मुआवजा राशि प्राप्त कर पीड़ितों ने राहत की सांस ली है और उन्होंने इसके लिए विधायक, महापौर, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासन को धन्यवाद भी ज्ञापित किया है।

तालाब सफाई के लिए पर्यावरण विभाग ने बनाया 'नरवा, गरवा, घुरूवा, बाड़ी' को आधार, जन सहयोग भी मिल रहा

पायनियर संवाददाता < भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री की महत्वकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरुवा, बाड़ी के प्रसार के लिए पर्यावरण एवम उद्यानिकी विभाग नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा पर्यावरण एवम जल संरक्षण के तहत तालाबों की सफाई का कार्य नकटा तालाब ढांचा भवन कुरूद से शुरू किया गया। मेयर नीरज पाल के निर्देश पर पर्यावरण विभाग प्रभारी नेहा साहू ने बताया कि यह कार्य पर्यावरण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजीव युवा मितान क्लब तथा जन सहयोग द्वारा प्रत्येक रविवार को निगम क्षेत्र के अन्य वार्डों में भी संचालित किया जाएगा जिसमें तालाबों की सफाई, वाटर हार्वेस्टिंग की जानकारी, प्रतिबंधित प्लास्टिक उन्मूलन, छोटे बागवानी से संबंधित जानकारी स्थानीय रहवासियों को उपलब्ध करवाई जायेगी। मौजूदा समय में पर्यावरण संतुलन, प्रदूषण, गिरता भू जल स्तर, जलवायु परिवर्तन, पशुधन संवर्धन, जैविक खेती जैसे विषय वैश्विक चिंता के कारण है, जिसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी द्वारा नरवा, गरवा, घुरुवा, बाड़ी योजना के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के अलावा व्यापक पर्यावरण संरक्षण को भी ध्यान में रखकर उपरोक्त वैश्विक चुनौतियों को दूर करने का एक नवाचार प्रारंभ किया गया है। अभियान में एम आई सी सदस्य नेहा साहू, उषा शर्मा पार्षद वार्ड 23, उमेश साहू पार्षद वार्ड 67, राकेश शर्मा, जागृति भारद्वाज, लकिता यादव, गीता रेड्डी, संतुष्टि, वैभव साहू, परवीन बानो बरखा, रिया सोनी, शमिता, सरस्वती पिल्लै, कंचन, ज़बीर।

प्लास्टिक एवं झिल्ली पन्नी तथा कचरा फैलाते पाए जाने पर ले रहे जुर्माना

प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं कचरा फैलाने वालों पर लगातार कार्यवाही

- **11 लोगो के खिलाफकार्रवाई करते हुए 13500 रुपए का लगाया जुर्माना**

पायनियर संवाददाता < भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर कार्रवाई निरंतर जारी है, निगम के सभी जोन कार्यालयों में स्वास्थ्य विभाग की टीम शहर में प्लास्टिक एवं झिल्ली पन्नी के कचरों के रोकथाम के लिए बाजार व व्यवसायिक क्षेत्र में कार्रवाई कर रहे है। टीम के द्वारा निरीक्षण के दौरान कहीं भी प्लास्टिक या अन्य कचरा फैलाते हुए पाए जाने पर उनसे जुर्माना भी लिया जा रहा है। बाजार क्षेत्र में प्रतिबंधित झिल्ली, पन्नी विक्रय एवं उपयोग करते हुए पाए जाने पर प्रतिबंधित सामग्री को जप्त किया जा रहा है। भिलाई निगम की टीम ने जगन्नाथ ट्रेडर्स, सुनील कुमार गुप्ता, परवेज खान, सुयश इटली डोसा कॉर्नर, बच्चा लाल, अकाश फर्नीचर, सिन्हा होटल, मनोरमा देशमुख, ओम मेडिकल, मनीष किराना स्टोर, लक्ष्मी सिंगार, भूमिका किराना स्टोर आदि से प्रतिबंधित प्लास्टिक रखने, गुमास्ता लाइसेंस नहीं होने, गंदगी फैलाने को लेकर जुर्माना वसूल किए। भिलाई शहर से झिल्ली, पन्नी के कचरों को समाप्त कर प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार बाजार तथा व्यवसायिक क्षेत्रों एवं दुकानों में निरीक्षण कर प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर जप्ती बनाने की कार्रवाई की जा रही है, ताकि हमारा शहर साफसुथरा हो और झिल्ली पन्नी के कचरों से फैलने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम हो सके। इसके लिए निगम प्रशासन द्वारा सभी जोन कार्यालयों में गठित टीम द्वारा अलग-अलग जगहों पर दुकानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में छापेमार कार्रवाई की जा रही है। जहां भी सिंगल यूज प्लास्टिक व प्रतिबंधित प्लास्टिक, पानी पाउच, गिलास, प्रतिबंधित झिल्ली, पन्नी, प्लास्टिक का दोना, पत्तल व प्लास्टिक अन्य सामग्री जो प्रतिबंधित है उस पर कार्रवाई की जा ही है। महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग तथा विक्रय नहीं करने की अपील शहरवासियों से की है।

कार्यालय नगर पंचायत थानखम्हरिया, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

cmothankhamhariya@gmail.com, Ph. No. 07824-263524

क्र.1029/राजस्व/नामां/न.पं.ख./2022 थानखम्हरिया, दिनांक 20/03/2023

// सूचना //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत थानखम्हरिया में प्राप्त नामांतरण प्रकरण छ.ग. नगर पलिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत प्रकरण में यदि कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर दिनांक 20/04/23 तक लिखित में आप साक्ष्य के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। तथा अवधि पश्चात् आपत्ति करने पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्र.	भूमि स्वामी हस्तांतरणकर्ता का नाम	भवन हस्तांतरित का नाम	वार्ड क्र.	भवन हस्तांतरण का स्वरूप	आवेदन दिनांक	स्थल का स्वरूप
1	श्रीमती नजमा बेगम	श्री हेमराज सिंह	15	पंजीकृत बयनामा	10.07.2019	पक्का मकान
2	श्री रामवतार	श्री रमेश कुमार सिन्हा	03	पंजीकृत बयनामा	21.07.2020	पक्का मकान
3	श्री हरगोविन्द शर्मा	श्री विनीत शर्मा	02	आबादी पट्टा	20.08.2020	पक्का मकान
4	श्री इंसान अली	श्री असलम अली, श्री उसमान अली, श्री शहबान अली	11	मृत्यु प्रमाण पत्र, बंटवारानामा	06.01.2021	पक्का मकान
5	श्री चौथमल अग्रवाल	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	10	मृत्यु प्रमाण पत्र, आबादी पट्टा	13.02.2020	पक्का मकान
6	श्री बहलराम	श्री बिसनाथ केंवट	09	मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसनामा	29.01.2021	पक्का मकान
7	श्री मूलचंद मुरारका	श्री मनोज मुरारका	02	मृत्यु प्रमाण पत्र, पट्टा	05.03.2021	पक्का मकान
8	श्री संतराम	श्री रामकुमार लोधी	15	मृत्यु प्रमाण पत्र	28.07.2021	पक्का मकान
9	श्री मनोहर पाल	श्री धूरसिंग पाल	15	मृत्यु प्रमाण पत्र, बंटवारानामा	30.07.2021	पक्का मकान
10	श्री बलदेव प्रसाद केडिया	श्री शंकर लाल केडिया	04	पट्टा, सहमति पत्र	17.09.2021	पक्का मकान
11	श्री आशीष अग्रवाल	श्री नसीरूद्दीन	11	पंजीकृत बयनामा	23.09.2022	पक्का मकान
12	श्री देवकुमार ताम्रकार	श्री संदीप कुमार ताम्रकार	04	सहमति, पट्टा, बंटवारानामा	27.09.2021	पक्का मकान
13	श्री पंचूराम साहू	श्री परसराम साहू	07	आबादी पट्टा, मृत्यु प्रमाण पत्र	22.10.2021	पक्का मकान
14	श्री सनत कुमार ताम्रकार	श्री संदीप कुमार ताम्रकार	04	सहमति, बंटवारानामा	27.10.2021	पक्का मकान
15	श्रीमती ज्योति केडिया	श्री सूरज प्रताप सिंह	12	पंजीकृत बयनामा	20.01.2022	पक्का मकान
16	श्री देवकुमार ताम्रकार	श्री सनत कुमार ताम्रकार	04	पंजीकृत बयनामा बंटवारानामा	03.02.2022	पक्का मकान
17	श्री बैभव बिंदल	श्री रामकृष्ण तिवारी	10	पंजीकृत बयनामा	23.03.2022	पक्का मकान
18	श्रीमती अंजू वर्मा	श्रीमती वसुंधरा नागवंशी	06	पंजीकृत बयनामा	24.03.2022	पक्का मकान
19	श्री धूरसिंग साहू	श्री संतोष साहू	09	मृत्यु प्रमाण पत्र	01.04.2022	पक्का मकान
20	श्री बावाराम साहू	श्री तुकाराम साहू, श्री कार्तिकराम	14	ऋण पुस्तिका, मृत्यु प्रमाण पत्र,	11.04.2022	पक्का मकान
21	श्री संतोष सिंघानिया	श्री संजय सिंघानिया	04	पंजीकृत दान पत्र	13.04.2022	पक्का मकान
22	श्रीमती शकुन, उषा वाहने	श्रीमती लक्ष्मी सुखदेवे	05	मृत्यु प्रमाण पत्र	04.05.2022	पक्का मकान
23	श्री अवतार सिंह	श्री मेहमान खान	04	पंजीकृत बयनामा	05.07.2022	पक्का दुकान
24	श्री शिवदत्त अग्रवाल	श्रीमती गीता देवी, श्री कमल कुमार, श्रीमती आशा देवी, श्रीमती एकता देवी	10	पंजीकृत बयनामा	26.09.2022	पक्का मकान
25	श्री जगदीश अग्रवाल	श्री राधेश्याम अग्रवाल	03	ऋण पुस्तिका	26.09.2022	पक्का मकान
26	श्री नसीब अली	श्री हसन अली	11	पंजीकृत दान पत्र	20.10.2022	पक्का मकान
27	श्री संतोष कुमार	श्री सुरेश सिंघानिया	04	पंजीकृत दान पत्र	10.11.2022	पक्का मकान

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत थानखम्हरिया
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

संक्रमणों का खतरा सरकारें तैयार

हालांकि, केन्द्र व राज्य सरकारें नए संक्रमणों के खतरे से निपटने के लिए तैयार हो रही हैं, लेकिन इनसे घबराने की जरूरत नहीं है। केन्द्र सरकार ने बिल्कुल उचित समय पर तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात व महाराष्ट्र को कोविड-19, एच1एन1 व एच3एन2 के संभावित प्रसार के संबंध में निर्देश दिए हैं। कहा जाता है कि सावधानी ही सर्वोत्तम सुरक्षा है। सरकार ने 6 राज्यों से टेस्टिंग, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के कोविड-19 नमूनों की जीन सीक्वेंसिंग तथा कोविड-उपयुक्त व्यवहार अपनाने को कहा है। सौभाग्य से इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि स्थितियां काबू से बाहर हो रही हैं। हालांकि, महाराष्ट्र से दो मौतों तथा एच3एन2 वायरस से दो संदिग्ध मौतों की खबर है। एक एमबीबीएस छात्र एच1एन1 व एच3एन2, दोनों से संक्रमित था और नागपुर के एक 74 वर्षीय वृद्ध को एच3एन2 से संक्रमित पाया गया। द पायनियर ने खबर दी थी, 8-14 मार्च के बीच कोविड मामलों के विश्लेषण से पता चला था कि देश के नौ जिलों में कोविड-पाजिटिविटी दर 10 प्रतिशत या इससे अधिक पाई गई थी। ये जिले पूरे देश में फैले हैं और इनमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व गुजरात भी शामिल हैं। अच्छी बात है कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हो रहे हैं। दिल्ली सरकार ने आइसोलेशन वार्ड बनाए हैं तथा पुडुचेरी ने 26 मार्च तक स्कूलों को बंद कर दिया है। यह फ्लू के दृष्टिकोण से बहुत खराब मौसम है और कहा जाता है कि एच3एन2 इसके लिए जिम्मेदार है। इससे लंबी व गंभीर बीमारी हो सकती है जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है। इससे लोगों की मौतों की खबरें भी आई हैं।

हालांकि, केन्द्र और राज्य सरकारें सतर्कता बरत रही हैं, पर उनको यह भी अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि सावधानी वाले कदमों से कोई घबराहट न फैले तथा किसी स्तर पर इसके कारण त्वरित प्रतिक्रिया जैसी स्थितियां न पैदा हों। जनता तथा अर्थव्यवस्था को अतीत में भय, लाकडाउन व उसके कारण पैदा बाधायें काफी मात्रा में झेलनी पड़ी हैं। उल्लेखनीय है कि तीन साल पहले वाली स्थिति के उलट किसी चिकित्सा विशेषज्ञ ने इस बार संभावित वैश्विक महामारी या महामारी का खतरा नहीं बताया है। निश्चित रूप से हमें सबसे बुरी स्थितियों के लिए अवश्य तैयार रहना चाहिए, पर इससे कोई घबराहट नहीं फैलनी चाहिए। अर्थव्यवस्था को पूर्व-कोविड स्तर तक पहुंचने में लंबा समय लगा है और आज भी हमारी प्रगति पूरी तेजी नहीं पकड़ सकी है। भले ही भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अर्थव्यवस्था की वर्तमान सुस्ती को अतिरंजित तरीके से पेश किया हो, पर वर्तमान समय में हमारी वृद्धि दर समुचित स्तर से काफी कम है। इस पृष्ठभूमि में किसी महत्वपूर्ण सरकारी अधिकारी द्वारा लापरवाही से की गई कोई टिप्पणी या चिकित्सा आपातकाल का संकेत देने वाली कोई घोषणा अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खराब होगी। इसके साथ ही नियंत्रणों, आवागमन में असुविधा तथा मानसिक आघात का एक और दौर झेलना लोगों के लिए बहुत कठिन होगा। कोविड वैश्विक महामारी ने सभी लोगों के धैर्य व दृढ़ता की कठिन परीक्षा ली है और कोई भी ऐसी त्रासदी से दोबारा गुजरना नहीं चाहता है। टेस्ट्र, ट्रैक, ट्रीट व वैक्सीनेट, यानी परीक्षण, संक्रमितों का पता लगाना, उनका इलाज करना तथा व्यापक स्तर पर टीकाकरण करने की चार आयामी रणनीति का पहले से ही पालन किया जा रहा है। इसमें कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जीएसटी में लाएं पेट्रोलियम उत्पाद

वित्त मंत्री को सक्रिय रूप से राज्यों से विचार-विमर्श कर पेट्रोलियम उत्पादों पर जीएसटी के अंतर्गत टैक्स लगाने की प्रक्रिया तेज करनी चाहिए।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों का आह्वान किया है कि वे पेट्रोलियम उत्पादों की टैक्स दरें वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी के अंतर्गत तय करने पर अपनी सहमति दें तथा जीएसटी परिषद इस पर अपनी मुहर लगाए। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस-एनजी, पेट्रोल, डीजल व एवियेशन फ्यूल-एटीएफ शामिल हैं। जीएसटी एक राष्ट्रव्यापी टैक्स व्यवस्था है जिसमें निवेशों पर टैक्स की व्यवस्था है। इसने पूर्व-जीएसटी युग के एक दर्जन से अधिक टैक्सों को अपने भीतर समाहित किया है, जिनमें सेंट्रल एक्साइज़ ड्यूटी-सीईडी, सेवा कर तथा बिक्री कर व मूल्यवर्धित टैक्स-वैट शामिल हैं। इसके साथ ही अनेक प्रकार के स्थानीय करों, जैसे, चुंगी, खरीद कर, टर्नओवर टैक्स, आदि की उपस्थिति बनी हुई है।

जीएसटी के लिए लाए गए 2016 के संविधान संशोधन कानून में पेट्रोलियम उत्पादों को उसके दायरे में लाया गया है, पर उसे 'शून्य दर' में रखा गया है। इस कारण इन वस्तुओं पर सीईडी व राज्यस्तरीय वैट लगता है। पूर्व-जीएसटी व्यवस्था के अंतर्गत राज्यों में टैक्सों की व्यापक विविधता व बहुलता थी। इसके कारण वस्तुओं व सेवाओं के आदान-प्रदान, विकृत विकास, क्षेत्रीय असमानताओं, आदि को जन्म दिया था। इसके कारण 'टैक्स पर टैक्स' का 'बढ़ोत्तरी' वाला प्रभाव पड़ता था। इसके कारण बिजनेसों के बीच लेनदेन का खर्च बहुत अधिक था क्योंकि उनको अनेक प्रकार के टैक्सों के प्रशासन के लिए अनेक अधिकारियों से व्यवहार करना पड़ता था। कुल मिला कर इस व्यवस्था में बड़े पैमाने पर करापवंचन की संभावनायें बनती थीं। जीएसटी लागू करने के पीछे इरादा इन सारी कमियों को दूर करना था।

ऊर्जा का प्रमुख स्रोत होने के कारण पेट्रोलियम पदार्थों का प्रयोग अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में होता है। इस तथ्य के साथ ही यह तथ्य भी है कि जीएसटी में मूल्यवृद्धि पर लगाम लगा कर उद्योग को ज्यादा प्रतियोगी बनाने की अभूतपूर्व संभावनायें हैं। अतः इस व्यवस्था के अंतर्गत कराधान अत्यधिक आवश्यक हो गया है। इसके बावजूद पेट्रोलियम पदार्थ आज भी पूर्व-जीएसटी युग में बने हुए हैं। 2016 के संविधान संशोधन कानून के अनुसार जीएसटी परिषद को जीएसटी के अंतर्गत दरें तय करने का अधिकार है। लेकिन वह अपने पैर पीछे खींच रही है। जहां उसने एनजी व एटीएफ की दरें तय करने का काम अपने एजेंडे पर लिया, पर अनेक बार इस पर कोई निर्णय नहीं हो पाया। जहां तक अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का सवाल है, इन पर विचार करना भी उचित नहीं समझा गया। केन्द्रीय वित्त मंत्री इस परिषद की अध्यक्ष होते हैं और इसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं तथा इसके निर्णय आमतौर से सर्व-सम्मति से लिए जाते हैं। केन्द्र तथा राज्यों के लिए टैक्सों से प्राप्त राजस्व तथा खासकर गैसोलीन व डीजल से प्राप्त टैक्स 'दुधारू गाय' की तरह हैं। 2020-21 में केन्द्र ने इन पर टैक्स लगा कर 335,000 करोड़ तथा राज्यों ने 203,000 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे। इन उत्पादों को जीएसटी के अंतर्गत लाने से कर संग्रह में काफी कमी आएगी। इसे समझने के लिए हमें कुछ आंकड़ों पर गौर करना होगा। दिल्ली में पंपों पर पेट्रोल का मूल्य 4 फरवरी, 2023 को 97 रुपये प्रति लीटर था जो 22 मई, 2022 के बाद से बदला नहीं है। इसमें एक्स-रिफाइनरी मूल्य तथा भाड़े के 47 रुपये, 10 रुपये अतिरिक्त तथाकथित 'भावी मुद्रास्फीति आयामों, आदि' के लिए, 4 रुपये डीलर कमीशन, 20 रुपये सीईडी व 19.4 प्रतिशत की दर से 16 रुपये वैट शामिल है। इस प्रकार पंप मूल्य में प्रति लीटर 36 रुपये या कुल मूल्य का 37 प्रतिशत टैक्स हैं। डीजल के मामले में यह 32 प्रतिशत है। इससे तेल मार्केटिंग वाले सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम-पीएसयू जैसे भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन-बीपीसीएल, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड-आईओसीएल व हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-एचपीसीएल को कुछ मुनाफा कमाने का अवसर मिलता है।

इसका प्रयोग इन उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ने पर किया जाता है क्योंकि मोटेतौर से चुनावों के कारण पेट्रोल पंप मूल्य बढ़ाया नहीं जा सकता है। इसे अलग करने तथा पंप मूल्य 87 रुपये प्रति लीटर रखने पर टैक्स 41 प्रतिशत होंगे। 20 रुपये प्रति लीटर की सीईडी में 8 रुपये सड़क एवं ढांचागत सेस के कारण है जिसे पूरी तरह केन्द्र सरकार अपने पास रखती है। बाकी 12 रुपये में यह 59 प्रतिशत या 7 रुपये अपने पास रखती है तथा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुसार 41 प्रतिशत या 5 रुपये राज्यों को देती है। इस प्रकार केन्द्र को 15 रुपये तथा राज्यों को इससे काफी अधिक 21 रुपये मिलते हैं। ईआरपी या पेट्रोल पंप को भेजे जाने वाले 47 रुपये के मुल्य में टैक्स का हिस्सा 77 प्रतिशत है जिसमें से 32 प्रतिशत केन्द्र को तथा 45 प्रतिशत राज्यों को मिलता है।

यदि पेट्रोल व डीजल पर जीएसटी के अंतर्गत टैक्स लगाया जाए तथा इसे 28 प्रतिशत की सबसे अधिक दर में रखा जाए तो केन्द्र सरकार व राज्यों को इस पर केवल 14-14 प्रतिशत टैक्स लगाना होगा। पिछले साल नीति आयोग ने अर्थशास्त्रियों व उद्योग विशेषज्ञों के साथ 'ऊर्जा उत्पादों का जीएसटी में हस्तांतरण' पर एक चर्चा में इसका सुझाव दिया था। वित्त मंत्रालय के वितरण फार्मूले के अंतर्गत इस संग्रह में से केन्द्र केवल 59 प्रतिशत अपने पास रख सकेगा। इसका अर्थ है कि उसे 8.26 प्रतिशत से संतोष करना पड़ेगा, जबकि राज्यों को 19.74 प्रतिशत मिलेगा।

इस प्रकार जीएसटी में परिवर्तन से केन्द्र का टैक्स संग्रह 32 प्रतिशत से घट कर 8.26 प्रतिशत पहुंच जाएगा, जबकि राज्यों का संग्रह 45 प्रतिशत से घट कर 19.74 प्रतिशत हो जाएगा। राजस्व में कमी के इसी भय के कारण राज्यों और केन्द्र ने परिषद को इस विषय पर विचार ही नहीं करने दिया। लेकिन इस मुद्दे को अनंत काल तक टालने से इन उत्पादों को जीएसटी में शामिल करने का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। यदि इरादा 'हमेशा के लिए' शून्य-रेटेड बनाए रखना था तो विभिन्न हितग्राहकों को काल्पनिक दुनिया में क्यों रखा गया? इसे केवल राज्यों पर छोड़ने के बजाय वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण को सक्रिय रूप से उनसे विचार-विमर्श कर पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के अंतर्गत लाने की प्रक्रिया तेज करनी चाहिए। राजस्व नुकसान की मुख्य बाधा दूर करने में सहायता के लिए नीति आयोग ने सुझाव दिया है कि राज्यों को इस परिवर्तन से होने वाले राजस्व के नुकसान की 'आंशिक' भरपाई की जा सकती है। इसके साथ ही उसने इस पर 50 प्रतिशत सेस लगाने का भी सुझाव दिया है। लेकिन यह सुझाव कारगर नहीं है क्योंकि नई व्यवस्था के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व के नुकसान के मुआवजे को जीएसटी कंपेनसेशन एक्ट, 2017 में लाना होगा जो केवल पांच साल के लिए, यानी 1 जुलाई, 2017 से 30 जून, 2022 तक प्रभावी था।

जहां तक सेस का सवाल है, इसे अलाभकर वस्तुओं, जैसे आटोमोबाइल, तंबाकू, पेय पदार्थों, आदि पर लागू किया जाता है जिससे प्राप्ति का प्रयोग राज्यों को मुआवजा देने में किया जाता है। यह प्राविधान जीएसटी कंपेनसेशन एक्ट, 2018 में संशोधन के अंतर्गत उपलब्ध नहीं है जिसे केवल पांच साल के लिए एकत्र किया जा सकता था। 30 जून, 2022 के बाद इस लेवी संग्रह का विस्तार केवल सीमित उद्देश्य के लिए है। यह 'केन्द्र द्वारा इन पांच वर्षों में आवश्यक मुआवजा देने में सेस की कमी के कारण लिए कर्ज की भरपाई के लिए है।' इसके साथ ही नीति आयोग के सुझाव में यह कमी भी है कि यह राज्यों को केवल 'आंशिक' मुआवजे की बात करता है। इसके साथ ही यह केन्द्र को होने वाले नुकसान के मुद्दे पर मौन है। केन्द्र व राज्यों को अपना दृष्टिकोण व्यापक बनाना होगा। इन उत्पादों को जीएसटी में लाने के दीर्घकालीन लाभों को देखते हुए उनको अल्पकालीन रूप से राजस्व नुकसान के बारे में साहसी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। तत्कालीन स्थितियों को देखें तो 2022-23 में जीएसटी संग्रह का औसत मासिक संग्रह 150,000 करोड़ से अधिक है। इससे उनमें आत्मविश्वास पैदा होना चाहिए। इसके साथ ही कर चोरी के अनेक रास्ते बंद करने से भी कर संग्रह बढ़ सकता है।

लिंग आधारित हिंसा से निबटने के तरीके

> महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने में सहायक प्रणालियों को अधिक उत्तरदायी और सुलभ बनाना प्रभावी हो सकता है।

प्राची शुक्ला
(लेखिका सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं)

लिंग आधारित हिंसा (जीबीवी) विश्व स्तर पर व्यापक रूप से व्यापक रूप से अदृश्य मानव अधिकारों का उल्लंघन है। इसमें समाज में लिंग आधारित शक्ति असंतुलन के कारण किसी व्यक्ति को होने वाली शारीरिक, यौन, मानसिक या आर्थिक क्षति शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, प्रत्येक तीन महिलाओं में लगभग एक, या लगभग 736 मिलियन महिलाएं, अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार अंतरंग साथी हिंसा, गैर-साथी यौन हिंसा, या दोनों का शिकार हुई हैं। महिलाओं के कब्जे वाले सभी स्थानों पर हिंसा प्रचलित है, जिसमें डिजिटल स्पेस भी शामिल है।

महामारी के दौरान, कई रिपोर्टों ने संकेत दिया, घरेलू हिंसा के मामलों में आय में कमी और सेवाओं तक पहुंच में कमी, सामाजिक और सुरक्षात्मक नेटवर्क में व्यवधान, घरेलू कार्यभार में वृद्धि, कड़ी मेहनत आदि के कारण उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महत्वपूर्ण साक्ष्य और अंतर्दृष्टि, जो भारत हैं- विशिष्ट, महामारी के दौरान विभिन्न अध्ययनों और सामुदायिक हस्तक्षेपों से भी उत्पन्न हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य भागीदार , लिंग आधारित हिंसा को संबोधित करने पर केंद्रित अपने व्यापक हस्तक्षेप के माध्यम से, जून 2021-दिसंबर 2022 से दिल्ली, गुजरात और झारखंड राज्यों में काम करेंगे। परियोजना ने जीबीवी मुद्दों वाले व्यक्तियों का समर्थन किया परामर्श और रेफरल के माध्यम से, और सरकारी सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षा योजनाओं के साथ जुड़ाव को सुगम बनाया। करीब 40,000 लोगों की जांच की गई और 2,500 से अधिक जीबीवी से प्रभावित पाए गए। दिलचस्प बात यह है कि शारीरिक हिंसा हमेशा ज़बरदस्ती का प्रमुख रूप नहीं होता है। हिंसा की प्रकृति के संदर्भ में, डब्लूएचपी डेटा ने दिखाया कि 72 प्रतिशत जीबीवी से बचे लोगों ने भावनात्मक हिंसा का सामना किया जैसे कि अपमान, अपमानजनक भाषा और परिवार से अलगाव; 15 प्रतिशत ने आर्थिक हिंसा का सामना किया क्योंकि उन्हें मोबाइल फोन या दैनिक खर्च के लिए पैसे जैसे आर्थिक संसाधनों तक पहुंच नहीं दी गई, 11 प्रतिशत ने शारीरिक हिंसा का सामना किया। लिंग आधारित हिंसा के छोटे और दीर्घकालिक परिणाम होते हैं, जो कभी-कभी काफी विनाशकारी होते हैं। चोटें, अनपेक्षित गर्भधारण, यौन संचारित संक्रमण, साथ ही साथ चिंता, अवसाद, अभिघातज के बाद का तनाव विकार, और यहां तक कि खुद को नुकसान पहुंचाना और आत्महत्या, हिंसा के कुछ ऐसे प्रभाव हैं जिनका उत्तरजीवियों को सामना करना पड़ सकता है।

डब्ल्यूएचपी के निष्कर्षों ने मानसिक स्वास्थ्य और लिंग आधारित हिंसा के बीच मजबूत संबंध प्रस्तुत किए, एक ऐसा क्षेत्र जिसे काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है। परियोजना हस्तक्षेप क्षेत्रों में 75 प्रतिशत से अधिक महिलाएं, जिन्होंने जीबीवी का सामना किया था, उनमें कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं, 62 प्रतिशत हल्के थे, 27 प्रतिशत मध्यम थे, और 11 प्रतिशत में गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं। नवीनतम राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, भारत में गृहिणियों के बीच आत्महत्या, पिछले तीन वर्षों में धीरे-धीरे बढ़ी है, 2019 में 21,359 से 2020 में 22,374 से 2021 में 23,179 हो गई है। साथ ही, महिला में गृहिणियों की हिस्सेदारी 2021 में आत्महत्याएं बढ़कर 51.5 प्रतिशत (23,179) हो गईं, जो पिछले वर्ष 50.3 प्रतिशत (22,374) थीं।

यह पाया गया है कि वित्तीय संसाधनों और घर से दूरी की कमी के साथ-साथ कानूनी प्रकोष्ठों, पुलिस और अस्पतालों जैसी सहायक सेवाओं की प्रतिक्रिया की कमी, पीड़ित महिलाओं के लिए समय पर कार्रवाई करने में प्रमुख बाधा साबित हुई है। तत्काल और उचित राहत प्रदान की। समय पर, उत्तरदायी, साक्ष्य-आधारित और अक्सर कम लागत वाले हस्तक्षेप, जब एकीकृत तरीके से सक्रिय किए जाते हैं, तो जीवन बचाने में मदद मिल सकती है। डब्ल्यूएचपी के हस्तक्षेप से पता चलता है कि सामान्य टेली-परामर्श सेवाओं तक पहुंच से भी बहुत फर्क पड़ सकता है, क्योंकि जीबीवी के उत्तरजीवी अपने सामने आने वाली हिंसा को दूर करने के लिए समर्थित महसूस करते हैं। इसके अलावा, वन स्टॉप सेंटर जिसे सखी केंद्र भी कहा जाता है, जैसे ग्रहणशील, सहयोगी और सुलभ रेफरल मार्ग सुनिश्चित करना, लिंग आधारित हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने और इसे बनने से रोकने के लिए एक प्रमुख आवश्यकता है।

विभिन्न सरकारी सहायता सेवाओं के बारे में बड़े पैमाने पर सामुदायिक जागरूकता पैदा करना समय की मांग है। वर्तमान में, भारत सरकार की मिशन शक्ति और इसकी दो उप-योजनाएं, संबल% और सामर्थ्य मिशन मोड में महिलाओं की सुरक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए हस्तक्षेप को मजबूत करने के उद्देश्य से हैं। हालांकि, इसकी सफलता काफी हद तक निर्भर करेगी। अंतर-विभागीय समन्वय और सहयोग की लंबी चुनौती पर काबू पाने पर। उदाहरण के लिए, महिला हेल्पलाइन (181, और ओएससी को एकीकृत तरीके से संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, हालाँकि, ऐसा कोई एकीकरण कभी नहीं किया गया है। कई राज्यों ने 104 जैसी अपनी स्वयं की संकट हेल्पलाइन सेवाएं चला रहे हैं, लेकिन इन्हें भी जीबीवी के साथ एकीकृत नहीं किया गया है। इसी तरह, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2000, और यौन से बच्चों की सुरक्षा जैसे विभिन्न कानूनी प्रावधानों के बीच आवश्यक संबंध अपराध अधिनियम, 2012 पर अभी काम किया जाना बाकी है। इसके कारण कानूनों का कमजोर प्रवर्तन हुआ और इसके परिणामस्वरूप पीड़ितों की उदासीनता, अविश्वास और व्यवस्था से बचाव हुआ।

जीबीवी को संबोधित करने के लिए सुरक्षा, गोपनीयता, गैर-भेदभाव और आत्म-पहचान के अधिकार के आधार पर एक व्यापक, उत्तरजीवी-केंद्रित प्रतिक्रिया प्रणाली की आवश्यकता होती है।

फरमाया

हमें संसद में गतिरोध को समाप्त करने के लिए बीच का रास्ता नहीं दिखता क्योंकि अडानी मुद्दे की जेपीसी जांच की विपक्ष की मांग पर समझौता नहीं होगा।

- जयराम रमेश
कांग्रेस नेता

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। क्योंकि कुछ जगहों पर भारत और चीन दोनों की सेनाएं तैनात हैं।

- एस जयशंकर
विदेश मंत्री

बाजरा खाद्य सुरक्षा के साथ खाद्य आदतों की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है। वैज्ञानिकों से खाद्य टोकरी में पोषक अनाज की हिस्सेदारी बढ़ाने को कहा है।

- नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।
www.dailypioneer.com

संसद में गतिरोध

देश की जनता इन दिनों हैरान है कि पक्ष-विपक्ष की खींचातानी से संसद लगभग पंगु हो गई है। गौतम अडानी प्रकरण और राहुल गांधी के विदेश में दिए भाषण के कारण गतिरोध लगातार जारी है। संसद के पटल पर अभी 35 बिल लंबित पड़े हैं जिन पर चर्चा होनी है लेकिन सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सांसदों के हंगामे एवं अपनी अपनी जिद के कारण स्थिति और हंगामेदार होने की संभावना है। इससे जनता के पैसे की भारी बरबादी हो रही है क्योंकि सदन चलाने में 1 दिन का खर्चा ही 10 करोड़ आता है। देश की अर्थव्यवस्था पर भी सांसदों को विचार करना चाहिए क्योंकि संसद की कार्यवाही के दौरान सांसदों के वेतन, सत्र के दौरान सांसदों को मिलने वाली सुविधाएं, भत्ते सचिवालय के कर्मचारियों की सैलरी संसद सचिवालय, आदि पर भारी खर्च होता है। दुनिया के सबसे बड़े व सबसे पुराने लोकतंत्र भारत के लिए यह स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं कही जा सकती है। विडंबना है कि संसद की कार्रवाई बाधित करने वाले पक्ष-विपक्ष के सदस्य अपने निर्वाचकों व आम जनता में स्वीकार्यता भी अर्जित कर लेते हैं। इसलिए संसद का कामकाज ठप होना आम जनता की चिन्ता का भी विषय होना चाहिए और ऐसे सांसदों को सबक सिखाना चाहिए।

-सतीश उपाध्याय, मनेंद्रगढ़

गौरैया संरक्षण

प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। इस बार 13 वां विश्व गौरैया दिवस है। एक समय घर-घर, आंगन-आंगन में गौरैया दिखती थीं, लेकिन समय के साथ पक्के मकानों और लगातार कम होते जंगलों के कारण गौरैया के कुनबे भी कम हो गए हैं। इसका व्यापक असर हमारे पर्यावरण व धरती की पारिस्थितिकी पर भी पड़ रहा है। गौरैया के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसे बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष हम इस दिवस को मनाते हैं। नेचर फारएवर सोसायटी केअध्यक्ष मोहम्मद दिलावर के प्रयासों से पहली बार 2010 में विश्व गौरैया दिवस मनाया गया था। आज उद्यान शाकनाशियों और कीटनाशकों ने कीड़ों की आबादी को कम कर दिया है जिससे गौरैया को जीविका से वंचित होना पड़ा है। बड़े शहरों के शहरी क्षेत्रों में गौरैया के पारंपरिक प्रजनन स्थलों में गिरावट, प्रजनन के मौसम में बदलाव, उपयुक्त घोंसले के स्थानों के अभाव व उपयुक्त भोजन की कमी आदि के कारण इनकी संख्या में लगातार कमी आ रही है। भारत में इनकी संख्या में साठ प्रतिशत कमी आई है। गौरैया संरक्षण प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण का अभिन्न अंग है।

-सुनील कुमार महला, पटियाला

महाराष्ट्र प्रकरण

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन में राज्यपाल की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई। मगर ऐसा वाकया कोई पहली बार नहीं हुआ है। राज्यपालों की भूमिका पर बहुत लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। हालांकि, वर्तमान समय में सिर्फवहीं से राज्यपाल के खिलाफ आपत्ति आ रही है जहां गैर-भाजपा सरकारें हैं। जाहिर है यह राजनीतिक रस्साकशी का भी मामला है। सत्ता से दूर होने वाली पार्टियां वास्तविक स्थिति को नहीं पचा पाने के कारण सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाती है, जबकि संविधान में पहले से ही बहुमत परीक्षण के स्पष्ट प्राविधान हैं। याचिका पर विचार करने वाली पीठ के एक न्यायाधीश ने यह भी कहा है कि यदि वंशवाद के कारण किसी राजनीतिक पार्टी के विधायक असंतुष्ट होकर विद्रोह करते हैं तो राज्यपाल को बहुमत परीक्षण के लिए कहना ही होगा। राजनीतिक दलों को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए कि उनमें कितना आंतरिक लोकतंत्र है और कहीं वे किसी वंश या नेता के गुलाम तो नहीं बनते जा रहे हैं।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

जिस दिन हिंदू कट्टर हो गया, पूरी धरती पर शांति और समाधान के मार्ग खुल जाएंगे : अवधेशानंद गिरी

संत पदयात्रा का समापन, बेमेतरा विधानसभा के सैकड़ों सनातनियों के साथ शामिल हुए किसान नेता

किसान नेता के नेतृत्व में देशभर से आए हजारों सनातनियों को प्रसादी का वितरण

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के चारों दिशाओं से निकली हिंदू स्वाभिमान जागरण संत पदयात्रा का राजधानी रायपुर के रावण भाटा मैदान में समापन हुआ । समापन के अवसर पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता योगेश तिवारी सैकड़ों सनातनियो के साथ शामिल हुए । किसान नेता की ओर से समापन पर प्रदेशभर से आने वाले हजारों सनातनियो के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई है । विश्व हिंदू परिषद की ओर से आयोजित धर्मसभा में महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी जूना अखाड़ा प्रमुख, जितेंद्रनंद सरस्वती महामंत्री काशी अखिल भारतीय संत समिति, शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिर लाल, साध्वी प्राची, बालयोगेश्वर उमेश नाथ, पुष्पेंद्र पूरी, राजीव लोचन दास, स्वामी परमानंद स्वामी, प्रेम स्वरूपानंद, महामंडलेश्वर स्वामी सर्वेश्वर दास, राधेश्याम दास, आचार्य राकेश, रामानंद सरस्वती, सीताराम दास, लक्ष्य राम, साध्वी संतोषी भारती समेत देश भर से आए सैकड़ों संत शामिल हुए । हिंदू पूरे विश्व को कुटुंब मानते हैं । धर्म सभा में उपस्थित सनातनियो को संबोधित करते हुए जूना अखाड़ा प्रमुख स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि जापान के लोग जापानी, लेबनान के लिए लेबनानी, यूरोप के यूरोपियन, अमेरिका में अमेरिकन तो फिर हिंदुस्तान में रहने वाला वह हर व्यक्ति हिंदू है । उन्होंने कहा कि लाखों लाख साल पहले हम हिंदू थे, हिंदू हैं और हिंदू रहेंगे । हिंदू पूरे विश्व को कुटुंब मानते हैं । किसी को दुख देना नहीं जानते । छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया यहां बड़े ही भोले और नैसर्गिक प्राणी है । यहां का रायपुर अद्भुत दिखाई पड़ता हैं । हनुमान चालीसा सप्ताह में एक दिन अवश्य करें हर दिन मंदिर जाएं । जिस दिन हिंदू कट्टर हो गया, पूरी धरती पर शांति और समाधान के मार्ग खुल जाएंगे । इस धरती पर हिंसा नहीं रहेगी । संत यात्रा जागरण की यात्रा है ।

किसान नेता के साथ सैकड़ों सनातनी यात्रा में हुए शामिल

यात्रा के समापन पर किसान नेता योगेश तिवारी के साथ सुभऊ साहू, गोविंद साहू, गिरिश गबेल, संतोष साहू, पियूष शर्मा, राजेश साहू, हेमन्त साहू, मनोज पटेल, लखन च धारी, मृत्यजय दुबे, देव्यांशु शर्मा, सिद्धांत तिवारी, मयंक साहू, अभिषेक शर्मा, मनोज सिन्हा, बलराम राय, नरेश राय, संजू बारले, टोपेंद्र सोनवानी, अविनाश राजपूत ज्ञानेश्वर साहू, लेशलाल साहू, तुलाराम साहू, रानू वर्मा, दीपक साहू, रवि वर्मा, भानू साहू, विवेक राजपुत, अजय शुक्ला, दिलीप पटेल, कृपाल सेन, नवीन वर्मा, दादू वर्मा समेत सैकड़ों सनातनी शामिल हुए ।

विषमता धर्मांतरण समेत अन्य मुद्दों को लेकर निकाली यात्रा

इस अवसर पर किसान नेता ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर निकली यह यात्रा प्रदेश के 34 जिलों से होकर गुजरी और 30 दिनों बाद रायपुर में समापन हुआ है । सन्तो की यात्रा का उद्देश्य सनातनियो के बीच संगत एवं पंगत के माध्यम से संगठित हिंदू समाज प्रगटीकरण कर हिंदू भाव जागृत करना है । समाज में बढ़ती हुई विषमता, भेदभाव जनसंख्या असंतुलन, धर्मांतरण, गोवंश हत्या, तस्करी, लव जिहाद, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आ मण आदि समस्याओं के समाधान एवं जागरण, हिंदू राष्ट्र की स्थापना आदि है ।

राष्ट्रीय कवि संगम का संभागीय अधिवेशन आयोजित

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय कवि संगम जिला ईकाई बेमेतरा के तत्वावधान में दुर्ग संभाग का संभागीय अधिवेशन आयोजित किया गया।मुख्य अतिथि विधायक आशीष छाबड़ा ने अपने उद्बोधन में इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस संभागीय अधिवेशन में साहित्यकारों का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।गीत काव्य की वह विधा है जो अपने आप हृदय से फूट पड़े और जिसे सुनकर आसानी से गुनगुनाया जा सके।विशिष्ट अतिथि महेंद्र विरदी ने कहा साहित्यकार राजनीति और देशभक्ति के पीछे चलने वाली मशाल नही बल्कि उसके आगे चलकर उसे रास्ता दिखाती हुई सच्चाई की कहानी कहती है।आयोजन में दुर्ग संभाग के 6 जिले बेमेतरा, कबीरधाम, दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद एवं खैरागढ़ सहित बस्तर ,सरगुजा और बिलासपुर संभाग के साहित्यकार उपस्थित हुए। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में दुर्ग संभाग के अध्यक्ष भावेश देशमुख के द्वारा साहित्यिक गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।प्रांतीयउपाध्यक्ष कमल शर्मा ने कवि संगम की गतिविधियों की जानकारी दी।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नगर पालिका अध्यक्ष शकुंतला साहू ने एक अच्छे आयोजन के लिए अपनी बधाई दी।,साथ ही अंचल के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार स्व.सुहास गोविंद पोल की स्मृति में विवेक सुहास पोल द्वारा प्रारंभ राज्य स्तरीय साहित्य सम्मान जांजगीर के वरिष्ठ साहित्यकार विजय राठौर को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रदान किया गया।इस अवसर पर भाग्य श्री पोल ने स्व.सुहास गोविंद पोल की कृति छत्तीसगढ पंचामृत की कविता का सस्वर वाचन किया।मणिशंकर दिवाकर के संपादन में प्रकाशित पुस्तक एक मुस्कान एवं मै बेजुबान हूँ तथा डॉ राजेन्द्र पाटकर की कृति कविता का आटोग्राफ का विमोचन मुख्य अतिथि विधायक आशीष छाबड़ा के हाँथों किया गया। विशिष्ट अतिथि के रुप में विवेक सुहास पोल एवं पंकज राठी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र में ईश्वर साहू आरुग एवं किशोर तिवारी ने उत्कृष्ट काव्य पाठ किया।कार्यक्रम का संचालन जिला ईकाई अध्यक्ष सुनील कुमार झा ने किया। द्वितीय सत्र में सभी जिला ईकाईयों के अध्यक्ष ने अपने जिले का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया साथ ही सरस कवि सम्मेलन आयोजित हुआ,जिसमें राष्ट्रीय सह महामंत्री महेश शर्मा,विजय राठौर,किशोर तिवारी,मल्लिका रुद्रा,दिनेश रोहित चतुर्वेदी,कमल शर्मा अतिथि के रुप में उपस्थित थे।इसमे सतीश शर्मा,प्रेमिश शर्मा,रिजेन्द्र गंजीर,चन्द्रभूषण यदु,उत्तम देवांगन,जलेश्वर मानिकपुरी,दिलीप टिकरिहा,तारकेश्वर ,संकर्षण,जगदीश सोनी,तुकाराम साहू,केशरी गुप्ता विरेन्द्र तिवारी जैसे 50 से अधिक राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर के कविगणों ने अपना काव्य पाठ किया।कवि सम्मेलन का संचालन हरीश पटेल हर एवं पंकज शर्मा ने किया। जिला ईकाई उपाध्यक्ष बलराम ठाकुर बल ने समस्त उपस्थित जन का आभार

मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

गांव-गांव में भ्रमण कर महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनों के प्रति किया जाएगा जागरूक

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा में महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनों के प्रति जागरूक करने के लिए आज सोमवार को 'मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ' को रवाना किया गया। कलेक्टर श्री पदुम सिंह एल्मा के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत अध्यक्ष रेवती साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से कलेक्टोरेट परिसर से 'बात है अभिमान के, महिला मन के सम्मान के' सूत्र वाक्य के साथ मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की पहल पर राज्य की महिलाओं सहित बेमेतरा जिले के महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों और कानूनों की जानकारी देकर जागरूक करने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से यह न्याय रथ यात्रा शुरू की गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह रथ बेमेतरा जिले के गांव-गांव तक भ्रमण कर लोगों को शॉर्ट फिल्मों, संदेशों और ब्रोशर के माध्यम से महिलाओं के कानूनी प्रावधानों और उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में अवगत कराएगा। रथ में बड़ी एलईडी स्क्रीन में छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा की विभिन्न कानूनों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी बी.डी.पटेल, जनसंपर्क विभाग के अधिकारी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे में लूटने के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नेशनल हाईवे में लूटने के आरोप में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है इस संबंध में एसपी के द्वारा एसपी कार्यालय सभा कक्ष में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया घटना 16.मार्च को प्रार्थिया संतोषी साहू उम्र 35 साल अकलतरा जांजगीर अपने पति के साथ बाईक पर अपने घर बाईक पर अपने घर बिलासपुर जाने के दौरान दोपहर 01 बजे मोटर सायकल सवार तीन अज्ञात व्यक्तियो के द्वारा उपरोक्त घटना स्थल ग्राम खपरी थाना नांदघाट पर लुट करते हुये एक सोना का मंगलसुत्र, एक जोडी सोना का कान का टाप्स, एक जोडी चांदी का पायल एवं नगद रकम 7,000 रुपये कुल जुमला 57,000 रुपये को लुट कर भाग गया।प्रार्थिया कि रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों के द्वारा इस अपराध के पश्चात बिलासपुर में भी मारपीट की घटना कारित कर चार लोग रायपुर वापस आये थे तथा रायपुर में अपने एक साथी को छोडकर संदिग्ध अवस्था में घुमते पाये जाने पर थाना पुरानी बस्ती रायपुर द्वारा नियमित चेक गस्त के दौरान तीन लोगो के विरूद्ध कार्यवाही कर जेल भेजा गया था। विवेचना के दौरान इनके एक आरोपी साथी की पतासाजी कर पकडा गया जिससे लूट का माल बरामद कर पुछताछ करने पर उपरोक्त घटना क्रम की विस्तृत जानकारी आरोपी के द्वारा दी गई।सभी आरोपियो के विरूद्ध विधिवत कार्यावाही की जा रही है। गिरफ्तार होने वाले में शिवम चोटलिया ऊर्फ मख्खी पिता धर्मेन्द्र चोटलिया उम्र 19 साल साकिन चौबे कालोनी जोरा पारा माँ किराना स्टोर के पास महराजीन बाडा वार्ड नं. 54 थाना सरकण्डा जिला बिलासपुर है वही अन्य आरोपी राजचंदरिया रीवारीव गोडपारा बिलासपुर रितिक गायकवाड पता-गंगाबाई घाट शिवा नगर थाना कोतवाली नागपुर महाराष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

स्वयंसेवक एवं महिलाओं को मशरूम उत्पादन का दिया गया प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर 2022-23 के तहत ग्राम चारभाठा में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र ढोलिया बेमेतरा के तत्वाधान में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से आए वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र कुमार लाखपाले (पादप रोग विभाग) के द्वारा ग्राम की महिलाओं एवं स्वयंसेवकों को मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम. पी. ठाकुर, राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. असित कुमार सम्मिलित हुए। साथ ही साथ कार्यक्रम में अन्य ग्रामीण, कृषि महाविद्यालय के 50 राष्ट्रीय स्वयंसेवकों के साथ डॉ. योगेंद्र कुमार, डॉ. सरिता शर्मा एवं डॉ. नूतन सिंह उपस्थित थे।

15 दिवस के भीतर छोटे भूखंड के पंजीयन पर रोक नहीं हटने पर घेराव की चेतावनी

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

15 दिवस के भीतर छोटे भूखंड के पंजीयन पर रोक हटाने की मांग किया गया है रोक नहीं हटने पर एसडीएम कार्यालय की घेराव चेतावनी दिया गया है इस संबंध में कलेक्टर के नाम के ज्ञापन को अपर कलेक्टर को सौंपा गया है जिसमें मुख्य रूप से तीन मांगे रखी गई है ।बेमेतरा नगर एवं गाँव मे हो रहे अवैध शराब बिक्री कोचियागिरी पर तत्काल रोक, गाँव गाँव में अवैध मुरुम खनन पर तत्काल रोक एवं करने वाले के खिलाफ कार्यवाही, छोटे भूखण्ड की पंजीयन पर रोक को तत्काल हटाये की मांग शामिल हैं इस संबंध में और जानकारी देते हुए बेमेतरा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया है कि छोटे भूखण्डों का पंजीयन रुकने से किसान अपने बेटे बेटियों की शादी नहीं कर पा रहे हैं उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस सरकार बनी है मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने करोड़ों खर्च करके पूरे प्रदेश भर में बड़े-बड़े होर्डिंग पोस्टर छोटे छोटे भूखंडों के लगा कर रखे हैं पर दुर्भाग्य से कांग्रेस के जनप्रतिनिधि हैं और यहां के अधिकारी मुख्यमंत्री की घोषणाओं की धज्जियां उड़ा रहे हैं मुख्यमंत्री से बढ़कर अपने आप को एक यहां के अधिकारी जनप्रतिनिधि समझ रहे हैं क्या कांग्रेस सरकार में कोई अनुशासन है कि नहीं पूर्व सरकार में 5 डिसमिल पंजीयन कराने पर रोक हटा था जिससे हम गरीबों किसानों को सुविधा मिली थी 15 दिवस के भीतर छोटे भूखंडों पर लगे रोक को नहीं हटाया गया तो उग्र आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन सरकार के खिलाफ किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी प्रशासन की होगी ज्ञापन सौंपने के अवसर पर मुख्य रुप से विजय सिन्हा पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका,हर्षवर्धन तिवारी विकास तम्बोली,राकेश मोहन शर्मा,राजेश शर्मा,ललिता साहू जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा लक्ष्मी साहू रीना साहू सावित्री रजक सुमिता यादव योगेश वर्मा गौरव साहू मोनू साहू संजय निषाद रोशन मिश्रा सहिंत नगरवासी पीड़ित लोग उपस्थित रहे।

पूर्व वन मंत्री के सवाल पर वन मंत्री मोहम्मद अकबर का करारा जवाब

गागड़ा पहले बताएं कि टायगर रिजर्व में उन्होंने 229.10 करोड़ रूपये कैसे खर्च किये

पायनियर संवाददाता ◀ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने राज्य सरकार से वर्ष 2019 से 2022 यानी तीन वर्षों में प्रदेश के तीन टायगर रिजर्व में 183.77 करोड़ रूपये खर्च होने पर सवाल उठाये थे। प्रदेश के वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने दस्तावेज जारी कर बताया है कि महेश गागड़ा के कार्यकाल में चार वर्षों में तीन टायगर रिजर्व में 229.10 करोड़ रूपये खर्च किये गये थे। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने पूर्व मंत्री महेश गागड़ा से पूछा है इतनी बड़ी राशि खर्च किये जाने के बावजूद गागढड़ा के कार्यकाल में प्रदेश में बाघों की संख्या 46 से घटकर मात्र 19 क्यों रह गई, इसका जवाब उन्हें देना चाहिए। टायगर रिजर्व पारिस्थितिकीय तंत्र के समेकित संरक्षण एवं विकास के लिये गठित किया जाता है। शाकाहारी वन्य जानवरों एवं अन्य वन्य जीवों के संरक्षण के साथ संपूर्ण पारिस्थितिकीय तंत्र का संरक्षण को प्राथमिकता दी जाती है। टायगर रिजर्व का कोर जोन एवं बफर जोन के तौर पर प्रबंधन किया जाता है। कोर जोन वन्य जानवरों का स्त्रोत क्षेत्र होता है जो बफर क्षेत्र तक विचरण करते हैं। टायगर रिजर्व में प्रमुख रूप से रहवास विकास के अंतर्गत शाकाहारी वन्य जानवरों के लिये उपयुक्त चारागाह क्षेत्र, जल स्त्रोत का संरक्षण एवं विकास कार्य किया जाता है एवं उनके सुरक्षा हेतु पेट्रोलिंग कैम्प निर्माण, वन मार्गों का उन्नयन तथा नियमित गश्ती की जाती है। टायगर रिजर्व के अंदर अभी भी गांव स्थित है, उनका ईको विकास कार्य एवं मवेशियों का टीकाकरण किया जाता है।

टायगर रिजर्व में बाघ ही नहीं अपितु अन्य प्राणी भी रहते हैं

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने वर्तमान सरकार से 183.77 करोड़ रूपये खर्च के बारे में स्थिति स्पष्ट करने कहा था।रायपुर में अपने शासकीय निवास में प्रेस कांफ्रेंस में इसका जवाब देते हुए वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि प्रदेश में तीन टायगर रिजर्व अचानकमार, उदंती-सीतानदी एवं इंद्रावती टायगर रिजर्व है। विगत तीन वर्षों में इन टायगर रिजर्व में मशः 81.98, 32.80 एवं 68.99 करोड़ रूपये खर्च हुए। महेश गागड़ा ने कहा था कि 19 बाघों पर 183.77 5 रूपये खर्च कर दिये गये। इसके बारे में वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा है कि वन मंत्री रहे महेश गागड़ा को इतना तो मालूम रहना चाहिए कि टायगर रिजर्व में केवल बाघ ही नहीं अपितु अन्य प्राणी भी रहते हैं, जिनके लिये समेकित रूप से पारिस्थितिकीय तंत्र का संरक्षण एवं विकास के कार्य किये जाते हैं, जो केवल बाघ के लिये ही नहीं बल्कि सभी प्राणियों के लिये होता है। महेश गागड़ा ने जिसतरह सवाल उठाये हैं उससे स्पष्ट होता है कि वन मंत्री रहने के बावजूद उन्हें टायगर रिजर्व के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है।

तीन वर्षों में जरूरी मद में खर्च की गई राशि

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि प्रदेश के तीनों टायगर रिजर्व में विगत तीन वर्षों में अग्नि सुरक्षा, पेट्रोलिंग, फायर वाचर, टीकाकरण, सूचना प्रोद्योगिकी, डीमार्केशन आदि के कार्यों में 36.04 करोड़, रहवास सुधार, चारागाह विकास, बांस भिर्रा की सफाई, खरपतवार उन्नमूल आदि के कार्यों में 66.34 करोड़, वन्यप्राणियों के पेयजल व्यवस्था हेतु तालाब निर्माण, स्टापडेम, एनीकट, तालाब गहरीकरण, वाटर होल, झिरिया आदि के कार्यों में 63.29 करोड़, निर्माण कार्यों के तहत रपटा, पुलिया, वन मार्ग, पेट्रोलिंग कैम्प, विभिन्न प्रकार के भवन निर्माण में 12.04 करोड़, नैसर्गिक पर्यटन के विकास कार्य में 1.34 करोड़ तथा अन्य कर्मचारी कल्याण सुविधा हेतु राशि रूपये 4.72 करोड़ इस तरह तीन वर्ष में 183.77 करोड़ रूपये व्यय हुआ है। 27 बाघ कम कैसे हो गये। प्रदेश के वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने दस्तावेज जारी कर खुलासा किया है कि पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के कार्यकाल में 2014-15 से 2018-19 तक प्रदेश के तीनों टायगर रिजर्व में 229.10 करोड़ रूपये खर्च किये गये हैं। मोहम्मद अकबर ने महेश गागड़ा से कहा कि वे बताये कि 229.10 करोड़ रूपये की राशि कैसे खर्च कर दी गई। मोहम्मद अकबर ने भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी की गई रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में भारतीय वन्यजीव संस्थान ने छतीसगढ़ तीनों टायगर रिजर्व ने 46 बाघ होने की जानकारी दी थी। जो कि वर्ष 2018 में घटकर 19 रह गई थी। महेश गागड़ा ये बताये कि चार वर्षों के कार्यकाल में 27 बाघ कैसे कम हो गये। मोहम्मद अकबर ने यह कहा है कि महेश गागड़ा ने अपने बयान से खुद ही स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें टायगर रिजर्व के बारे में कोई जानकारी नहीं होने के कारण उन्होंने विभाग को किस तरह चलाया होगा।

KVB Karur Vysya Bank
Smart way to bank

दि करूर वैश्य बैंक लिमिटेड
रायपुर शाखा
ईपीआई सेंटर, निकट यशवन्त हॉस्पिटल,
जीई रोड, तात्यापारा चौक, रायपुर-492001
कॉन्टैक्ट नंबर : 0771-2223355 ई-मेल : raipur@kvbmail.com

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) तथा गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार, दि करूर वैश्य बैंक लिमिटेड के पास बंधक/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्तियां, जिनका प्रलक्षित कब्जा प्रत्याभूत लेनदार, दि करूर वैश्य बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया जा चुका है, प्रत्याभूत लेनदार, दि करूर वैश्य बैंक लिमिटेड की (1) मैसर्स के बी सी इंडस्ट्रीज (कर्जदार), राजेन्द्र भवन, प्रथम तल, निकट राम मंदिर, फाफाडीह, रायपुर-492001 (2) श्री राजेन्द्र कुमार जायसवाल (पार्टनर सह गारंटर), एच एन 9062, रमन मंदिर वार्ड, फाफाडीह रायपुर गंज, बिन्द्रावनगढ़, रायपुर-492009, (3) श्रीमती साधना जायसवाल (पार्टनर सह गारंटर), राजेन्द्र भवन, प्रथम तल, निकट राम मंदिर, फाफाडीह, रायपुर-492001 की तरफ 28-02-2023 तक बकाया राशि रू. 36,31,399.19 (रूपए छत्तीस लाख इकतीस हजार तीन सौ निन्यानवे तथा पैसे उन्नीस मात्र) तथा 01-03-2023 से आगे कानून के अनुसार देय आगे ब्याज की वसूली के लिए दिनांक 26 अप्रैल, 2023 (26-04-2023) को "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएगी।

सम्पत्ति हेतु सुरक्षित मूल्य रू. 87,96,000/- (रूपए तेरह लाख उन्चास हजार मात्र) होगा और सम्पत्ति हेतु धरोहर राशि जमा रू. 8,79,600/- (रूपए एक लाख चौंतीस हजार नौ सौ मात्र) होगी।

अचल सम्पत्ति का वर्णन
सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : वाणिज्यिक भूमि परिमाप 2690 वर्ग फीट और उस पर भवन, स्थित ग्राम -रावतभाठा, पी.सी. नंबर -100, प्लॉट नंबर-डब्ल्यू-2-27, खसरा नंबर 397/1 का भाग, ब्लॉक नंबर 8, डा, खूबचंद बघेल ट्रांसपोर्ट नगर, जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़, जो श्री राजेन्द्र कुमार जायसवाल के नाम पर है।

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया बैंक/प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट में उपलब्ध करवाया गया लिंक नामतः www.kvb.co.in/Property Under Auction और सेवा प्रदाता मैसर्स केनबैंक कम्प्यूटर सर्विस लिमिटेड के वेबपोर्टल में भी उपलब्ध करवाया गया लिंक नामतः www.indianbankseauction.com देखें।

सरफासी ऐक्ट, 2002 के नियम 8(6) के तहत बिक्री हेतु 30 दिन का कानूनी नोटिस

कर्जदार/रों और गारंटर/रों को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उपरिवर्णित बकाया राशि अद्यतन ब्याज और अनुषंगी खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले चुका दें, जिसमें असफल रहने पर, अनुसूची सम्पत्ति नीलाम/बिक्री की जाएगी और शेष बकाया राशि, यदि कोई, ब्याज और लागत सहित वसूल की जाएगी।

तिथि : 18-03-2023
स्थान : रायपुर
प्राधिकृत अधिकारी
दि करूर वैश्य बैंक लिमिटेड

जनदर्शन में कलेक्टर को अपनी समस्याएं बता रहें आमजन, अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण करने के दिए गए हैं निर्देश

कलेक्टर के निर्देश पर मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अंतर्गत हितेश को तत्काल जारी की गई 50 हजार रुपए की अनुदान राशि

■ जनदर्शन में कुल 113 आवेदन हुए प्राप्त

पायनियर संवाददाता जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा जिले के आमनागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं तथा विभागीय कार्यों के लाभ लेने में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उनके समाधान के लिए प्रत्येक सप्ताह के जनदर्शन के माध्यम से लोगो की विभिन्न समस्याओं, मांग आदि को गंभीरतापूर्वक सुना जा रहा है। जिस कारण जिले के विभिन्न दुरूस्थ क्षेत्रों के लोग भी कलेक्टर को निःसंकोच अपनी समस्याएं बता रहें हैं। कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त होने वाले आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को फोन कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए जा रहें है। इसी क्रम में पामगढ़ निवासी हितेश बंजारे कलेक्टर के पास मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अंतर्गत लिए गए ऋण की अनुदान राशि न मिलने की शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अंतर्गत उन्हे 2 लाख रूपये की ऋण स्वीकृति प्राप्त हुई है लेकिन संबंधित विभाग द्वारा उन्हे अब तक अनुदान राशि नहीं दी जा रही है। जिस पर कलेक्टर ने तत्काल उद्योग महाप्रबंधक को फोन कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिस पर उन्हें 50 हजार रूपये की अनुदान राशि तत्काल जारी की गई। कलेक्टर द्वारा सभी विभाग प्रमुखों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं लेटलतीफी ना किये जाने की सख्त हिदायत दी गई है। आज जनदर्शन में कुल 113 आवेदन प्राप्त हुए है। जनदर्शन में जिला हॉकी संघ के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों द्वारा जिले में हॉकी को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से भारतीय खेल संघ (साई) द्वारा स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर खोले जाने की स्वीकृति प्राप्त होने पर कलेक्टर को धन्यवाद दिया। कलेक्टर ने उपस्थित पदाधिकारियों और खिलाडियों को बधाई देते हुए हॉकी के खेल में भी जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी। जनदर्शन में ग्राम बनारी निवासी कृष्ण कुमार धीवर उनकी पैतृक जमीन पर किसी प्रॉपर्टी डीलर द्वारा कब्जा का प्रयास करने का शिकायत लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को जांच कर जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बलौदा विकासखंड के जीवन लाल ग्राम पंचायत रैनपुर में मनरेगा अंतर्गत किए गए कार्य की राशि भुगतान कराए जाने का आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलौदा को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत रैनपुर के सरपंच सुनील दास महंत अपने पंचायत क्षेत्र में जर्जर पंचायत भवन की जगह नया पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान किए जाने का आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने शासन को त्वरित प्रस्ताव भेजे जाने की बात कही। ग्राम पंचायत लछनपुर निवासी हीरालाल सूर्यवंशी अपने आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधार कराए जाने का आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने उनका रिकॉर्ड जांच करते हुए उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विकासखंड अकलतरा के ग्राम खांडे निवासी जमुना प्रसाद पांडेय स्वामित्व योजना अंतर्गत पिछले कई वर्षों से निवासरत जमीन पर आबादी (पट्टा) दिलाए जाने का आवेदन लेकर पहुंचे।

राजेश संभालेंगे अग्रवाल सेवा समिति बिल्हा के अध्यक्ष की कमान, सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए राजेश

विमल अग्रवाल के सर्वश्रेष्ठ कार्यकाल के लिए भी किया समाज बंधुओं ने आभार व्यक्त

पायनियर संवाददाता सक्ति
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश में समाज हित, जनहित, जनसेवा एवं रचनात्मक कार्यों के लिए अग्रणी पहचान स्थापित करने वाली अग्रवाल सेवा समिति बिल्हा ने अपने संगठनात्मक विधि-विधान अनुरूप निर्धारित वर्षों में निर्वाचन की प्रक्रिया के तहत नए सत्र के लिए अध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न करा लिया, जिसमें समाज बंधुओं ने सर्वसम्मति से अग्रवाल सेवा समिति बिल्हा के नए अध्यक्ष के रूप में राजेश अग्रवाल को चुना है, तथा राजेश अग्रवाल पूर्व में अग्रवाल सेवा समिति के सचिव सहित विभिन्न जिम्मेदारियों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं, तथा 31 मार्च 2023 तक विमल अग्रवाल अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे,एवं विमल अग्रवाल के कुशल अध्यक्ष नेतृत्व में भी बिल्हा शहर में जहां समाज के कार्यों को एक नई गति मिली तो वही अग्रवाल सेवा समिति द्वारा संचालित शिक्षा के क्षेत्र में इंग्लिश मीडियम स्कूल एवं अन्य प्रकल्पों को भी सक्रियता के साथ गति मिली एवं अध्यक्ष विमल अग्रवाल ने भी अपने कार्यकाल में जहां समाज के माध्यम से वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया तो वही समाज बंधुओं ने भी उनके साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य किया तथा विमल अग्रवाल ने भी समाज बंधुओं का अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है, एवं अग्रवाल सेवा समिति के अंतर्गत महिला एवं युवा समिति ने भी सदैव कार्यों में बढ़-चढ़कर अपनी सहभागीता की, श्री अग्रवाल सेवा समिति अग्रवाल समाज बिल्हा की आमसभा में आगामी एक अप्रैल से दो वर्ष के लिए नए अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमे चुनाव प्रक्रिया हेतु अशोक अग्रवाल व सुमित को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था, समाज की आमसभा में राजेश अग्रवाल को निर्विरोध नवनियुक्त अध्यक्ष चुना गया, जिनके प्रस्तावक रहे वर्तमान अध्यक्ष विमल अग्रवाल व मनोज मंगल नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन लेकर समाज को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे व बिल्हा अग्रवाल समाज अब और अधिक मजबूत होकर उभरेगा नवीन कार्यकारिणी के साथ ही समाज के लिए भरपूर ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। इसके अलावा समाजहित के कार्य में सदैव सक्रिय भूमिका का निर्वहन ही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी हमारा समाज हमेशा से ही धर्म व परोपकार के कार्यों में आगे रहा है उसे आगे बढ़ाने का कार्य किया जाएगा, वहीं सभी का आभार व्यक्तकरते हुए कहा कि आप सभी लोगों ने मुझपर जो विश्वास व्यक्तकर यह जिम्मेदारी सौपीं है।

22 को धूमधाम से मनाया जाएगा हिंदू नव वर्ष, हिंदू धर्म सेना एवं मातृशक्ति करेंगी संयुक्त आयोजन

पायनियर संवाददाता सक्ति
www.dailypioneer.com

विगत कई वर्षों से हिंदू धर्म सेना और मातृशक्ति द्वारा शक्ति नगर में भव्य शोभा यात्रा बाइक रैली का आयोजन रखा जाता है,इस वर्ष भी नगर को भगवामय करने एवं भगवा ध्वज से सजाने की तैयारी जोर- शोर से चल रही है, जिसके तहत ध्वज निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है इस वर्ष से देखने में यह भी आया है कि विभिन्न संगठन सहित समाज भी भारतीय नव वर्ष के लिए जागरूक हुआ है, हिंदू धर्म सेना एवं हिंदू मातृशक्ति के कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस साल चैत शुक्ल पक्ष प्रतिपदा दिनांक 22 मार्च 2023 को शक्ति नगर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन या जा रहा है, जो प्रातः 10:00 रेलवे स्टेशन के पास स्थित बिजली ऑफिस में अल्पाहार वितरण के साथ प्रारंभ होगी और अग्रसेन चौक तक आएगी आगे चलते हुए नवधा चौक भगवान परशुराम चौक से होते हुए बाजार तक फिर गौरव पथ में दुल्हन साड़ी हॉस्पिटल नटराज होटल होते हुए कचहरी चौक तक आएगी और थाना के पीछे स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा के पाठ और महा आरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा भोजन प्रसाद का वितरण हेतु भंडारा की व्यवस्था की गई है पिछले वर्ष की भांति भी इस वर्ष भी नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए जगह जगह पर शरबत, पानी, चाय बिस्किट, नींबू पानी, जलजीरा पानी की व्यवस्था की गई है एवं बिजली ऑफिस के हनुमान भक्तों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई है संभावना है कि इस वर्ष लगभग 100 गांव से धर्म सेना और मातृशक्ति के कार्यकर्ता हजारों की संख्या में शक्तिनगर में उपस्थित होंगे।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाला फरार आरोपी को बम्हनीडीह पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया

पायनियर संवाददाता जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाला फरार आरोपी को बम्हनीडीह पुलिस ने किया गिरफ्तार। आरोपी जय किशन साहू को भेजा गया न्यायिक अभिरक्षा में प्रकरण में पूर्व में आरोपी रामकिशन साहू एवं राम रतन साहू को गिरफ्तार किया जा चुका है आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि मर्ग के मृतक मनहरण लाल साहू निवासी पोड़ीशंकर की जॉच में मृतक को रामकिशन साहू, रामरतन साहू और जयकिशन साहू निवासी पोड़ीशंकर के द्वारा प्रताड़ित किये जाने से मृतक जहर पीकर आत्महत्या करना पाये जाने से आरोपियो के विरूद्ध अपराध क्रमांक पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी रामकिशन साहू एवं राम रतन साहू निवासी पोड़ीशंकर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है एवं प्रकरण के आरोपी जय किशन साहू उम्र 58 वर्ष निवासी पोड़ीशंकर फरार था जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक जी.एस. राजपुत, सहायक उपनिरीक्षक संतोष बंजारे सहायक उपनिरीक्षक नरेन्द्र शुक्ला प्राधान आरक्षक यशवंत वर्मा एवं आर पुनेश्वर आजाद, लक्ष्मी नारायण कश्यप एवं अमीर पैकरा का सराहनीय योगदान रहा।

जामविरा में रैरूमा पुलिस ने चलित थाना लगाकर अपराधों से किया गया जागरूक

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के दिशा निर्देशन पर पुलिस चौकी रैरूमाखुर्द प्रभारी उप निरीक्षक मान कुंवर द्वारा अपने स्टाफके साथ कल ग्राम जामविरा में गाँव के समस्या निवारण के लिए चलित थाना लगाया गया जिसमें काफी संख्या में गांव की महिलाएं और पुरूष उपस्थित थे। चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस चलित थाना के माध्यम से लोगों में कानून के प्रति जागरूकता लाने और अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से लगाये जा रहे हैं। चलित थाने में चौकी प्रभारी द्वारा गांव के प्रमुख व्यक्तियों से गांव की समस्याओं पर चर्चा किया गया तथा उपस्थित महिलाओं को गांव में शराब बंदी के लिए प्रेरित किया गया। चौकी प्रभारी द्वारा विशेषकर महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारी, महिला सुरक्षा संबंधी अभिव्यक्ति ऐप, साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए बताया कि बैंक खाते से जुड़े मोबाइल पर आने वाले ओटीपी नंबर किसी भी अनजान व्यक्ति को ना बताएं, एटीएम कार्ड के उपयोग सावधानी बरते, अपने निजी जानकारी जैसे एटीएम पासवर्ड आधार कार्ड के नंबर, ओटीपी किसी को ना बताएं, मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें। चौकी प्रभारी द्वारा गांव में फेरी के बहाने सुने मकानों को रेकी करने वालों से सतर्क रहने और ऐसे व्यक्तियों के देखे जाने पर चौकी में सूचना देने कहा गया है।

पटाखा गोदाम में पुलिस का छापा करीब 50 हजार रूपये के पटाखे जब्त

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

बीते शाम थाना चक्रधरनगर आवासीय क्षेत्र पक्की खोली सिंधी कालोनी में एक व्यक्ति खतरनाक तरीके से अपने घर के पास गोदाम बनाकर लाखों के पटाखों का भंडारण कर बिक्री किये जाने की सूचना पर संयुक्त टीम ने छापेमारी कर गोदाम से करीब पचास हजार रूपये मूल्य का अवैध पटाखा जब्त किया है। इस मामले में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मिला जिसकी तस्दीकी करने का निर्देश एडिशनल एसपी संजय महादेवा द्वारा थाना चक्रधरनगर एवं सायबर सेल को निर्देश दिया गया। पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध पटाखा भंडारण का भंडाफोड़ करते हुए मकान व गोदाम मालिक लक्ष्मण दास जय सिंह को हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा लक्ष्मण दास जय सिंह को पटाखा संग्रहण करने के कागजात पेश करने को कहने पर उसने कोई दस्तावेज नहीं होना बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कार्टूनों में रखे प्रकार विभिन्न के पटाखे कुल कीमती करीबन 50,000 रूपये का जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है।

आरोपी लक्ष्मण दास जय सिंह पिता किशन सिंह उम्र 45 वर्ष साकिन पक्की खोली सिंधी कालोनी के कृत्य पर थाना चक्रधरनगर में धारा 9 (ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया है। छापेमार कार्यवाही में थाना चक्रधरनगर और साइबर सेल स्टाफ की प्रमुख भूमिका रही है।

अभिव्यक्ति जागरूकता के समापन कार्यक्रम में महिला शिक्षक स्वच्छता दीदी और कई कामकाजी युवतियों का सम्मान

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

प्रारंभ किये गये अभिव्यक्ति जागरूकता कार्यक्रम का पुलिस सामुदायिक भवन में समापन कार्यक्रम रखा गया था। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रायगढ़ महापौर जानकी काटजू, नेता प्रतिपक्ष पूनम सोलंकी के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. आर.पी. भैया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ संजय महादेवा, नगर पुलिस अधीक्षक रायगढ़ अभिनव उपाध्याय, रक्षा टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक मंजु मिश्रा, समाजसेवी कविता बेरीवाल, थानों के महिला पुलिसकर्मी, स्कूलों के शिक्षकगण, स्कूली छात्राएं उपस्थिति थी। कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं ने उपस्थित महिलाओं व बच्चों को सकारात्मक सोच व विश्वास से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रमों के आयोजन को महिला सशक्तिकरण को बढावा देना बताया । पुलिस अधिकारियों ने बताया की बदलते समाज ने ये माना है कि महिला और पुरुष समाज के दो बराबर के धुरी हैं। धीरे-धीरे समाज में जागरूकता आ रही है, शिक्षा का महत्व समझा जा रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आ रही है, महिलाओं का विकास ही समाज और देश को उन्नति की ओर ले जाएगा। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिये शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकगण, हमारे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने वाली स्वच्छता दीदीयां तथा शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने वाली युवतियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिन्हें भी अतिथियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया। जिला पुलिस की ओर से पुलिस अधिकारियों ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किये। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन प्रिंसिपल डेनियल सर ने किया, कार्यक्रम में पुलिस कालोनी व वार्डवासियों की अच्छी संख्या में उपस्थिति थी।

रोजगार दफ्तरों में उमड़ी भीड़, रोजगार शिविर में पंजीयन कराने परेशान हुए बेरोजगार

■ नंदेलीभाटा स्थित मिनी आईटीआई दफ्तर में अव्यवस्था के आलम से लगा सवालिया निशान

पायनियर संवाददाता सक्ति
www.dailypioneer.com

शहर के नंदेलीभाटा स्थित मिनी आईटीआई कार्यालय में अस्थाई रूप से विगत वर्षों से संचालित रोजगार दफ्तर में जिसमें की प्रतिमाह एक निर्धारित तिथि में रोजगार पंजीयन का शिविर लगाया जाता है, जिसमें यह शिविर आयोजित था एवं विगत दिनों छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने राज्य के बेरोजगारों को 2500/-रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है, तथा बेरोजगारी भत्ता की घोषणा होते ही शिक्षित बेरोजगारो में पंजीयन कराने काफी उत्सुकता है, तथा शक्ति के रोजगार कार्यालय में उमड़ी भीड़ को देख रोजगार विभाग ने कोई व्यवस्था नहीं की तथा जो लोग रोजगार पंजीयन कराने पहुंचे उन्हें यह कहा गया कि आप पहले सीएससी सेंटर जाकर ऑनलाइन पंजीयन करवाएं उसके बाद आए, जिससे बेरोजगारों में भी काफी आक्रोश देखा गया तथा बिना किसी व्यवस्था के कड़ी धूप में ही खड़े होकर लोग लंबी लाइनों में लगे रहे, किंतु रोजगार विभाग को इसकी चिंता नहीं थी तथा शक्ति के रोजगार कार्यालय में पंजीयन करवाने पहुंचे बेरोजगारों ने बताया कि वे कई घंटों से लाइन में लगे हुए हैं तथा उन्हें विभाग के कर्मचारियों द्वारा घुमाया जा रहा है एवं उनकी मांग है कि शक्ति जिला बन चुका है एवं रोजगार पंजीयन की समुचित व्यवस्था की जाए तथा यहां आने वाले लोगों के लिए रोजगार पंजीयन के प्रारंभिक पंजीयन की भी व्यवस्था हो,उल्लेखित हो की शक्ति के मिनी आईटीआई में रोजगार पंजीयन शिविर में जो की प्रतिमाह में सिर्फ 1 दिन ही लगता है, इसमें नवयुवक परेशान होते देखे जाते हैं ना ही किसी भी प्रकार की यहां बैठक व्यवस्था है, ना हीं लोगों को पीने का पानी मुहैया हो पता,और ना हीं यहां लोगों के लिए आवश्यकता अनुरूप महिला एवं पुरुष प्रसाधन की कोई व्यवस्था की गई है जिसके चलते छात्राओं को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, किंतु प्रशासन की को इसकी कतई चिंता नहीं है तथा उमड़ी बेरोजगारी की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन को तत्काल इसकी ठोस व्यवस्था बनानी चाहिऐ।

रामनवमी पर शोभायात्रा को लेकर हुई बैठक, सर्व समाज के लोग हुए शामिल

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

रामनवमी शोभायात्रा को लेकर सर्व हिन्दू समाज की बैठक स्थानीय अग्रसेन भवन में रखी गयी थी। बैठक में सैकड़ों रामभक्त सर्व हिन्दू समाज से उपस्थित हुए रामनवमी को लेकर सर्व हिन्दू समाज की यह पहली बैठक थी। विदित हो कि रामनवमी रायगढ़ शहर में एक त्यौहार के रूप में मनाया जाता है पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है 60 से अधिक हिन्दू समाज के रामभक्त उक्त शोभायात्रा में सम्मिलित होते हैं सर्व हिन्दू समाज के रामभक्त जय श्री राम का उद्घोष करते हुए इस शोभायात्रा को सफ्ल बनाते हैं।

आज शोभायात्रा को सफ्ल बनाने हेतु सर्व हिन्दू समाज की बैठक रखी गयी थी। उक्त बैठक सभी समाज के लोंगो ने अपनी इस वर्ष की तैयारी के बारे में जानकारी दी। सभी समाज के स्वागत द्वार विभिन्न चौक चौराहे पर लगाये जायेंगे तथा 60 से अधिक झाकियां उक्त शोभायात्रा में विभिन्न सामाजिक और युवा संगठनों के द्वारा सम्मिलित रहेंगें।

लाठी से पीट-पीटकर ग्रामीण की हत्या, पेड़ से गिरने का हवाला देकर पुलिस को किया गुमराह

रायगढ़. वनांचल क्षेत्र लैलूंगा के ग्राम सलखिया घियारमुडा में एक ग्रामीण को डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने और पुलिस को गुमराह करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। जिस पर आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

शासकीय अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में हो रहा बेहतर

सरकारी जिला अस्पताल में सफल सिजेरियन ऑपरेशन से हुए जुड़वा बच्चे

■ 1500 संस्थागत प्रसव के साथ ही 38 सिजेरियन ऑपरेशन भी हो चुके हैं अस्पताल मे

पायनियर संवाददाता सक्ति
www.dailypioneer.com

नवगठित शक्ति जिले की कलेक्टर आईएस नूपुर राशि पन्ना एवं जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सूरज राठौर की मेहनत रंग लाने लगी है, शहर के शासकीय जिला अस्पताल में जहां आम नागरिकों को डिलीवरी के दौरान ऑपरेशन की भी बेहतर सुविधाएं मिलना प्रारंभ हो गई है, तो वही 18 मार्च को सक्ती स्थित मातृत्व एवं शिशु अस्पताल में सफल सिजेरियन ऑपरेशन से जुड़वा बच्चों की डिलीवरी कराई गई, अस्पताल प्रबंधन से प्राप्त जानकारी अनुसार सुवाडेरा निवासी गर्भवती माता हाई रिस्क प्रेगनेंसी के रूप चिन्हाकित किया जा चुका था तथा स्वास्थ्य विभाग के कमर्चारी लगातार इस गर्भवती माता का प्रसव पूर्व जांच कर रहे थे ताकि गर्भवती माता को किसी भी तरह का खतरा न हो और 18 मार्च को गर्भस्थ शिशु के ब्रीच प्रेजेंटेशन में आ जाने से प्रसव जटिल हो गया तथा सिजेरियन ऑपरेशन की आवस्यकता हेतु हायरिंग एनस्थेटिक चिकित्सक तत्काल बुलाकर सफल सिजेरियन ऑपरेशन किया गया और जुड़वा बच्चों की सुरक्षित डिलिवरी कराई गई दोनो नवजात शिशु तथा माता पूर्ण स्वस्थ्य हैं गर्भस्थ जुड़वा शिशु पहला 2 तथा दूसरा 2 वजन के हैं,विगत तीन महीने में सक्ती जिला प्रशासन के प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधा में सुधार आने लगा है,पिछ्ले तीन महीने में सक्ती जिले में 1500 संस्थागत प्रसव हुए हैं तथा एमसीएच अस्पताल सक्ती में 38 सिजेरियन ऑपरेशन 122 महिला नसबंदी ऑपरेशन हुए हैं। आम जनों को अब प्रसव हेतु जिले के बाहर के शासकीय और निजी अस्पतालों निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है हालाकि जिला मुख्यालय सक्ती में स्थित मातृत्व एवं शिशु अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन, एनेस्थिटिक चिकित्सक और ब्लड बैंक के अभाव में कुछ हाई रिस्क प्रेगनेंसी केसेस को बाहर रेफर जाना पड़ रहा है,इस समस्या के निदान के लिए जिला स्वास्थ्य समिति प्रायसरत है

एनटीपीसी सीपत ने किया विद्यालयों में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ सीपत
www.dailypioneer.com

एनटीपीसी सीपत द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत दिनांक 20 मार्च 2023 को ग्राम दरार्भाठा के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ विवेक चन्द्र, उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा डॉ. बैजयन्ती प्रधान, वरिष्ठ चिकित्सक एनटीपीसी सीपत तथा अन्य अधिकारियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में फीता काटकर किया गया।

शिविर की शुरुवात में विद्यार्थियों का नेत्र जाँच कर उचित परामर्श प्रदान किया गया। नेत्र जाँच के उपरांत जिन्हें दृष्टि दोष है उन्हें चश्मे उपलब्ध कराई जाएगी। जिन विद्यार्थियों की आँखों में अन्य समस्या है उन्हें सीएसआर विभाग द्वारा आईड्राप किट प्रदान किया गया। इस शिविर का आयोजन एनटीपीसी चिकित्सालय सीपत एवं एनजीओ मदन लाल जुनेजा, मेमोरियल नैथरथ सोसायटी के सौजन्य से किया गया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को आँखों की समुचित देखभाल, सुरक्षा एवं रोशनी बढ़ाने के लिए उचित पोषक तत्वों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस शिविर से शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय दरार्भांठा के लगभग 261 विद्यार्थियों लाभान्वित हुए। इस अवसर पर रेशम लाल धृतलहरे एवं शिव कुमार कुंभकार प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय दरार्भांठा उपस्थित रहे।

सौ से अधिक विप्रजन सपरिवार शामिल हुए मां गंगा विप्र कल्याण संघ के होली मिलन कार्यक्रम में

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मां गंगा विप्र कल्याण संघ के रायपुर इकाई द्वारा पांचवे वर्ष विप्र परिवार होली मिलन समारोह का आयोजन रविवार तेलीबांधा शताब्दी नगर के शिव मंदिर गार्डन में किया गया। उक्त समारोह में 100 से अधिक विप्र सपरिवार शामिल हुए। मीडिया प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया की कार्य म के संरक्षक महंत वेद प्रकाश जी के समक्ष भगवान परशुराम जी की पूजा और आरती हुई। उसके उपरांत पूर्वांचल मानस मंडली के विप्र भाइयों द्वारा मधुर संगीत के साथ फाग, भक्ति गीत गाया गया। इस मधुर बेला को श्याम जी के भजन के साथ फूलों के पंखुड़ियों से होली खेले कर मथुरा की होली को जीने की कोशिश की गई। इस तारतम्य को मां गंगा विप्र परिवार की बहनों ने अपने भजन और फाग गीत से अलौकिक अनुभूति कराया। इस अनुपम बेला में ईश्वर ने भी अपनी उपस्थिति बारिश के साथ दर्ज करायी,इस रंगारंग कार्य म में विप्र समाज के गणमान्य नागरिक शामिल हुए, नए सदस्यों का परिचय कराया गया। संगठन में नए सदस्यों और उसे मजबूत बनाने में सहयोग प्रदान करनेवाले सदस्यों का सम्मान भी किया गया।

पाकुरकाल में सिविक एक्शन प्रोग्राम व मेडिकल कैंप का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ सुकमा
www.dailypioneer.com

गांव पाकुरकाल में सिविक एक्शन प्रोग्राम व मेडिकल कैंप का आयोजन 132 बटालियन सीमा सुरक्षा बल के द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जी बी एस भट्टी कार्यवाहक कमांडेंट द्वारा , गांव अकमेता सरपंच फूलमनी तिर्की, गांव अकमेता के पटेल जोगेश्वर नायक, जग्गा राम कवाची, पटेल,गांव पाकुरकाल, के द्वारा फीता काटकर शुभ आरंभ किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान गांव वाला का जरूरत का सामान वितरित की जाने वाली सामग्री में मुख्यत सीन टैक्स, पतीला, कंबल,चटाई साड़ी, लूंगी, धोती, गमछा, पम्प मशीन, सोलर लाइट, चप्पल, बच्चे के लिए स्टेशनरी का सामान, ट्रैकसूट, खेलकूद का सामान जैसे फुटबॉल, वालीबाल क्रिकेट बैट, टेनिस बॉल ,बैडमिंटन रैकेट, सेटल का वितरित किया गया। इसके साथ ही आसपास के गांव के बीमार व्यक्तियों के लिए मेडिकल कैंप से फ्री में इलाज तथा दवाइयों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान जी बी एस भट्टी, द्वितीय कमान अधिकारी, नीरज कुमार, उप कमांडर, बी एम जोशी, उप कमांडेंट, डॉ बोबालन विनी जोन्स जे, चिकित्सा अधिकारी। राजू राम, सहायक कमान्डेंट , कम्पनी कमांडर , सी ओ बी मारबेरा। उप निरक्षक नरेंद्र सिंह, सामान्य शाखा, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, सतर्क शाखा, सीमांत मुखालय भिलाई, छत्तीसगढ़।विजय लाल तिर्की , सरिता केरकेट्टा, जनपत सदस्य,रंजू राम उसेंडी, टीचर प्राथमिक विद्यालय अकमेटा, दुवारिका टीचर, प्राथमिक विद्यालय अकमेटा, रामजी मार्गिया, हेड मास्टर, मरबेरा स्कूल, सौदागर चौहान,टीचर, प्रथमिक विध्यालय, पाकुरकल, आसपास के ग्राम जैसे घोराघाट, बेलोरा, जोनावर, मरबेरा, अकमेता , रेंगावाही , के गांव वासियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चे महिलाएं बुजुर्ग सहित लगभग 680 लोगों ने हिस्सा लिया और साथी सभी को दोपहर का भोजन भी करवाया।

सूरजपुर के डॉ. अविनाश के साथ हुई बर्बरता से आहत

■ जशपुर जिला अस्पताल के चिकित्सकों का आंदोलन

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

जिला अस्पताल जशपुर में डॉ.भूपेश भगत के नेतृत्व में जिला चिकित्सालय जशपुर के सभी चिकित्सक सीआईडीए के आह्वान पर सोमवार को एक दिन ऐच्छिक अवकाश लेकर सूरजपुर जिला अस्पताल में डॉ.अनीश कुमार के साथ हुए बर्बरता के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था चालू रही।

कड़ी सुरक्षा की मांग - चिकित्सकों के साथ हो रही बर्बरता को ध्यान में रखते हुए चिकित्सक संघ ने सुरक्षा के लिए रिवाल्वर का लाइसेंस और रिवाल्वर देने की भी मांग की है। दरअसल चिकित्सकों के साथ मारपीट की घटनाएं आम होती जा रही है, और पुलिस की कार्यवाई इस मामले में असंतोष जनक है। सूरजपुर में हुई घटना के आरोपी को चेक लिस्ट के मुताबिक छोड़ देने से चिकित्सक संघ में रोष है।

हरिचांद आश्रम में विधायक नाग ने टेका माथा, 3 लाख के शेड का किया लोकार्पण

पायनियर संवाददाता ➤ पखांजूर
www.dailypioneer.com

अंतागढ़ विधायक अनूप नाग सोमवार को एक दिवसीय परलकोट दौरे पर नगर पंचायत पखांजूर में स्थित श्रीश्री हरिचांद आश्रम पहुंचे। उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की और 3 लाख रुपए की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण एवं 5 लाख रुपए से सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन किए । विधायक ने मंदिर प्रांगण में आयोजित सभा को संबोधित किया। उन्होंने श्रीश्री हरिचांद ठाकुर के विचारों को श्रेष्ठ भारत के मूल्यों को सशक्त करने वाला बताया। उन्होंने कहा हमारी संस्कृति और सभ्यता महान इसलिए है, क्योंकि इसमें निरंतरता है। ये प्रवाहमान है, इसमें खुद को सशक्त करने की एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है। मतुआ समुदाय के लोगों के सामाजिक कार्यों का जिक्र करते हुए विधायक ने स्वच्छता, स्वास्थ्य और बेटियों को आत्मविश्वास प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों का जिक्र किया। विधायक ने कहा जब हम समाज के हर क्षेत्र में हमारी बहनों और बेटियों को बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के विकास में योगदान देते देखते हैं, तब लगता है कि हम सही मायने में श्री श्री हरिचंद ठाकुर जैसी महान विभूतियों का सम्मान कर रहे हैं। इस दौरान विधायक नाग से श्रद्धालुओं द्वारा सार्वजनिक शौचालय की मांग रखी गई । विधायक नाग ने भी सभी के आस्था एवं समस्या को देखते हुए सार्वजनिक शौचालय निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की ।

इनकी रही मौजूदगी

नगर पंचायत अध्यक्ष बप्पा गांगुली, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पंकज साहा, आध्यात्मिक गुरु रवि गोसाई, अमल बड़ाई, सूरज विस्वास, नीरू ढाली, रतन राय, सुधीन अधिकारी, निर्मल मंडल, हर्षित मृधा समेत भारी संख्या में भक्त गण मौजूद थे ।

आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ 23 देशों में

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत के सबसे बड़े फाईनेंशल सर्विसेज़ समूहों में से एक आईआईएफएल ग्रुप का उद्देश्य 2 अप्रैल, 2023 को भारत के 65 शहरों और 23 देशों में हो रही आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ में गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम अंकित कराना है। शांति और अहिंसा के लिए होने वाली यह इस तरह की सबसे बड़ी दौड़ है। इस दौड़ का आयोजन जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाईज़ेशन) की महिला विंग और आईआईएफएल के अलावा जीतो के स्वयंसेवियों एवं पूरे विश्व में शांति और अहिंसा के समर्थकों द्वारा किया जा रहा है। आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ में भाग लेने के लिए पंजीकरण https://ahimsarun.com/ पर कराया जा सकता है। पंजीकरण का लिंक 17 मार्च, 2023 को खुलेगा। आप किस देश और किस शहर में हो रही दौड़ में हिस्सा लेना चाहते हैं, यह विकल्प चुनने का अवसर भी आपको मिलेगा। आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ का उद्देश्य लड़ाई रोकने और एक बेहतर दुनिया बनाने की जागरुकता बढ़ाना तथा हमारे चारों ओर नफरत को हराकर शांति और अहिंसा स्थापित करना है।

अमेजन पे : आपके हर दिन की भुगतान संबंधी जरूरतों का समाधान

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

अमेजन पे आपकी सभी भुगतान संबंधी जरूरतों के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है। ऑटोमोबाइल बीमा खरीदना हो, यूटिलिटी बिल का भुगतान करना हो, रेस्टोरेंट में पेमेंट करना हो, या फिर रिचार्ज से लेकर मनी ट्रांसफर तक जो कुछ भी करना हो, अमेजन पे आपकी सभी जरूरतों को पूरा करता है। इस झंझटमुक्त सुविधा को अपनाएं और अमेजन पे के साथ ए से जेड तक किसी भी चीज़ का भुगतान करें। निपटाइये वित्तीय कामः जहां वित्तीय वर्ष 2022-23 खत्म होने ही वाला है, अमेजन पे के साथ, ग्राहक बहुत ही आसानी से अपने टैक्स और सेविंग से जुड़े निवेश कर सकते हैं। ग्राहक इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं। इसके तहत पुरानी आयकर व्यवस्था की धारा 80सी के अंतर्गत छूट प्राप्त होती है। इसके अलावा, अमेजन पे यूपीआई के साथ बहुत आसानी से और सुरक्षित रूप से म्यूचुअल फंड और बीमा प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं। यूपीआई की सुविधा के साथ अब आपके लिए निवेश करना भी आसान हो गया है। ग्राहक बिना कागजी कार्रवाई के साथ सिर्फ दो मिनट से भी कम समय में दो या चार पहिया वाहनों के लिए मोटर इंश्योरेंस खरीद सकते हैं।

इस्कॉन मंदिर के महापुष्पोत्सव में पहुंचे सुशील सन्नी अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के सुंदर नगर रायपुर के इस्कॉन मंदिर सेंटर में चैतन्य महाप्रभु जी के प्राकट्य दिवस के अवसर पर इस्कॉन मंदिर के यूथ फोरम के द्वारा महा पुष्पोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर छत्तीसगढ़ भवन एवम अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के माननीय अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल जी भगवान कृष्ण से आशीर्वाद लेने पहुंचे।

अग्रवाल ने चैतन्य महाप्रभु का पूजा अर्चना किए और समस्त प्रदेश वासियों की खुशहाली के लिए प्रार्थना कर प्रवचन का श्रवण किए। इस अवसर पर कमलेश नथवानी जी, सचिन शर्मा जी, सागर वाकडे जी, इस्कॉन मंदिर के समस्त सदस्यगण एवम विशाल संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया अपना पहला रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायनितिन गडकरी द्वारा उद्घाटित इस विश्व-स्तरीय फैसिलिटी में प्रति वर्ष 15,000 वाहनों की क्षमता है भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता, टाटा मोटर्स ने आज जयपुर, राजस्थान में अपना पहला रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (आरवीएसएफ), Re.Wi.Re - रीसायकल विद रेस्पेक्ट (सम्मान के साथ पुनर्चक्रण) का शुभारंभ किया। यह सस्टेनेबल मोबिलिटी की दिशा में टाटा मोटर्स की वचनबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। माननीय केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने इस अत्याधुनिक फैसिलिटी का उदघाटन किया। इसकी क्षमता प्रति वर्ष 15,000 वाहनों की है और यहाँ कालातीत (जिन वाहनों का समय पूरा हो चुका है)वाहनों के सुरक्षित और संवहनीय विघटन के लिए विष-स्तरीय, पर्यावरण-हितैषी पद्धतियों को लागू किया गया है। इसका विकास और परिचालन टाटा मोटर्स के पार्टनर गंगानगर वाहन द्वारा किया जा रहा है, और यहाँ सभी ब्रांड के यात्री और वाणिज्यिक कालातीत वाहनों को स्क्रैप करने की अत्याधुनिक व्यवस्था है। टाटा मोटर के प्रथम Re.Wi.Re आरवीएसएफ का उदघाटन करते हुए, भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने कहा कि, 'राष्ट्रीय वाहन स्क्रैपिंग नीति को बेकार और प्रदूषक वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाने के लिए एक परितंत्र के निर्माण के द्वारा चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने

भूमि संरक्षण के लिए तैयार 'कवीर किसान'

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ एग्रीकॉन समिति, रायपुर और कॉमनलैंड, (नीदरलैंड्स) ने Central Highlands Restoration Project (CHiRP) के हिस्से के रूप में कबीरधाम जिले के कवर्धा और पंडरिया विकासखंड में भूमि को पुनः पहले जैसा करने के लक्ष्य से एक नई परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का उद्देश्य, घटती भूजल स्तर, कम होती मिट्टी की गुणवत्ता और कम होती फसल की गुणवत्ता जैसी अनेक समस्याओं से निपटना है। इस परियोजना को शुरू करने के लिए, कवर्धा ब्लॉक के खैरिपार, डौजरी, नौदिह, जरती, दशरंगपुर खुर्द और पंडारिया ब्लॉक के माहली, पाउनी, बंधा, बनिया कुवा और डोमसरा में 14 मार्च से 19 मार्च तक गांव स्तर की बैठकें आयोजित की गईं। इस पहल का उद्घाटन गांवों के सरपंच, पंच वार्ड सदस्यों और अन्य वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं की मौजूदगी में किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा गया कि- भूमि के विकास की ओर इस पहल के लिए हर ग्राम में 10 किसानो का समूह बनाया जाएगा जो ÷कवीर किसान÷ कहलाएंगे, जिनको अलग-अलग फसलों, मिट्टी पानी, खाद इत्यादि विषय में विशेषज्ञो से प्रशिक्षण प्राप्त होगा, ये ÷कवीर किसान÷ पहले खुद अपने खेतों में प्रयोग करेगें, सीखी हुई तकनीकें अपनाएंगे फिर अन्य ग्रामीण लोगों को प्रशिक्षित करेगें 7इस ग्राम स्तरीय बैठक में ही 'कवीर किसान' का चयन कर पंजीयन भी किया गया। इसके साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर कवीर स्वयंसेवी का चयन किया जायेगा जो अपनी इच्छा से गाँव के विकास के लिए पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण और बाल विकास एवं स्वास्थ्य जैसे मुद्दों में, अपने कार्यों से थोडा समय निकाल कर कार्य करेंगे।

शिवम एजुकेशनल एकेडमी के परीक्षा परिणाम घोषित

रायपुर। शिवम एजुकेशनल एकेडमी, सत्यम विहार शाखा में 18 मार्च को शाला के विभिन्न कक्षा स्तरों के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित हुए, साथ ही वार्षिक विज्ञान मॉडल प्रदर्षनी भी सपन्न हुआ। पिछले सत्र के उत्कृष्टता प्राप्त छात्रों को पारितोषिक वितरित करते हुए विदा किया गया। पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण डॉ. एस.के. पाण्डेय (पूर्व कुलपति रविवि रायपुर) और डॉ. अजित कुमार, नीलिमा मिश्रा, पूर्वा पाण्डेय तथा शाला प्राचार्य के हाथों सपन्न हुआ। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा अगले सत्र के लिए पूरे हर्षोल्लास व जोष के साथ नए सत्र में उपस्थित होने का आग्रह किया गया।

एपीएल अपोलो फाउंडेशन ने सिमगा तहसील, बलौदा बाजार - भाटापारा में साइटसेवर्स इंडिया के साथ मेगा आई कैंप- जीवन ज्योति 1.0 का आयोजन

केसदा, रिंगनी और नेवधा के 100 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया और स्क्रीनिंग की

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

एपीएल अपोलो ग्रुप की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) शाखा एपीएल अपोलो फाउंडेशन ने 17 मार्च 2023 को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर केस्डा, विकासखंड सिमगा, जिला में साइटसेवर्स इंडिया के साथ जीवन ज्योति 1.0 मेगा आई केयर कैंप का आयोजन किया। बलौदा बाजार - भाटापारा।

नेत्र स्वास्थ्य विभिन्न देशों में वैश्विक स्वास्थ्य और विकास का मुद्दा है, क्योंकि यह मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग आबादी के बीच जीवन की गुणवत्ता और उत्तरजीविता प्रत्याशा से जुड़ा है। आज विश्व स्तर पर 2.2 अरब लोग या एक तिहाई आबादी दृष्टि दोष और अंधेपन से प्रभावित है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए 2030 एजेंडा में नेत्र स्वास्थ्य भी एक आवश्यक योगदान देता है,और एपीएल अपोलो फाउंडेशन, साइटसेवर्स इंडिया के सहयोग से, स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने और अच्छी तरह से बढ़ावा देने के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए सम्मानित है। किरण ध्रुव, सरपंच, केसदा गांव, जिला बलौदा बाजार - भाटापारा के अनुसार, - 'भारत में लाखों लोग जागरुकता और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता की कमी के कारण अंधे हो जाते हैं। जबकि अंधापन घातक नहीं है, यह अभी भी गरीबी में एक प्रमुख योगदानकर्ता है क्योंकि वह अवसरों को खोने के लिए सबसे कमजोर हो जाता है। नेत्र स्वास्थ्य इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने गांवों में नेत्र देखभाल सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करें। रामदुलारी कश्यप, सरपंच, रिंगनी गांव, जिला बलौदा बाजार - भाटापारा ने कहा, - 'इस समुदाय के लोगों के लिए मेरा संदेश है कि साल में कम से कम एक बार अपनी आंखों की जांच कराएं। आंखों के स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, मैं साइटसेवर्स इंडिया के सहयोग से इस मेगा आई कैंप के आयोजन पर एपीएल अपोलो बिल्डिंग और एपीएल अपोलो फाउंडेशन के प्रयासों को बधाई देता हूं। इस तरह की पहल से यह सुनिश्चित होगा कि ग्रामीण लोगों को आंखों की उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सही सहायता और सहायता प्रदान की जाती है। अनिल मित्तल, सीईओ, एपीएल अपोलो बिल्डिंग प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, ने कहा - अंधत्व को रोकने से शिक्षा, रोजगार और समृद्धि तक पहुंच बढ़ती है और जीवन के सभी क्षेत्रों में अधिक भागीदारी को सक्षम बनाता है। इस प्रकार नेत्र देखभाल सेवाओं तक पहुंच विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

स्मार्ट बाजार ने रायगढ़ में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

स्मार्ट बाजार, रिलायंस रिटेल के बड़े प्रारूप वाले सुपरमार्केट ने रायगढ़ के शाह कॉम्प्लेक्स, ट्रैफिक पुलिस कार्यालय के पास, गौशाला रोड, दरोगापारा में अपना नया स्टोर लॉन्च किया है। स्टोर किराने, फलों और सब्जियों, डेयरी से लेकर बरतन, होमवेयर, परिधान, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स आदि से लेकर एक ही छत के नीचे उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके वन-स्टॉप खरीदारी का अनुभव प्रदान करता है। इस स्टोर के लॉन्च के साथ, स्मार्ट बाजार के रायगढ़ में अब दो स्टोर हो गए हैं। 15,000 वर्ग फुट से अधिक के विशाल शॉपिंग स्पेस में निर्मित, स्मार्ट बाजार को ग्राहकों को बड़ी बचत और बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ग्राहकों को एक ही छत के नीचे दैनिक आवश्यक वस्तुओं जैसे किराने का सामान, डेयरी उत्पाद, फल और सब्जियों से लेकर विशेष वस्तुओं और उपयोगिताओं जैसे होमवेयर, किचनवेयर, फुटवियर, परिधान और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर उत्पादों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है। यह ग्राहकों को एमआरपी पर 5त्न तक की छूट और विशेष मौसमी ऑफर के साथ साल भर बचत के शानदार अवसर भी प्रदान करता है। स्टोर में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ, पर्सनल केयर, हेल्थकेयर, हाइजीन, फैब्रिक, होमकेयर और होम डेकोर जैसी श्रेणियों के ढेर सारे ब्रांड आकर्षक ऑफर्स पर उपलब्ध हैं।

तेजी से बढ़ेगा पारा, महीने के आखिर में 40 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

खुल गया मौसम : बारिश से फसल को क्षति का अनुमान लगाय जा रहा

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

दो दिनों तक मध्यम से तेज बारिश के दौर के बाद सोमवार को मौसम खुल गया। पूरा दिन धूप खिली रही। इसके साथ ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते पारा लुढ़क गया था लेकिन सोमवार से मौसम सामान्य होने लगा है।

पश्चिमी विक्षोभ और द्रोणिका के असर से हुई बेमौसम बारिश ने रबि फसलों, सब्जियों को नुकसान पहुंचाया है। किसान इसके लिए तत्काल सर्वे की और राहत की मांग कर रहे हैं। चने की फसल को खासा नुकसान होने की आशंका है। जिला प्रशासन भी आंकलन के लिए तैयारियां कर रहा है। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अब सिस्टम बदलते ही गर्मी फिर बढ़ने लगेगी। तापमान में बढ़ोतरी का ट्रेंड फिर शुरू हो जाएगा। मार्च के अंतिम सप्ताह में भीषण गर्मी की स्थिति बन सकती है। संभावना है कि तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। सोमवार को दिन में अधिकतम तापमान 32 डिग्री रहा। वहीं रात को अनुमानित न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहने की संभावना है। अब मार्च के आखिरी पड़ाव में दिन ब दिन गर्मी बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं। राते भी काफी गर्म हो सकती है।

दुकानें सजी, ग्राहकी कमजोर

शहर में कूलर-पंखों की दुकानें सजी हुई हैं। हालांकि अभी इस बाजार ने जोर नहीं पकड़ा है। लंबे समय तक मॉनसून के सक्रिय रहने के बाद द्रोणिका - चक्रवात के असर के चलते गाहे-बेगाहे बारिश से भी गर्मी का एहसास अब तक नहीं हुआ है। दुकानदार बताते हैं कि, इस बार कूलर-पंखों के दाम आमूलचूल बढ़ोतरी हुई है। अभी ग्राहकी कम है।

आरओपी के रिक्त पदों की भर्ती के लिए 25 मार्च तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत वितीय वर्ष 2022-23 में जिले में स्वीकृत आरओपी के रिक्त पदों के लिए कलेक्टर दर पर अस्थायी भर्ती किया जाएगा। जिसके लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी से 25 मार्च 2023 तक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला राजनांदगांव पुराना जिला-अस्पताल गुरूद्वारा के सामने राजनांदगांव में आवेदन पत्र आमंत्रित की गई है। इस सबंध में विस्तृत जानकारी राजनांदगांव जिले की वेबसाईट तथा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव से प्राप्त कर सकते हैं।

चैत्र नवरात्रि के दौरान राजनांदगांव शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डोमन सिंह ने चैत्र नवरात्रि के दौरान दर्शन के लिए बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को दृष्टिगत रखते हुए राजनांदगांव शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। शहर में भारी वाहनों के प्रवेश से दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो सकती है। जिसे देखते हुए 20 मार्च से 30 मार्च 2023 तक राजनांदगांव शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस अवधि में जिला बालोद की ओर से आने वाले वाहनों को मोहारा बायपास से, खैरागढ़ की ओर से आने वाले वाहनों को गठुला से तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-53 से होकर गुजरने वाले वाहनों को ट्रांसपोर्ट नगर एवं सीआईटी बायपास से डायवर्सन किया गया है।

रक्तदान शिविर में 102 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

पायनियर संवाददाता ➤ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ डडसेना सिन्हा कलार समाज क्षेत्र तहसील इकाई चौकी द्वारा दैहान माता बहादुर कलारिन शौर्य दिवस मनाया गया। इस मौके पर जिला रक्तवीर संगठन द्वारा रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिविर में मीडिया प्रभारी जनक सोनवानी ने रक्त वीरों को प्रशस्ति पत्र एवं मेमोंटो देकर सम्मान किया। जिला रक्तवीर संगठन संघ अध्यक्ष फनेन्द्र जैन ने बताया सिन्हा समाज द्वारा रक्तदान शिविर में 170रक्तदाताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 102 रक्तदाताओं ने रक्तदान हिमोग्लोबिन ब्लड प्रेशर जांच के बाद रक्तदान किया। 70 रक्तदाता मान्य मापदंड में फिट नही होने से रक्तदान नही कर पाए। एक रक्तदान से तीन लोगो की जीवन रक्षा की जा सकती है। सिकलीन थैलेसिमिया डिलीवरी, एक्सीडेंट के मरीजों को शिविर में अर्जित ब्लड से तत्काल ब्लड देकर जीवन रक्षा की जाती है। इस अवसर पर नपंअध्यक्ष छुरिया राजकुमारी सिन्हा, थानाप्रभारी अंबागढ़ चौकी बृजेश सिन्हा, मनोज सिन्हा सदस्य पिछड़ावर्ग आयोग, धनेश सिन्हा प्राचार्य आत्मानंद स्कूल छुरिया सम्मिलित हुए। शिविर में युनुस ब्लड ग्रुप गैदाटोला, सत्यम ब्लड ग्रुप जोशीलमती एवं जिला रक्तवीर संगठन अंतर्गत समस्त ब्लड डोनेशन ग्रुप ने शिविर में रक्तदान कर रक्तवीरो का उत्साहवर्धन किया।

स्व. लाल श्यामशाह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने उमड़ा जन सैलाब

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मोहला विकासखण्ड के सुदूर वनांचल के ग्राम भोजटोला में गत दिनों प्रख्यात आदिवासी नेता एवं पूर्व सांसद स्व. लाल श्याम शाह के पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित उनके पुण्य दिवस पर अपार जन सैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में संसदीय सचिव एवं क्षेत्रीय विधायक इंद्रशाह मण्डावी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में पानाबरस राज के जमींदार लक्ष्मेंद्र शाह मण्डावी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोड़ समाज के केंद्र अध्यक्ष पूरन सिंह कुमेटी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव इंद्रशाह मण्डावी ने समाज के विकास के लिए संगठन को अत्यंत आवश्यक बताया। कार्यक्रम अध्यक्ष पूरन कुमेटी ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थिति के लिए समाज के लोगों को हृदय से धन्यवाद दिया। संभागीय अध्यक्ष नरेंद्र नेताम ने गोंडवाना समाज के महत्व एवं प्रासंगिकता के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। संभागीय महासचिव संजीत ठाकुर ने समाज के लोगों को हर समय सचेत रहकर अपने अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने को कहा। अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष चंद्रेश ठाकुर ने कहा कि गोंड़ियन संस्कृति विश्व की समस्त संस्कृतियों की जननी है। जिसका उल्लेख प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने अपने प्रसिद्ध पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इण्डिया में किया है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित अन्य समाज प्रमुखों ने भी अपना उद्गार व्यक्त किया।

एक दिवसीय जिला स्तरीय निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला आयोजित

- आयुर्वेद चिकित्सा का अधिक से अधिक लाभ उठायें : महापौर

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

आयुष विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लोहाणा महाजन बाड़ी स्टेशन रोड राजनांदगांव में एक दिवसीय जिला स्तरीय निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेले में आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सा पद्धतियों द्वारा सर्दी, खांसी, बुखार, खून की कमी, शरीर व हाथ-पैरों में दर्द, पेट संबंधी समस्या, चर्मरोग, कमजोरी तथा विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों को होने वाले समस्त रोगों की निःशुल्क चिकित्सा और औषधियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर महापौर हेमा देशमुख ने नागरिकों से अधिक से अधिक आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा कराने की आव्हान किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से लोगों को बहुत लाभ हो रहा है। घर के बगीचे में मिलने वाले औषधि पौधों व भाजी, तरकारी से सस्ती व सुलभ घरेलू उपचार किया जा सकता है। उन्होंने रागी, कोदो, कुटकी का अपने सामान्य जीवन में अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह दी। देशमुख ने आयुष विभाग द्वारा आयोजित शिविर का लाभ लेने के लिए नागरिकों से अपील की। साथ ही आयुष विभाग द्वारा निरंतर शिविर के माध्यम नागरिकों को चिकित्सा लाभ पहुंचाने के लिए सराहना की और आगे भी ऐसे शिविरों का आयोजन करने कहा। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष हफीज खान सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर असंगठित कर्मकार मण्डल के सदस्य विरेन्द्र चौहान, चेयरमेन नगर निगम सतीश मसीह व पार्षद विनय, सिद्धार्थ डोंगरे, शरद पटेल व आसिफ अली उपस्थित थे।

शिविर में आयुर्वेद पद्धति के 1388 रोगी, होम्योपैथी पद्धति के 315 रोगी, यूनानी पद्धति के 92 रोगी कुल 1795 रोगियों का जांच कर निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। पुरूष व महिला रोगियों को पृथक-पृथक पंचकर्म अंतर्गत स्नेहन व स्वेदन की सुविधा भी शिविर में उपलब्ध कराई गई तथा शिविर में पहुंचे सभी नागरिकों को आयुष काढ़ा का वितरण किया गया। शिविर में रोगियों के लिए रक्त परीक्षण अंतर्गत शुगर एवं हिमोग्लोबिन जांच की सुविधा भी उपलब्ध रही। आयुर्वेद पद्धति अंतर्गत ज्वर के 45 प्रतिश्याय के 198, कास के 122, वात रोग के 505, हृदय रोग के 43, डायबिटीज (मधुमेह) के 32, चर्मरोग के 322, उदर रोग के 302, स्त्रीरोग के 77, कर्ण - मुख- नासा के 24, अर्श (बवासीर व भगंदर) के 23 व अन्य रोग के 102 कुल 1795 रोगियों द्वारा चिकित्सा लाभ लिया गया। रक्त परीक्षण अंतर्गत 114 रोगियों की शुगर व हिमोग्लोबीनजांच किया गया। पंचकर्म अंतर्गत 89 रोगियों को स्नेहन-स्वेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में लगभग 2 हजार लोगों को आयुष काढ़ा वितरण किया गया। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. रमाकान्त शर्मा ने शिविर के आयोजन के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को एकजुटता बनाये रखते हुये टीम भावना से आयुष विभाग एवं नागरिकों के लिए काम करने हेतु प्रेरित किया।

मवेशी तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के चिल्हाटी थाना क्षेत्र में मवेशी तस्कर को पुलिस ने पकडक़र कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार एमएमसी जिले के पुलिस अधीक्षक वाई अक्षय कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानपुर पुपलेश कुमार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अर्जुन कुमार कुर्रे के मार्गदर्शन में पर थाना में थाना प्रभारी निरीक्षक खोमन सिंह भंडारी थाना चिल्हाटी के निर्देश पर चेकिंग के दौरान अंबागढ़ चौकी रोड से आते माहराडी चौक पर वाहन में अवैध रूप से 4 न मवेशी को बिना चारा-पानी के ठूंस-ठूंसकर ले जाते पाए जाने पर आरोपी नीलकंठ उर्फ नीलू कोचे 38 साल साकिन हज्जूटोला थाना चिल्हाटी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा एवं जब्त मवेशियों को सुरक्षार्थ के लिए गौशाला भेजा गया।

बेमौसम बरसात से किसानों के फसल क्षति के लिए राहत के निर्देश

- कृषि विभाग शीघ्रता से कार्यवाही करें- डॉ. जगदीश

पायनियर संवाददाता ➤ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

जिला केसीजी के कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर के निर्देश पर कृषि विभाग ने बेमौसम बरसात फसल क्षति की जानकारी हेतु सूचना जारी की है। तहसील गंडई, छुईखदान एवं खैरागढ़ में दिनांक 18.03.2023 को क्रमशः 9.3 मिमी., 4.7 मिमी. एवं 1.7 मिमी. वर्षा, दिनांक 19.03.2023 क्रमशः 47.1 मिमी., 12.3 मिमी. एवं 11 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है । जिले कें कृषकों के द्वारा वर्तमान में चना, गेहुं फसल की कटाई एवं मिंजाई का कार्य किया जा रहा है। वर्षा से चना एवं गेहुं की कटी फसल में क्षति होने की संभावना हो सकती है। कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर ने किसानों के राहत हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि - 'बेमौसम बरसात से कृषकों के फसल में क्षति होने की संभावना को देखते हुए, कृषि विभाग शीघ्रता से कार्यवाही करें।÷ इस पर कृषि विभाग के उपसंचालक राजकुमार सोलंकी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत के कंडिका क्रमांक-14 (ग) फसल कटाई के उपरांत खेत में सुखाने के लिये रखी गई फसल में नुकसान होने की स्थिति में योजनांतर्गत निहित प्रावधानों के तहत् प्रभावित कृषकों को क्षति पूर्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान है। 14-(ग) फसल कटाई के उपरांत खेत में सुखाने के लिये रखी गई फसल में नुकसान की स्थिति में फसल कटाई के उपरांत खेत में सुखाने के लिये रखी हुई अथवा बंडल में रखे हुई अधिसूचित फसल प्राकृतिक आपदा यथा-ओले, चक्रवत एवं बेमौसम वर्षा से अधिसूचित इकाई में 25 प्रतिशत् से अधिक क्षेत्रफल में फसलों का क्षति होती है तो ऐसी स्थिति में सेम्पल जांच कर सभी बीमित कृषको को क्षति का भुगतान किया जावेगा।

अधिकारी करेंगे आंकलन

विकासखंड स्तरीय कृषि/राजस्व विभाग के अधिकारी एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा फसल क्षति का आंकलन करेंगे। इस घटक के अंतर्गत अधिकतम देय सहायता बीमित राशि के अध्याधीन प्रभावित क्षेत्र के आपदा घटित होने तक फसल की कास्त लागत के अनुपात में होगी। यदि फसल कटाई प्रयोग के आधार पर अधिसूचित क्षेत्र में दावा भुगतान स्थानीय क्षति पूर्ति से अधिक निर्धारित होता है, तो दोनो में से जो भी दावा अधिक होगा, बीमित कृषक को देय होगा।

क्षति की सूचना बीमा कंपनी को टोल फ्री नंबर में दे

फसल में हुई क्षति की सूचना क्रियान्वित एग्रीकल्चर इंश्योरेंस बीमा कंपनी को सीधे टोल फ्री नंबर-1800-419-0344 या राजस्व/कृषि/संबंधित बैंक को लिखित रूप से निर्धारित समय-सीमा 72 घंटे के भीतर बीमित फसल के ब्योरे, क्षति की मात्रा तथा क्षति के कारण सहित सूचित कर सकते है।

कलिंगा विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

जूलॉजी विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन, अनुकूलन और लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए सुझाव और सिफारिशें पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था, जिसे नाबार्ड छत्तीसगढ़ द्वारा प्रायोजित और माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, भारत द्वारा सह-प्रायोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन नाबार्ड छत्तीसगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. ज्ञानेंद्र मणि (कार्यक्रम के मुख्य अतिथि) ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के बाद किया। डॉ. मणि ने पर्यावरण और कृषि क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में सस्टेनेबल डेवलपमेंट के साथ पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के साथ कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौती को दूर करने के संदर्भ में नाबार्ड की भूमिका को साझा किया। संजय गजघाटे, संयुक्त निदेशक, उद्योग निदेशालय, छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यावरण और जलवायु को ध्यान में रखते हुए उद्योग नीति बनाने पर बल दिया। कपिल देव दीपक, संयुक्त निदेशक कृषि एवं संयुक्त सीईओ, राज्य वाटरशेड प्रबंधन छत्तीसगढ़ ने कृषि और जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने जैविक खेती के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने और स्वस्थ पर्यावरण के लिए संतुलन बनाए रखने का आग्रह किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश पंचायत सचिव संगठन की प्रेसवार्ता

सरकार की बेरुखी से नहीं बदली सचिवों की तकदीर, जताई नाराजगी, हड़ताल में सचिव संघ

पायनियर संवाददाता ➤ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

प्रदेश पंचायत सचिव संगठन छत्तीसगढ़ के आह्वान पर पंचायत सचिव अपने एक सूत्रीय मांग परीवीक्षा अवधि पश्चात शासकीयकरण को लेकर छत्तीसगढ़ के सभी ब्लॉक मुख्यालय में 16 मार्च से काम बंद कलम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठ गए हैं। इसी क्रम में डोंगरगांव ब्लॉक में भी सचिव संघ हड़ताल में बैठे हैं। इस संदर्भ में ब्लॉक सचिव संघ ने मुख्यालय डोंगरगांव नगर में प्रेसवार्ता ली।

स्थानीय रेस्टहाउस में आहुत प्रेसवार्ता में ब्लॉक अध्यक्ष व जिलाध्यक्ष रामदुलार साहू, चमन साहू, कोमल साहू व योगेश साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में सरकार बदल रही हैं, लेकर सचिवों की तकदीर नही बदल रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने पहली बार मुख्यमंत्री निवास में 24 जनवरी 2021 को पंचायत सचिवों का दिसंबर 2021 तक शासकीयकरण करने एवं दूसरी बार इंडोर स्टेडियम रायपुर में 29 मार्च 2022 को पंचायत सचिव का शासकीयकरण करने हेतु घोषणा किया था। साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा पर कार्यकाल के अंतिम बजट में कोई जिक्र तक नही किया गया। अतएव संगठन के निर्णय मुताबिक हड़ताल में जाने मजबूर हैं। जिलाध्यक्ष ने प्रदेश संगठन के निर्णय मुताबिक आगामी कदम उठाने की बात कही है। पंचायत सचिवों के हड़ताल में जाने से शासन की महत्वकांक्षी योजना गोबर खरीदी, रीपा कार्य, गौठान के समस्त कार्य, मनरेगा के कार्य, जन्म-मृत्यु पंजीयन, राशनकार्ड, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, सामाजिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा पेंशन, मुख्यमंत्री पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता, श्रद्धांजलि योजना, पेयजल व्यस्था, शौचालय निर्माण, वन अधिकार पट्टा वितरण, स्वामित्व योजना सर्वेक्षण, ग्राम सभा, बजट निर्माण, समस्त निर्माण कार्य एवं वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में होने से लेखा जोखा के कार्य पूर्ण रूप से प्रभावित हो गए हैं।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पांचवें दिन भी जारी

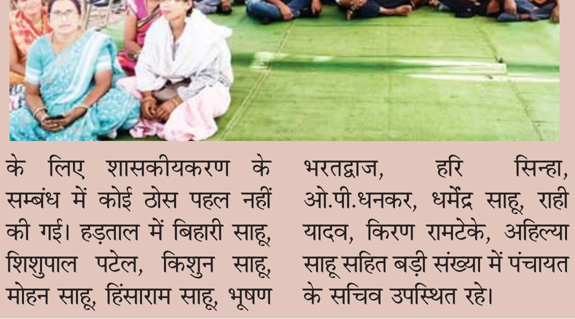

जनपद पंचायत छुरिया के 118 ग्राम पंचायत के सचिव भी हड़ताल में बैठे हुए हैं।सचिवो के हड़ताल में जाने से शासन के विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ रहा है, जिसमे शासन की महत्वाकांक्षी योजना गोधन न्याय योजना अंतर्गत गोबर खरीदी का काम बंद हो गया है।

पंचायत सचिव संघ छुरिया के ब्लॉक अध्यक्ष रेखचन्द यादव ने बताया कि पंचायत मंत्री रविन्द्र चौबे एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दिये गए आश्वासन के बाद भी 6 मार्च को बजट में सचिवों के लिए शासकीयकरण के सम्बंध में कोई ठोस पहल नहीं की गई। हड़ताल में बिहारी साहू, शिशुपाल पटेल, किशुन साहू, मोहन साहू, हिंसाराम साहू, भूषण भरतद्वाज, हरि सिन्हा, ओ.पी.धनकर, धर्मेंद्र साहू, राही यादव, किरण रामटेके, अहिल्या साहू सहित बड़ी संख्या में पंचायत के सचिव उपस्थित रहे।

कोरबा जिले में दर्री डैम के खोले गए दो गेट, दो दिन की बारिश से छलका पानी

बेमौसम वर्षा से हसदेव नदी में मानसून जैसा नजारा दिखने लगा

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

कोरबा जिले के दर्री डेम में दो गेट खोलने पड़ें। अचानक मौसम खराब होने से दो दिन तक हुई 23.23 मिमी वर्षा का असर दर्री बांध पर पड़ा। बायीं और दायीं तट नहर से पानी छोड़ने के बाद भी गेट से पानी छलकने लगा। भराव को नियंत्रित करने के लिए सुबह 7 बजे एक और ग्यारह नंबर गेट को एक फिट खोलना पड़ा। बेमौसम वर्षा से हसदेव नदी में मानसून जैसा नजारा दिखने लगा है। आम तौर पर दर्री बांध का गेट बांगो गेट खुलने अथवा मानसून के दौरान खोला जाता है, लेकिन इस बार बेमौसम वर्षा से बांध के गेट को गर्मी के समय खोलने की नौबत आई है। 8.12 मिमी हुई वर्षा के बाद बांध में जल भराव का स्तर बढ़ने लगा। नहर के बायीं तट से 1265 और दायीं तट 1342 क्यूसेक प्रति सेकेंड पानी छोड़े जाने से बांध में पानी का भराव नियंत्रित था। हुई चौतरफा वर्षा का असर बांध में पड़ने लगा। कोरबा के अलावा कोरिया जिला क्षेत्र में हुई वर्षा की वजह से बांध

में तेजी से भराव हुआ। कोरबा क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों से बहकर इस बांध पानी पहुंचता है। यही वजह है कि बांगो बांध की जगह दर्री बांध में पानी अधिक भर जाता है। नौबत यह आ गई कि नहर में पानी छोड़ने के बाद भी गेट से पानी छलकने लगा। मार्च महीने से ग्रीष्म का असर शुरू हो जाता है। नहर से निस्तारी के लिए पानी छोडना पड़ता है। नदी में पानी छोड़ने से पहले लोगों को सूचित किया जाता है।

लेकिन अचानक हुई वर्षा से बांध का जल स्तर बढ़ने लगा और विभाग को बिना सूचना के ही पानी छोड़ना पड़ा। जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की शाम 5 बजे तक गेट क्रमांक 11 को एक फिट खोलकर पानी 1326 क्यूसेक प्रति सेकेंड पानी छोड़ा जा रहा था।

नदी कछार के किसानों को हुई सहूलियत

नदी में पानी छोड़े जाने से नदी कछार योजना के तहत तटों पर खेती करने वालों को सहूलियत होगी। भले ही दो दिन तक हुई वर्षा से अभी जमीन में अभी नमी है लेकिन आने वाले दिनों में इन किसानों को नदी में पानी होने से सिंचाई के लिए आसानी होगी। जिला उद्यानिकी विभाग को इस बार नदी कछार योजना के तहत शासन से 42 हेक्टेयर भूमि में खेती के लिए लक्ष्य मिला हैं। खेती करने वाले किसानों को 4000 रूपये प्रति एकड़ सब्सिडी दी जाएगी।

धार्मिक अनुष्ठान के बाद स्वामी भजनानंद सेवा आश्रम में 58 बेटियों के किये गए हाथ पीले

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

कोरबा जिलान्तर्गत देवी संपद मंडल ने विष्णु महायज्ञ के 43वें आयोजन में धार्मिक अनुष्ठान की पूर्ति कर शहर और गांवों के लोगों को जोड़ा। अबकि बार कार्यक्रम के अंतिम दिवस 58 बेटियों के हाथ पीले किये गए। इस परंपरा की शुरूआत से लेकर अब तक यह संख्या 1008 हो गई हैं। कन्यादान के साथ नवदंपत्तियों को आयोजकों ने गृहस्थी के सभी सामान सहित नगद राशि और अनाज भेंट किया गया। बीते वर्षों में यहां से नई जिंदगी की शुरूआत करने वाली दंपत्तियां सहयोगी के रूप में शामिल हुई। जिले के सीमांत क्षेत्र केंदई के स्वामी भजनानंद आश्रम परिसर में 43वें विष्णु महायज्ञ का आयोजन 12 मार्च को प्रारंभ हुआ। तब से अब तक महायज्ञ में समाज और राष्ट्र कल्याण की कामना से आहुतियां दी गई। पर्यावरण संरक्षण भी इसका एक अहम उद्देश्य था। देवी संपद मंडल के प्रतिनिधियों के संरक्षण और मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम

के अंतर्गत श्रीमद भागवत कथा भी हुई, जिसमें प्रख्यात कथा वाचकों ने भगवान की महिमा सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। आयोजन के समापन दिवस पर सामुहिक विवाह किया गया। ग्रामीण अंचल की उन बेटियों का विवाह संस्कार यहां पर संपन्न कराया गया जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है। अनेक ग्रामों में फैले देवी संपद मंडल के कार्यों से प्रभावित ऐसे लोगों ने विवाह संस्कार के लिए इस परिसर को चुना। विवाह मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार पुरोहितों ने नव युगलों को परिणय सूत्र में आबद्ध किया। मृत्युंजय आश्रम के महामंडलेश्वर ने इन्हें आशीर्वाद प्रदान किया और लगातार आश्रम का सानिध्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में यजमान और श्रद्धालु उपस्थित थे।

23 वर्षो से हो रहा कन्यादान

स्वामी भजनानंद सेवा आश्रम से जुड़े एक प्रतिनिधि ने बताया कि विष्णु महायज्ञ 43 वर्ष से हो रहा है, जबकि कन्यादान के आयोजन का यह 23वां वर्ष है। इस वर्ष 58 कन्याओं का विवाह संपन्न कराया गया। इस परिसर से विवाहित जोड़े हमारे साथ पारिवारिक सदस्य की भांति जुड़े हुए हैं। परंपरा को आगे भी जारी रखा जाना हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने दिया विशेष तोहफा, राजनैतिक सलाहकार ने कहा- बेटियां करेंगी देश दुनिया में बिलासपुर का नाम रोशन

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार प्रदीप शर्मा ग्राम पंचायत नंगोई और लखराम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर स्थानीय लोगों समेत जन प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श भी किया। लोगों की समस्याओं को गौर से सुना साथ ही शासन की योजनाओं के बारे में भी बताया। प्रदीप शर्मा ने कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार की नीतियों से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है। प्रदेश का आज हर वर्ग खुशहाल है। खासकर युवाओं और किसानों में प्रगति के साथ जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अपने उद्बोधन में प्रदीप शर्मा ने सरकार की नीतियों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रदीप शर्मा ने कहा कि प्रदेश मुखिया भूपेश बघेल के नीतियों के चलते आज सभी वर्गों में उत्साह देखने को मिल रहा है। क्या युवा,क्या किसान क्या व्यापारी,क्या कर्मचारी सभी लोगों को प्रदेश सरकार की नीतियों और योजनाओं को लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार प्रदीप शर्मा ने गौठान समिति,राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों को बताया कि हमने अभी तक क्या किया है। सरकारी की नीतियों से जनता को क्या फायदा पहुंचा है। इस बात की जानकारी को प्रदेश की एक एक जनता तक पहुंचाना है। प्रदीप शर्मा ने बताया कि बेशक देश पर आर्थिक मंदी का प्रभावन दिखने लगा है। लेकिन प्रदेश सरकार की कुशल नीतियों के कारण आज छत्तीसगढ में आर्थिक मंदी का कोई असर नहीं दिखाई देता है। प्रदीप शर्मा ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को बताया कि सभी लोग अपनी जिम्मेदरियों का बखूबी के साथ निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बजट में सभी वर्गों को कुछ ना कुछ दिया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांग को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया।

भाजपा के आदिवासी नेता आरक्षण विधेयक पर अपना रुख साफ करें : मोहन मरकाम

भाजपा के दबाव में आरक्षण विधेयक रूका हुआ है

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, ओबीसी लेकिन ओबीसी समाज की उनको परवाह नहीं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

आरक्षण संशोधन विधेयक को राजभवन में महिनों से अटका हुआ है। राज्यपाल बदलने के बाद भी अभी तक राजभवन ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा के आदिवासी नेता आरक्षण विधेयक पर अपना रुख साफ करें। आरक्षण संशोधन विधेयक में आदिवासी समाज के लिये 32 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। बिलासपुर हाई कोर्ट से 58 प्रतिशत आरक्षण को 50 प्रतिशत किये जाने पर आदिवासी समाज का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। आरक्षण विधेयक राजभवन में रुका है तो इसका खामियाजा आदिवासी समाज को सबसे ज्यादा हो रहा। कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार से मांग करती है वह हस्तक्षेप कर आरक्षण विधेयक पर राज्यपाल को हस्ताक्षर करने को कहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा पारित करवाये गये आरक्षण संशोधन विधेयक में ओबीसी के लिये भी 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ओबीसी वर्ग से आते है लेकिन ओबीसी वर्ग के हितों के खिलाफ जाकर वे लोग भी आरक्षण विधेयक को राजभवन में रोकवाये है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वर्तमान विधेयक को बनाने के ठोस आधारों का अध्ययन किया है। कांग्रेस ने सर्व समाज को आरक्षण देने अपना काम पूरी ईमानदारी से करके सभी वर्गो के लिये आरक्षण का प्रावधान किया है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति को उनकी जनगणना के आधार पर तथा पिछड़ा वर्ग को क्वांटी फायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण का प्रावधान किया। इस विधेयक में अनुसूचित जनजाति के लिये 32 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिये 13 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगो को भी 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। 76 प्रतिशत का आरक्षण सभी वर्गो की आबादी के अनुसार निर्णय लिया है।

हरीश बने असाटी समाज समिति के अध्यक्ष

पायनियर संवाददाता ◄ मनेंद्रगढ़
www.dailypioneer.com

असाटी समाज समिति के गठन के लियें एक बैठक अनीष गुप्ता के घर मे रखी गई जिसमे सभी घर से सामाजिक बन्धु उपस्तिथ रहे। बैठक में समिति के गठन को लेकर उपस्तिथ लोगो ने अपनी राय रखी। जिसके बाद सर्वसम्मति से हरीश गुप्ता अध्यक्ष, नितिन गुप्ता उपाध्यक्ष, काशीश असाटी सचिव, मनीष गुप्ता संयुक्त सचिव और रोहित गुप्ता को कोषाध्यक्ष बनाया गया। समिति में समाज के वरिष्ठ संतोष गुप्ता, सी एल असाटी, राजेन्द्र गुप्ता और भगवान दास गुप्ता को संरक्षक बनाया गया। वही कार्यकारिणी में विनय गुप्ता, अनीश गुप्ता, सतीश गुप्ता, उमेश गुप्ता, गौरव, आशीष गुप्ता, निखिल गुप्ता और सिद्धार्थ गुप्ता को रखा गया है। समिति के गठन के बाद सभी ने एक दूसरे को बधाई दी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समिति का कार्यकाल एक साल का रहेगा। हर महीने समिति की बैठक होगी और 100 रुपए की सहयोग राशि हर परिवार से ली जाएगी।

कोरोना से महिला की मौत,बेटा भी पॉजिटिव होम आइसोलेशन में चल रहा उपचार

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

क्या कोरोना वापस लौट रहा है?यह प्रश्न इसलिए उठ रहा है कि शनिवार को एक पीड़ित महिला की निजी अस्पताल में मौत हो गई है।मृत महिला का बेटा भी जांच में पॉजिटिव पाया गया है और उसका इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है। शनिवार को एक महिला की 10 दिन की बीमारी के बाद कोरोना से मौत हो गई। जबकि उसका बेटा अभी भी पॉजिटिव है, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। तारबाहर थाना क्षेत्र अंतर्गत व्यापार विहार स्थित श्रीराम टावर निवासी 40 वर्षीय एक महिला 10 दिनों से बीमार चल रही थी ।उसे सर्दी खांसी जुकाम था। सामान्य बीमारी समझकर पहले वह घर पर ही दवाइयां खा रही थी, इस बीच उसने एक डॉक्टर से भी सलाह ली पर कोविड़ जांच नही करवाया। लेकिन स्वस्थ होने की बजाय उसकी हालत बिगड़ती चली गई। परिजनों ने उसे 16 मार्च की शाम 5:00 बजे गंभीर हालत में सिम्स मेडिकल कॉलेज के पास स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जांच के दौरान महिला का ऑक्सीजन लेवल मात्र 40 मिला। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर में भर्ती कर दिया। महिला के एक्सरे रिपोर्ट देखने व ऑक्सीजन लेवल कम होने पर डॉक्टरों को कोरोना का संदेह हुआ। 17 मार्च को उसका सीटी स्कैन कराया गया। जांच रिपोर्ट में महिला कोरोना पॉजिटिव मिली। लगातार इलाज के बाद भी महिला के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। शनिवार की देर शाम उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद उसके परिजनों को शव कोरोना प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार करने की समझाइश देकर सौंप दी गई है। वही महिला के घर वालों का कोविड़ टेस्ट करने पर महिला का बेटा भी कोरोना पॉजिटिव मिला है। जिसके बाद उसे होम आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में दुर्ग में दो,रायपुर में 5 और बिलासपुर में एक कुल 8 ही सक्रिय मरीज है।

फर्जी नियुक्ति पत्र थमा 3 लाख रुपए वसूलने वाला फरार आरोपी धमतरी से हुआ गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

नौकरी दिलाने का झांसा दे 3 लाख रुपए लेने और फर्जी नियुक्ति पत्र देकर फरार हुए आरोपी युवक को सरकंडा पुलिस ने धमतरी से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख रूपये लेकर पीड़ित से धोखाधड़ी किया था युवक ने पीड़ित को फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर जेडी ऑफिस में तृतीय श्रेणी क्लर्क के पद पर नौकरी लग गयी है बोल कर पैसे लिए थे। ज्वाइनिंग लेटर को ले कर जब पीड़ित ने जानकारी ली तो पता चला कि फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। जिसकी शिक़ायत सरकंडा थाने में की गई थी। सरकंडा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार प्रार्थिया स्वाति पाण्डेय पति सौरभ तिवारी निवासी कपिल नगर सरकण्डा ने 10 सितंबर 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसके भाई ऋषभ का परिचय संतोष श्रीवास नामक व्यक्ति से जिला अस्पताल बिलासपुर में हुआ था, जिसने चर्चा दौरान नीरज लाल द्वारा आई.टी.आई. कोनी में नौकरी लगवा देने की बात बताने पर संतोष श्रीवास के माध्यम से जून 2018 में नीरज लाल के निवास स्थान गीतांजली सिटी फेस-2 में नौकरी लगाने के नाम पर 3,00,000 / रू. नगद दिये उसके बाद नीरज लाल द्वारा भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली का नौकरी के लिये प्रमाण पत्र दिया और बताया कि जे. डी. ऑफिस तृतीय मंजिल कम्पोजिट बिल्डिंग बिलासपुर में स्थाई रूप से तृतीय श्रेणी कलर्क के पद पर आपकी नियुक्ति हो गई तब जे. डी. आफिस पहुंचकर नौकरी के संबंध में पता लगाई तो पता चला कि नीरज लाल द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर 3,00,000/- रू लेकर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर धोखाधड़ी किया है। पीड़िता के रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर आरोपी की खोजबीन की गई आरोपी रिपोर्ट बाद से लगातार फरार चल रहा था, जिसकी पतासाजी दौरान तकनीकी साक्ष्य एकत्र किया गया जिस पर आरोपी नागपुर महाराष्ट्र एवं धमतरी छ.ग. में आना-जाना कर लूक छिप रहा है, उक्त तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपी पतासाजी के संबंध में एसपी बिलासपुर संतोष कुमार सिंह को अवगत कराया गया जिनके द्वारा आरोपी की तत्काल गिरफ्तार करने टीम भेजने निर्देशित किया गया। टीम तैयार कर आरोपी नीरज लाल को धमतरी से विधिवत् गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरी. फैजुल होदा शाह, उनि सत्यनारायण देवांगन, प्र.आर. प्रमोद सिंह, आर. मनोज बघेल, धर्मेन्द्र कुमार, विवेक राय, सोनू पाल, राहुल सिंह, मिथलेश सोनी का विशेष योगदान रहा ।

ऊर्जाधानी संगठन ने भरी हुंकार, 25 को गेवरा से आंदोलन की शुरुआत

11 सूत्रीय मांगों को लेकर सीएमडी को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

जिलान्तर्गत एसईसीएल के भू-विस्थापितों की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति ने सीएमडी कार्यालय पहुंचकर आंदोलन की चेतावनी दी है। 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 5 चरण में आंदोलन की रूपरेखा बनाई गई है। इसके तहत जिले की खदानों को बारी-बारी बंद कर आंदोलन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप सहित अन्य प्रतिनिधियों ने बिलासपुर मुख्यालय पहुंचकर मांग पत्र सौंपा है, जिसमें कहा गया है कि 25 मार्च को एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में सम्पूर्ण खदान बंद किया जाएगा। आगामी 5 अप्रैल को दीपका, 16 अप्रैल को कुसमुंडा, 25 अप्रैल को कोरबा क्षेत्र में सम्पूर्ण खदान बंद किया जाएगा। इसके बाद भी मांग पूरी नहीं हुई तो 5 मई को रेल और सड़क जाम किया जाएगा। उनका कहना है कि पूर्व में अनेक बार बैठकों में लिए गए निर्णय और आश्वासन, जिला प्रशासन के दिशा निर्देशों को पालन नहीं किया गया है। इसके कारण कोरबा जिले में एसईसीएल की गेवरा, दीपका, कुसमुंडा और कोरबा क्षेत्र के भू-विस्थापित परिवार अपने अधिकार को पाने के लिए भटक रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगों में वन टाइम सेटलमेंट कर रोजगार के पुराने लंबित मामलों का जल्द से जल्द निराकरण किया जाना शामिल है। इसके अलावा उनका कहना है कि एक खाता एक रोजगार नियम के विरुद्ध अलग-अलग खाता का संयोजन, रोजगार से वंचितों को रोजगार प्रदान किया जाए। एसईसीएल में लागू कोल इंडिया पॉलिसी 2012 को वापस लिया जाए। हर खाते में स्थायी रोजगार और नौकरी प्रदान की जाए। वर्ष 2010 से इस पॉलिसी को अमल में लाने का फैसला लिया गया था। उसके पहले वर्ष 2004-2009 के अर्जन के मामलो में सभी मूल खातेदार एवं पैतृक बंटवारे से सहखातेदार को रोजगार दिया जाए। भू-विस्थापित परिवारों के शेष बेरोजगार युवाओं को खदान परिक्षेत्र में वैकल्पिक रोजगार की 100 फीसदी व्यवस्था किया जाए। बसाहट के लिए 10 डिसमिल भूमि, बसाहट की एवज में 25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाए। रलिया, भिलाईबाजार, हरदीबाजार सहित अन्य सभी ग्रामों में हुए आंशिक अधिग्रहण को रद्द किया जाए। गांव का सम्पूर्ण अर्जन किया जाना शामिल है। वर्तमान में दीपका, कुसमुंडा गेवरा में लागू बसाहट के एवज में राशि, भू-विस्थापितो को टेंडर इत्यादि सुविधाओं को कोरबा क्षेत्र अंतर्गत सरईपाली परियोजना में भी प्रदान किया जाए।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने जिला अस्पताल में कोल्ड स्टोरेज स्थापना कार्य का किया भूमिपूजन

सवा चार वर्षों में प्रदेश के मेडिकल सुविधाओं पर हुए व्यापक कार्य : मंत्री जयसिंह अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

विगत चार वर्षो के दौरान हमारी सरकार ने प्रदेश में मेडिकल व स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में व्यापक स्तर पर काम किया है, जहॉं तक कोरबा का प्रश्न है तो इस दौरान कोरबा में मेडिकल सुविधाओं में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, मेडिकल कालेज की बड़ी सौगात मिली है, जिला अस्पताल का कायाकल्प, डायलिसिस सुविधा अन्य सुविधाओं में वृद्धि, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के कार्य हुए हैं, वार्ड में 34 हेल्थ क्लीनिक खोलने की स्वीकृत मिली है तथा शेष वार्डो में भी यह स्वीकृत दी जाएगी। उन्होने कहा कि प्रतिदिन 08 मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों की मुफ्त जांच व उनकी बीमारियों का निःशुल्क इलाज भी किया जा रहा है। उक्त कथन राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय कोरबा में कोल्ड स्टोरेज स्थापना कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कही। जिला चिकित्सालय कोरबा में जीवन रक्षक टीकों के संधारण एवं संग्रहण हेतु 35 लाख 74 हजार रूपये की लागत से कोल्ड स्टोरेज स्थापना का कार्य निगम द्वारा कराया जाएगा, आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उक्त कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर राजकिशोर प्रसाद ने की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्यामसुंदर सोनी, एम.आई.सी. सदस्यगण, पार्षदगण, एल्डरमेनगण आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व, आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने आगे कहा कि कोरबा में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा व चिकित्सा इन पांचों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेष ध्यान रखकर कार्य किए गए हैं। हमारे आग्रह पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मेडिकल कालेज की सौगात देने के साथ ही अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की स्थापना सहित अन्य सौगातें दी है। उन्होने कहा कि आज कोरबा में पेयजल की समस्या नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई, बरसों पुरानी इस समस्या का सम्पूर्ण व दीर्घकालिक निदान किया जा चुका है, हर बिजलीविहीन बस्ती, मोहल्ले, पारे, ग्राम, सड़क, मार्ग आदि में एक सुनियोजित कार्य योजना के साथ काम करते हुए बिजली सुविधा पहुंचाई गई है, सड़कों के निर्माण व सुधार की दिशा में व्यापक कार्य हुए हैं तथा अभी भी जारी है।

टीकाकरण दवाओं के स्टोरेज की सुविधा

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने आगे कहा कि कोल्ड स्टोरेज की स्थापना हो जाने से टीकाकरण के इंजेक्शन व अन्य दवाईयों जिन्हें ठंडे स्थान में रखने की आवश्यकता होती है, उनके स्टोरेज की सुविधा प्राप्त हो जाएगी तथ दवाओं के खराब होने की संभावना नहीं रहेगी। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डीन डॉ. मेश्राम व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने कोल्ड स्टोरेज स्थापना कार्य का भूमिपूजन करने हेतु राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि पहले आवश्यकतानुसार रायपुर से टीका वैक्सीन आदि मंगवाना पड़ता था, अब इनको स्टोरेज करने की सुविधा कोरबा में ही हो जाएगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष व पार्षद सुरेन्द्रप्रताप जायसवाल, शहर अध्यक्ष व एम.आई.सी. सदस्य सपना चौहान, पूर्व सभापति व एम.आई.सी. सदस्य संतोष राठौर, मेयर इन काउंसिल सदस्य पालूराम साहू, एल्डरमेन आरिफ खान, मेडिकल कालेज के डीन डॉ. मेश्राम, सीएमएचओ डॉ. एस.एन. केशरी, डॉ. कुमार पुष्पेश, डॉ. राकेश अग्रवाल, डॉ. कमल देवांगन, निगम के जोन कमिश्नर आर.के. माहेश्वरी, सहायक अभियंता प्रकाश चन्द्रा, विनोद नेताम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अरपा के विकास के लिए हर गांव एवं ग्रामीण की भागीदारी जरूरी

- **अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण, राजीव युवा मितान क्लब और गोठान समिति की संयुक्त बैठक**

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में अरपा विकास प्राधिकरण, राजीव युवा मितान क्लब एवं गोठान समिति के अध्यक्षों की संयुक्त बैठक कोटा जनपद कार्यालय के सभागार में हुई। शर्मा ने कहा कि अरपा नदी के रिवाईवल के लिए इसके कैचमेंट एरिया में रहने वाले हर गांव एवं ग्रामीण की भागीदारी सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी जरूरत कैचमेंट एरिया के लोगों में जागरूकता लाने की है। राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों और गोठान समिति के अध्यक्षों को उन्होंने अरपा को सदानीरा बनाए रखने के लिए अपने-अपने गांव का मुआयना कर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभय नारायण राय, सदस्य महेश दुबे, नरेन्द्र बोलर, आशा पांडे, जनपद पंचायत अध्यक्ष मनोहर सिंह राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम हरिओम द्विवेदी, सीईओ एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में शर्मा ने कहा कि अरपा नदी बिलासपुर सहित पूरे जिले की विकास रेखा है। नदी का कैचमेंट एरिया 3 हजार 600 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसके लिए स्वीकृत तमाम परियोजनाओं का मुख्य लक्ष्य इसे पुनर्जीवित करते हुए बारहमासी नदी बनाना है।

21 मार्च, विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर

मुख्यमंत्री
वृक्ष संपदा योजना
का
शुभारंभ

देश में पहली बार
बड़े पैमाने पर सभी वर्ग के किसानों की पड़त भूमि पर
वाणिज्यिक वृक्षारोपण

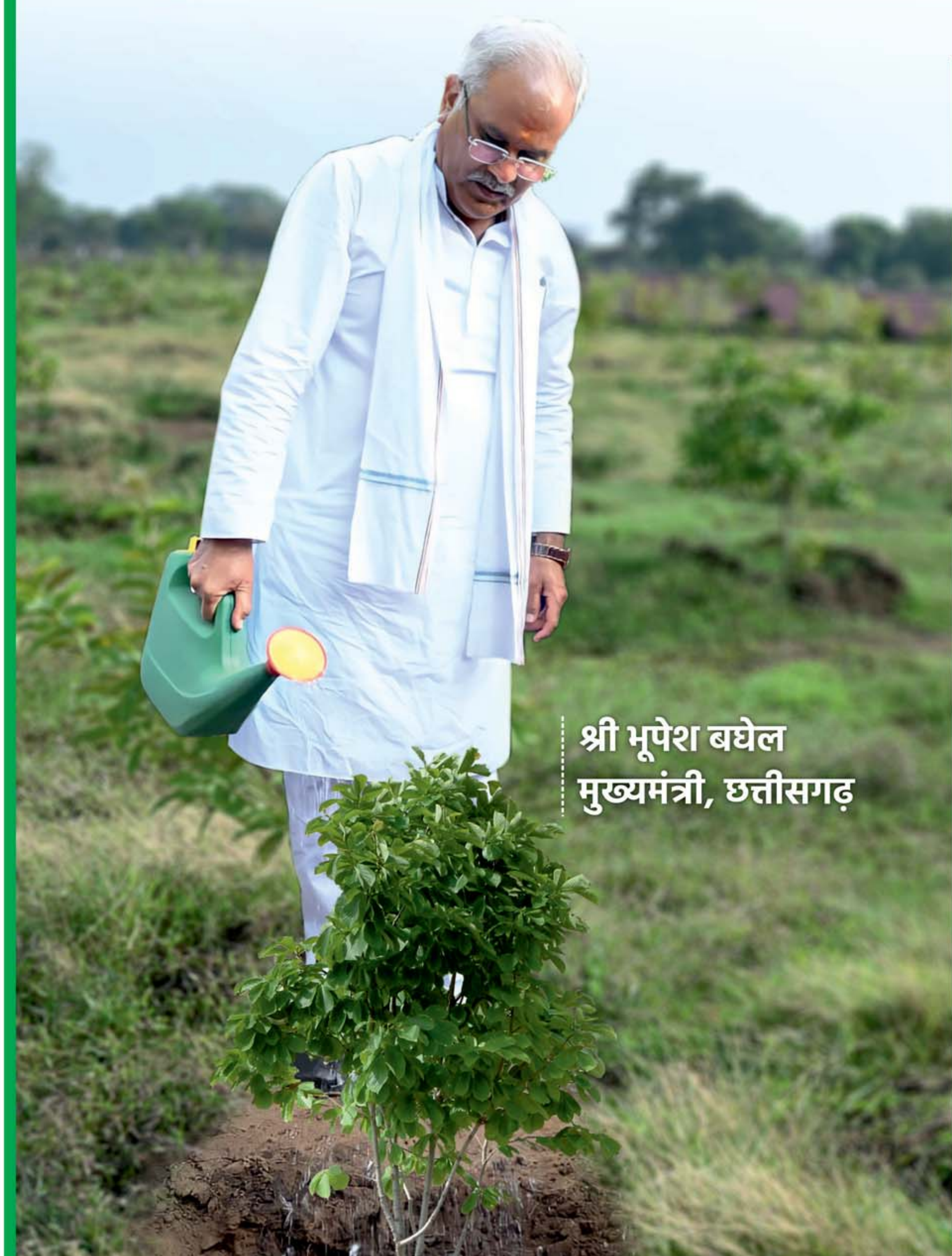

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

- सभी 33 जिलों में 23,600 किसानों द्वारा 36,230 एकड़ भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण प्रारंभ किया जाएगा
- देश में पहली बार चिन्हित प्रजातियों के वृक्षों की निर्धारित न्यूनतम क्रय मूल्य पर खरीदी की गारंटी
- 5 वर्षों में लगभग 1.80 लाख एकड़ में रोपण का लक्ष्य
- काष्ठ आधारित उद्योगों को बढ़ावा
- किसानों को प्रति वर्ष प्रति एकड़ 50,000 रुपए तक की आय
- कार्बन क्रेडिट के माध्यम से अतिरिक्त आय की संभावना

samvad-35992/111

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
अपने नजदीकी वन विभाग कार्यालय | या | टोल फ्री नंबर 180-023-37000

छत्तीसगढ़ सरकार, भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403